हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 01 | अंक - 325 | बेमेतरा, शनिवार 12 जुलाई 2025 | रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित | कुल पेज - 8 | मूल्य - 5 रूपये

विष्णुदेव साय कैबिनेट की बैठक में लिए गए अनेक महत्वपूर्ण निर्णय

राज्य पुलिस सेवा के अधिकारियों को मिला वरिष्ठ प्रवर वेतनमान

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित कैबिनेट की बैठक में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। मंत्रिपरिषद द्वारा राज्य पुलिस सेवा संवर्ग के उचित प्रबंधन हेतु अर्हकारी सेवा अवधि पूर्ण कर चुके वर्ष 2005, 2006, 2007, 2008 तथा 2009 बैच के अधिकारियों को वरिष्ठ प्रवर श्रेणी वेतनमान प्रदान किये जाने हेतु 30 सांख्येतर पद निर्मित कर वरिष्ठ प्रवर श्रेणी वेतनमान प्रदान करने का निर्णय लिया गया। मंत्रिपरिषद द्वारा जनजातीय समूहों एवं अन्य वंचित वर्गों के गरीब युवा, महिलाओं एवं तृतीय लिंग के लोगों के संस्थागत विकास के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए छत्तीसगढ़ शासन एवं पैन आईआईटी एलुमनी रीच फॉर इंडिया फाउंडेशन के मध्य एक गैर-लाभकारी संयुक्त उद्यम कंपनी के गठन को मंजूरी प्रदान की गई। इस ज्वाइंट वेंचर कंपनी के माध्यम से अनुसूचित जनजाति एवं अन्य वंचित समुदायों के गरीब युवाओं, महिलाओं एवं तृतीय लिंग के लोगों को संस्थागत व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं ग्रामीण उद्यमिता के माध्यम से सशक्त एवं विकसित किया जाएगा। छत्तीसगढ़ शासन एवं पैन आईआईटी का ज्वाइंट वेंचर वंचित समुदायों के विकास के लिए आदिवासी उपयोजना, अनुसूचित जाति उपयोजना आदि के अप्रयुक्त फंड का अभिसरण कर आजीविका एवं सामाजिक आर्थिक बदलाव के लिए कार्य करेगा। कौशल विकास कार्यक्रमों के प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण का कार्य पैन आईआईटी द्वारा किया जाएगा। प्रशिक्षित युवाओं को अंतर्राष्ट्रीय बाजार में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने हेतु आवश्यक कौशल के साथ फॉरेन लैंग्वेज सिखाने का कार्य किया जाएगा। पैन आईआईटी द्वारा प्रशिक्षण देने के लिए जिला प्रशासन एवं विभागों द्वारा आवश्यक शासकीय भवनों का पहचान किया जाएगा एवं उसे ज्वाइंट वेन्चर कंपनी को हस्तांतरित किया जाएगा। पैनआईआईटी, आईआईटी के पूर्व छात्रों द्वारा बनाई गई सोसायटी है जो राज्य सरकारों के साथ गैर लाभकारी संयुक्त उपक्रम बनाकर, राष्ट्रनिर्माण मिशन, व्यवसायिक, आजीविका शिक्षा व्यवस्था एवं ग्रामीण उद्यमिता के माध्यम से वंचित समुदायों के आय में सुधार लाने का कार्य करती है। मंत्रिपरिषद द्वारा पुराने वाहनों से होने वाली सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम तथा वायु प्रदूषण को नियंत्रण करने के लिए छत्तीसगढ़ मोटरयान कराधान अधिनियम-1991 में संशोधन विधेयक के प्रारूप का अनुमोदन किया गया।मंत्रिपरिषद द्वारा छत्तीसगढ़ मोटरयान नियम-1994 के नियम, 55 में संशोधन का अनुमोदन किया गया। जिसके तहत वाहन स्वामी अपने पुराने वाहन के फैंसी या च्वाइस नंबर को नए या किसी अन्य राज्य से लाए गए उसी श्रेणी के वाहन में उपयोग कर सकेंगे, इसके लिए आवश्यक शुल्क का भुगतान करना होगा। यदि पुराना नंबर सामान्य नंबर था तो छत्तीसगढ़ मोटरयान नियम 1994 के नियम 55(2)(ग) के अनुसार आवश्यक शुल्क भरने के बाद इसका उपयोग संभव होगा।यह सुविधा केवल नए वाहन के पंजीयन या अन्य राज्य से अनापत्ति प्रमाण पत्र लेकर आए वाहनों पर लागू होगी, पहले से राज्य में पंजीकृत वाहनों पर नहीं। शासकीय वाहनों के लिए भी यह सुविधा मिलेगी, इसके लिए उन्हें कोई शुल्क नहीं देना होगा। छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) (संशोधन) विधेयक, 2025 के प्रारूप का अनुमोदन किया गया।

जनजातीय व वंचित समुदायों के लिए संयुक्त उद्यम..

मंत्रिपरिषद ने पैन आईआईटी एलुमनी रीच फॉर इंडिया फाउंडेशन के साथ मिलकर गैर-लाभकारी संयुक्त उद्यम कंपनी बनाने को मंजूरी दी। इसके जरिए आदिवासी, गरीब, महिलाओं व तृतीय लिंग समुदाय के युवाओं को व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास व ग्रामीण उद्यमिता के माध्यम से सशक्त किया जाएगा। प्रशिक्षकों को पैनआईआईटी प्रशिक्षित करेगा एवं अंतरराष्ट्रीय रोजगार हेतु फॉरेन लैंग्वेज भी सिखाई जाएगी।

पुराने वाहनों पर दो बड़े फैसले..

छत्तीसगढ़ मोटरयान कराधान अधिनियम-1991 में संशोधन कर पुराने वाहनों से होने वाली सड़क दुर्घटनाओं व वायु प्रदूषण को नियंत्रित किया जाएगा। छत्तीसगढ़ मोटरयान नियम-1994 में संशोधन कर वाहन स्वामी अब पुराने वाहन का फैंसी या चॉइस नंबर नए या अन्य राज्य से लाए गए उसी श्रेणी के वाहन में उपयोग कर सकेंगे। इसके लिए शुल्क लिया जाएगा। यह नियम सरकारी वाहनों पर भी लागू होगा लेकिन उनसे कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

वाराणसी में गंगा का जलस्तर बढ़ा, घाटों पर लोग कर रहे पूजा-अर्चना

वाराणसी। वाराणसी में मां गंगा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। गंगा का जलस्तर तेजी से बढ़कर 65.04 मीटर तक पहुंच गया है और हर घंटे औसतन 4 सेंटीमीटर की वृद्धि हो रही है। इससे शहर के 85 घाटों का आपसी संपर्क टूट गया है। कई घाट और उनके किनारे बने मंदिर पूरी तरह जलमग्न हो चुके हैं। इससे स्थानीय जनजीवन और धार्मिक गतिविधियां प्रभावित हुई हैं। दशाश्वमेध और शीतला घाट पर इसका असर दिख रहा है। घाटों की सीढ़ियों तक पानी चढ़ने से गुरु पूर्णिमा पर श्रद्धालु सीढ़ियों पर ही पूजा-अर्चना कर रहे हैं। ग्वालियर से आए पर्यटक हर्ष श्रीवास्तव ने समाचार एजेंसी आईएएनएस को बताया, अस्सी घाट से पैदल घाटों तक जाना अब संभव नहीं है।

मुंबई में 2.5 करोड़ की ड्रग्स बरामद, इंजीनियर समेत दो गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए शहर में सक्रिय दो अलग-अलग ड्रग रैकेट्स का भंडाफोड़ किया है। क्राइम ब्रांच की इस कार्रवाई में कुल 2.5 करोड़ रुपए की नशीली दवाएं बरामद की गई हैं, जिसमें एमडी, चरस और हेरोइन शामिल हैं। एक इंजीनियर समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार भी किया गया है। मुंबई क्राइम ब्रांच की एंटी नारकोटिक्स सेल (एएनसी) की आजाद मैदान यूनिट ने पहले अभियान में अंधेरी के लोखंडवाला इलाके में रहने वाले एक इंस्ट्रूमेंटेशन इंजीनियर एस खान (40) को गिरफ्तार किया। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि खान अपने फ्लैट से ड्रग्स बेचता है। इसी सूचना के आधार पर छापेमारी की गई, जिसमें उसके घर से 1.25 करोड़ रुपये मूल्य की एमडी ड्रग्स और चरस तथा 18 लाख रुपये नकद बरामद किए गए।

पहलगाम के अपराधियों को जल्द ही मिलेगी सजा : उमर अब्दुल्ला

कोलकाता। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला आज शाम को कोलकाता पहुंचे। यानी आज पश्चिम बंगाल के सचिवालय में सीएम ममता बनर्जी से मुलाकात करेंगे। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच संसद के आगामी मानसून सत्र के साथ विपक्ष की रणनीतियों पर चर्चा हो सकती है। उमर अब्दुल्ला सीएम के तौर पर पहली बार बंगाल आये हैं। इससे पहले वह 2018 में कोलकाता आये थे। एयरपोर्ट में मीडिया कर्मियों के साथ बातचीत में जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पहलगाम हमले पर पूछे गए सवालों के जवाब में कहा कि कोलकाता जैसे जगह पर रहकर आपलोग जम्मू-कश्मीर के पहाड़ी और दुर्गम जगहों के बारे में ज्यादा नहीं समझ सकते हैं। वहां के अपराधियों को जल्द खोज निकालना आसान नहीं है। पहलगाम के अपराधियों को उनके कार्य की सजा जरूर मिलेगी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ होने वाली बैठक की विषय वस्तु पर बात करने पर जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि, वह फिलहाल कुछ भी कहना नहीं चाहते। उन्होंने कहा कि वह इस मामले पर बातचीत के बाद बताएंगे।

भारत के आगे नहीं चला ट्रंप का टैरिफ कॉर्ड

भारत उल्टा अब अमेरिका पर 25 प्रतिशत टैक्स ठोकने की तैयारी..

नई दिल्ली/ एजेंसी

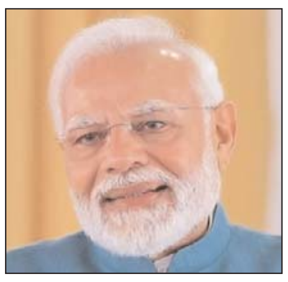

भारत और अमेरिका के बीच इस वक्त व्यापार समझौते को लेकर बातचीत चल रही है। इस बातचीत का अंजाम किसके पक्ष में जाएगा और क्या तय होगा। इस बात का पता तो आने वाले वक्त में चल ही जाएगा। लेकिन फिलहाल इस व्यापार समझौते को लेकर कशमकश की स्थिति स्टील और अल्यूम्यूनियम में तो खत्म हो चुकी है। भारत पहले ही कह चुका है कि स्टील और अल्युम्यूनियम पर अगर अमेरिका टैरिफ लगाता है तो भारत जवाबी कार्रवाई करेगा और भारत भी जवाबी टैरिफ लगाएगा। भारत ने फिर एक बार इस बात को दोहराया है। व्यापार समझौते पर चल रही बातचीत के बीच भारत ने वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गनाइजेशन के सामने ये स्पष्ट किया है कि अगर अमेरिका अगर भारत पर स्टील और अल्यूम्यूनियम पर टैरिफ लगाता है तो भारत भी जवाबी टैरिफ लगाएगा।मतलब अमेरिका के खिलाफ भारत का स्टैंड बिल्कुल क्लीयर है। अमेरिका अगर टैरिफलगाएगा तो भारत भी पीछे नहीं हटने वाला है। भारत का ये कदम स्टील और अल्युम्यूनियम पर अमेरिकी शुल्कों के जवाब में है, जिन्हें सुरक्षा उपायों के तौर पर लगाया गया था। वो भी ऐसे वक्त में जब दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते को लेकर बातचीत चल रही है। ये समय बहुत अहम है। दोनों देश एक व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। कोशिश कर रहे हैं कि कोई बीच का रास्ता निकाला जाए। लेकिन स्टील और अल्युम्यूनियम पर बात बन नहीं रही है। मामला वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गनाइजेशन तक पहुंच चुका है। स्टील और अल्युम्यूनियम पर टैरिफ लगाने के बाद भारत लगातार अपनी लड़ाई लड़ रहा है। कह रहा है कि अमेरिका की तरफसे जो स्टील और अल्यूम्यूनियम पर 10 और 25 प्रतिशत का टैरिफलगाया गया है वो गलत है। भारत भी अब अमेरिका पर 25 प्रतिशत का टैरिफलगा सकता है। अमेरिका ने पहली बार 12 मार्च को एल्युमीनियम, स्टील और व्युत्पन्न वस्तुओं के आयात पर 25त्न टैरिफ लगाया था। 3 जून को, करों को बढ़ाकर 50त्न कर दिया गया।

दोस्त को उधार में दिए थे 2,000 रुपये, वापस मांगने पर चाकू घोंपकर हत्या

नईदिल्ली। दिल्ली में उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के जाफराबाद इलाके में एक व्यक्ति की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई है। मृतक 23 वर्षीय फरदीन है। घटना बुधवार-गुरुवार की दरम्यानी रात 12ः10 बजे उस हुई जब फरदीन ने आरोपी आदिल से अपने पैसे मांगे थे। दोनों आपस में दोस्त बताए जा रहे हैं। पुलिस ने शिकायत के बाद आरोपी आदिल, उसके भाई कामिल और उनके पिता शकील को गिरफ्तार कर लिया है। कामिल और शकील पर उकसाने का आरोप है। पुलिस ने बताया कि आदिल ने कुछ समय पहले फरदीन से 2,000 रुपये उधार लिए थे। उसने छोटे-मोटे खर्चों की बात कहकर पैसे वापस लिए थे और जल्द लौटाने की बात कही थी। काफी दिनों तक आदिल के पैसे न लौटाने पर फरदीन परेशान हो गया। उसने बुधवार की रात को आदिल को फोन कर पैसे देने के लिए कहा।

ऑपरेशन सिंदूर पर पाक के दावों की डोभाल ने खोली पोल

पाकिस्तान में घुसकर नौ ठिकानों को उड़ाया,एक भी नहीं चूका-डोभाल....

चेन्नई/ एजेंसी

आईआईटी मद्रास में आयोजित एक कार्यक्रम में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर विदेशी मीडिया की रिपोर्टिंग पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि कई विदेशी समाचार एजेंसियों ने भारत को लेकर भ्रामक और तथ्यहीन जानकारी प्रकाशित की है। इसके साथ ही अजित डोभाल ने कहा कि भारत का ऑपरेशन बेहद ही सफल रहा। हमने पाकिस्तान में नौ ठिकानों को निशाना बनाया था। इसमें से एक भी नहीं चूका। एनएसए डोभाल ने कहा कि विदेशी प्रेस ने कहा कि पाकिस्तान ने यह किया, वो किया... आप मुझे एक भी फोटो या सबूत दिखाइए जिसमें भारत में किसी इमारत को नुकसान हुआ हो, एक कांच तक टूटा हो... उन्होंने बातें लिख दीं और छाप दीं। उन्होंने आगे कहा कि विदेशी मीडिया द्वारा जारी की गईं सैटेलाइट तस्वीरों में 10 मई से पहले और बाद में पाकिस्तान के 13 एयरबेस दिखाए गए, चाहे वह सरगोधा हो, रहीम यार खान हो या चकलाला। मैं सिर्फवही बता रहा हूं जो उन्होंने अपनी रिपोर्टिंग में छापा। हममें यह क्षमता है कि अगर हम चाहें तो पाकिस्तान के एयरबेस को नुकसान पहुंचा सकते हैं। एनएसए अजीत डोभाल ने कहा कि हमें अपनी स्वदेशी तकनीक विकसित करनी होगी। ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र यहां किया गया था। हमें इस बात पर गर्व है कि इसमें कितनी स्वदेशी सामग्री थी... हमने पाकिस्तान के आर-पार नौ आतंकवादी ठिकानों पर निशाना साधने का फैसला किया, ये सीमावर्ती इलाकों में नहीं थे। हम कोई भी निशाना नहीं चूके। हमने इसके अलावा कहीं और निशाना नहीं साधा। यह उस बिंदु तक सटीक था जहां हमें पता था कि कौन कहां है? पूरे ऑपरेशन में 23 मिनट लगे। आप मुझे एक भी तस्वीर बताइए जिसमें भारत की तरफसे हुआ कोई नुकसान दिखाई दे रहा हो।

नेतन्याहू के नए फरमान से मचा हड़कंप

कुरान पढ़ो....इस्लाम को जानो और अरबी सीखो

नई दिल्ली। इजरायल से एक ऐसी खबर आई है जिसने पूरी दुनिया को हैरान कर दिया है। भारत के लोग भी ये समझ ही नहीं पाए कि इजरायल ने ये कैसा ऐलान कर दिया है। दरअसल, इजरायल की सेना अब इस्लाम की शिक्षा लेगी। कुरान पढ़ेगी और अरबी भाषा सीखेगी। इजरायली आर्मी की एक रिपोर्ट के मुताबिक इजरायल ने अपने सभी खुफिया सैनिकों और अधिकारियों के लिए कुरान के अध्ययन को अनिवार्य बना दिया है। हिब्रू बोलने वाले इजरायल के सैनिकों और अधिकारियों के लिए अरबी भाषा सीखना अनिवार्य कर दिया गया है। अहम खबर यह है कि सामने आ रही जानकारी के अनुसार, इजराइल अब कुरान और अरबी भाषा को भी अपने पाठ्यक्रम में शामिल करेगा।

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के साथ झामुमो संस्थापक शिबू सोरेन से मिलने रांची पहुंचे।

राजनयिकों ने दी यह चेतावनी

ट्रंप प्रशासन ने विदेश विभाग में 1,300 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला

वॉशिंगटन। अमेरिका का विदेश मंत्रालय भी छंटनी की तैयारी कर रहा है। विदेश मंत्रालय ने अपने कर्मचारियों को कहा है कि वह जल्द ही छंटनी के लिए नोटिस जारी करेंगे। डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता में आने के बाद से ही वे संघीय सरकार के आकार को कम करने में जुटे हैं। इसके तहत कई सरकारी विभागों से छंटनी की गई हैं। सरकारी दक्षता विभाग के नेतृत्व में संघीय सरकार में छंटनी अभियान चलाया गया और सैंकड़ों लोगों को अब तक नौकरी से निकाला जा चुका है। विदेश मंत्रालय आज 1,300 से ज्यादा कर्मचारियों को बर्खास्त कर रहा है। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, जिन कर्मचारियों को हटाया जा रहा है, उनमें 1,107 लोकसेवक और 246 विदेशी सेवा अधिकारी शामिल हैं, जो अमेरिका में घरेलू पदों पर तैनात थे। इन अधिकारियों को व्यक्तिगत रूप से ईमेल के जरिए बर्खास्तगी के नोटिस भेजे जा रहे हैं। विदेश सेवा के अधिकारियों को तत्काल 120 दिनों के लिए प्रशासनिक अवकाश पर भेजा जाएगा, जिसके बाद उनकी सेवाएं समाप्त मानी जाएंगी। वहीं, नागरिक कर्मचारियों के लिए सेवा समाप्ति की अवधि 60 दिन तय की गई है। मंत्रालय के आंतरिक नोटिस में कहा गया है, विभागीय पुनर्गठन के तहत घरेलू संचालन को राजनयिक प्राथमिकताओं पर फोकस करते हुए सुव्यवस्थित किया जा रहा है। कर्मचारियों की छंटनी उन विभागों में की जा रही है जो जरूरी नहीं हैं, एक जैसे काम कर रहे हैं।राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, विदेश मंत्री मार्को रूबियो और उनके रिपब्लिकन समर्थकों ने इस योजना की सराहना की है। उनका कहना है कि इससे विभाग और अधिक चुस्त, कुशल और कार्य करने में सक्षम होगा। हालांकि, वर्तमान और पूर्व राजनयिकों ने इन कटौतियों की आलोचना करते हुए कहा है कि इससे अमेरिका का वैश्विक प्रभाव और उभरते खतरों से निपटने की क्षमता कमजोर होगी।

सुप्रीम कोर्ट ने भी दी छंटनी की मंजूरी

अमेरिका में संघीय सरकार में छंटनी को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती भी दी गई थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने भी छंटनी जारी रखने के पक्ष में फैसला दिया था। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के उप-सचिव माइकल रिग्स ने कहा कि जिन कर्मचारियों की छंटनी की जाएगी, उन्हें जल्द ही इसकी सूचना दे दी जाएगी। अभी तक ये साफनहीं है कि विदेश मंत्रालय से कितने लोगों को नौकरी से हटाया जाएगा। विदेश मंत्रालय ने मई में कांग्रेस को छंटनी और पुनर्गठन की जानकारी दे दी थी। विदेश मंत्रालय ने ये भी कहा कि जो कार्यक्रम पूर्व की सरकार द्वारा चलाए जा रहे थे, उनमें कटौती की जाएगी।

कबीरधाम में बड़ा हादसा

अनियंत्रित होकर खाई में गिरी गाड़ी,पांच मजदूरों की मौत,ब्रेक फेल होने के कारण हुआ हादसा....

कबीरधाम/ संवाददाता

आज बह करीब छह बजे कबीरधाम जिले के कुकदूर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम आगरपानी के पास एक गाड़ी अनियंत्रित होकर पलट गई है। ये गाड़ी शहडोल (एमपी) की तरफसे पंडरिया आ रही थी। इस हादसे में गाड़ी में बैठे तीन मजदूरों की मौत हो गई और छह गंभीर रूप से घायल हैं। घटना स्थल पहाड़ी इलाका होने के कारण शवों व घायलों को निकालने में दिक्कत का सामना करना पड़ा। बताया जा रहा है कि घाट में 50 फीट गहरी खाई है, इसी में वाहन गिर गया। कुछ घायल फंसे हुए हैं, जिन्हें रेस्क्यू किया जा रहा है। मौके पर कुकदूर थाना की पुलिस पहुंची हुई है। घायलों को कुकदूर के सरकारी अस्पताल में लाया गया। जानकारी के मुताबिक, तीनों घायलों की हालत गंभीर है, जिसे कवर्धा जिला अस्पताल रेफर किया जा रहा है। बता दें कि ये वही क्षेत्र है जहां बीते साल मई माह में पिकअप खाई में गिर गई थी, उस हादसे में 19 लोगों की मौत हो गई थी। कवर्धा जिला अस्पताल में तीन गंभीर रूप से घायल को लाया गया था, जिसमें में दो की मौत हो गई है। वही, एक अन्य को रायपुर रेफर किया जा रहा है। अब मौत के आंकड़े तीन से बढ़कर 5 हो गए है। इस हादसे के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दिया है। शुरुआती जांच के अनुसार ब्रेक फेल के कारण हादसा होना बताया जा रहा है। कुकदूर थाना से मिली जानकारी अनुसार शहडोल (एमपी) से बेमेतरा जा रही बोर गाड़ी ग्राम चांटा थाना कुकदूर के पास ब्रेक फेल होने से अनियंत्रित होकर घाटी में गिर गई। जिससे घटनास्थल पर तीन लोगों की मौत हो गई थी। घायल 6 लोगों को तुरंत इलाज के लिए कुकदूर अस्पताल भेजा गया था, जहां से उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया। इलाज के दौरान दो लोगों की मौत हो गई है। चालक हरि वलगन (तमिलनाडु) और वाहन मालिक किशोर तंगवेल (तमिलनाडु) है। वही, मृतकों के नाम भी पुलिस ने जारी किए है, जिसमें गजेंद्र राम पिता रंगू राम उम्र 30 वर्ष निवासी ठेठे टांगर बरा गजोर थाना कुनकुरी, सुभाष राम पिता बलदेव उम्र 25 वर्ष ग्राम बरागजोर थाना कुनकुरी।

महिला एवं बाल विकास योजनाओं की समीक्षा बैठक, कलेक्टर ने दिए जरुरी निर्देश

बीजापुर /मूक पत्रिका

कलेक्टर संबित मिश्रा के द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग में संचालित सभी योजनाओं का समीक्षा किया गया। इस दौरान महिला बाल विकास अधिकारी कांता मेश्राम को निर्देशित किया गया कि प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व योजनान्तर्गत चिन्हित सभी गर्भवती महिलाओं का नियमित रूप से जांच निर्धारित तिथि माह के 9 व 24 को सभी का शत् प्रतिशत ए.एन.सी. चेकअप किया जाना है। ऐसे सभी हाई रिस्क वाले गर्भवती माताओं का चिन्हांकन कर उनका विशेष ध्यान पोषण आहार व संस्थागत प्रसव के लिए किया जाना है। आंगनबाड़ी में दर्ज सभी बच्चों के ऑनलॉईन जन्म प्रमाण पत्र तैयार किया जाना है, इसके लिए आंगनबाड़ी स्तर पर दर्ज सभी बच्चों का दस्तावेज तैयार कर ग्राम पंचायत सचिव को देने के लिए निर्देशित किया गया। पोषण ट्रेकर में सभी हितग्राहियों के आधार अपडेट करने के लिए चरणबद्ध शिविर लगाकर आधार बनाने व अपडेट करने के लिए निर्देशित किया गया। आंगनबाड़ी स्तर में व्यवहार परिवर्तन व ई.सी.सी. गतिविधि पर फोकस बढ़ाने, कुपोषण से निजात दिलाने, महतारी वंदन योजनान्तर्गत छूटे हुए हितग्राहियों का पंजीयन फॉर्म एवं ऐसे हितग्राही जिनका अकाउंट नही खुला हो उनका अकांउन्ट ओपनिंग करवाकर दस्तावेज तैयार रखने निर्देशित किया गया, भविष्य में जब भी शासन स्तर से योजना का पुनः पंजीयन प्रारंभ हो तो कार्यवाही की जा सके। नियद अंतर्गत हितग्राहियों को अधिक से अधिक योजनाओं से लाभान्वित हेतु निर्देशित किया गया है, निर्माणधीन आंगनबाड़ी केन्द्रों के गुणवत्ता की निगरानी नियमित रूप से निगरानी एवं केन्द्र स्तर पर वृद्धि निगरानी चॉर्ट का बच्चों के अनुसार भरा होना चाहिए इसके सुपरवाईजर को निर्देशित किया गया। केन्द्र स्तर पर ही सभी बच्चों का जाति प्रमाण पत्र बनाने के लिए आवश्यक सभी दस्तावेजों को डाक्यूमेंन्टेशन पटवारी के माध्यम से कराकर जमा कराने हेतु निर्देशित किया गया। इस दौरान प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, महतारी वंदन योजना, नोनी सुरक्षा योजना का सेक्टरवार समीक्षा किया गया। सखी वन स्टॉप सेन्टर अंन्तर्गत प्राप्त प्रकरणों एवं लंबित प्रकरणों पर चर्चा किया गया। मिशन वात्सल्य योजनान्तर्गत बाल संरक्षण तंत्र के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु किशोर न्याय बोर्ड में प्राप्त 35 प्रकरणों का समीक्षा/पुर्नविलोकन किया गया इस दौरान पाया गया कि जून माह में 10 प्रकरणों का निपटान किया गया है। बाल कल्याण समिति में जून माह में 13 प्रकरणों का निपटान किया गया वर्तमान में 65 प्रकरण लंबित होना पाया गया है। स्पॉन्सरशिप योजनान्तर्गत वर्तमान में 18 बच्चों का प्रकरण प्रक्रियाधीन होना पाया गया। जिले में बाल रोकथाम अंतर्गत 2025-26 हेतु 68 ग्राम पंचायतों को बाल विवाह मुक्त बनाने हेतु प्रारंभिक तैयारी की जानकारी पर चर्चा करते हुए निर्देशित किया गया कि जिले समस्त प्राथमिक माध्यमिक हॉई स्कूल व हायर सेकेन्डरी में व्यापक प्रचार-प्रसार कर जन जागरूकता किया जाना है, एवं ग्राम पंचायती स्तर पर चॉईल्ड हेल्पलॉईन 1098, महिला हेल्पलॉईन 181 का व्यापक प्रचार-प्रसार किये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

नाबालिग बालक को बहला फुसला कर भगा ले जाने वाली युवती पकड़ाई

जांजगीर चांपा पुलिस को मिली सफलता

जांजगीर चांपा /मूक पत्रिका

मामले में नाबालिग बालक को युवती जगदलपुर तरफ ले गई थी बहला फुसलाकर। युवती द्वारा नाबालिग बालक को शादी करने का झांसा देकर किया जाता था अनाचार। नाबालिग बालक पर घटित अपराध को गंभीरता से लेते हुए युवती के विरुद्ध त्वरित कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार कर भेजा गया न्यायिक रिमाण्ड पर। मामले में नाबालिग बालक को किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला फुसलाकर भगा ले जाने की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध दिनांक 01.07.25 को थाना जांजगीर में अपराध क्रमांक 605/25 धारा 137 (2) ब्व्हस् का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। नाबालिग बालक के ऊपर घटित अपराध को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक जांजगीर चाम्पा विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में थाना जाजगीर पुलिस द्वारा नाबालिग बालक की पतासाजी की जा रही थी। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप के कुशल मार्ग दर्शन में सायबर तकनीक के आधार पर पता चला कि नाबालिग बालक जगदलपुर तरफ एक युवती के कब्जे में है जिसकी सूचना पर सीएसपी जांजगीर श्रीमती कविता ठाकुर के नेतृत्व में थाना जांजगीर पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए जगदलपुर तरफ रवाना होकर सायबर तकनीक के आधार पर एक युवती के कब्जे से अपहृत बालक को बरामद किया गया। युवती को घटना के संबंध में पूछताछ करने पर बतायी की नाबालिग बालक को शादी करने का प्रलोभन देकर उसके साथ अनाचार करना जुर्म स्वीकार किये जाने से युवती को विधिवत् गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया। अभी तक लडका, लडकी को भगाकर ले जाता रहा है, लेकिन इस केस मे बालिग लडकी, उम्र 25 वर्ष ने न केवल नाबालिक लडके को भगाया, बल्कि नाबालिक लडके ने अपने उपर अनाचार का बयान भी मजिस्ट्रेट के सामने दिया है, इसलिए पास्को एक्ट की धारा लडकी पर लगाई गई है।

विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया

बेमेतरा/मूक पत्रिका

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के आदेशानुसार व राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर द्वारा संचालित स्टेट प्लान ऑफ एक्शन कैलेंडर 2025 के अनुसार माह जुलाई 2025 विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर अध्यक्ष / प्रधान जिला न्यायाधीश बृजेन्द्र कुमार शास्त्री के मार्गदर्शन में व श्रीमती निधि शर्मा सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बेमेतरा के निर्देशन में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कठिया एवं शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला रजकुड़ी में 11 जुलाई विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर में छात्र-छात्राओं को बताया गया कि विश्व जनसंख्या दिवस का मुख्य उद्देश्य जनसंख्या संबंधित समस्याओं पर वैश्विक चेतना जागृत कर एवं लोगों को परिवार नियोजन, लिंग समानता, गरीबी मातृ स्वास्थ्य और मानव अधिकार जैस विभिन्न जनसंख्या संबंधी मुद्दों के बारे मे जागरूक करने की जानकारी दी गई। साथ ही इलेक्ट्रानिक उपकरण व प्रोजेक्टर के माध्यम से नालसा व सालसा द्वारा संचालित योजनाओं जैसे पॉक्सो एक्ट अधिनियम, बाल विवाह, बाल श्रम, किशोर न्याय अधिनियम, ड्रग मुक्त भारत डॉन योजना, नवीन मोटरयान अधिनियम, घरेलू हिंसा अधिनियम के संबंध में महत्पूर्ण जानकारी दी गई। उक्त शिविर में स्कूल के प्राचार्य, शिक्षकगण और समस्त अधिकार मित्र उपस्थित रहें।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के तहत विश्व जनसंख्या दिवस पर रैली व कार्यशाला का आयोजन

बाल संरक्षण, महिला सशक्तिकरण व सामाजिक जागरूकता पर दिया गया विशेष संदेश

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला महिला सशक्तिकरण केंद्र (हब), महिला एवं बाल विकास विभाग बेमेतरा द्वारा भारत सरकार की 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' योजना के तहत विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर जागरूकता रैली एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम खण्डसरा परियोजना अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खण्डसरा में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन कलेक्टर रणबीर शर्मा, जिला कार्यक्रम अधिकारी चन्द्रबेश सिंह सिसोदिया के निर्देशानुसार तथा जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी सी.पी. शर्मा के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम में बालिका संरक्षण, महिला सशक्तिकरण एवं सामाजिक जागरूकता से जुड़े विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गई, जिनमें जागरूकता रैली, निबंध प्रतियोगिता, मेहंदी प्रतियोगिता एवं कार्यशाला प्रमुख रहीं। बच्चों को एलईडी डिस्प्ले के माध्यम से पॉक्सो एक्ट, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, बाल विवाह की रोकथाम और सखी वन स्टॉप सेंटर 181 जैसी योजनाओं की जानकारी विडियो के माध्यम से दी गई। कार्यशाला के दौरान प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती लक्ष्मी साहू, श्रीमती स्मिता सिंह (पर्यवेक्षक), जिला मिशन समन्वयक राजीव कुमार वर्मा, श्रीमती सेवन्तिका साहू एवं तमन्ना (जेंडर विशेषज्ञ), सखी वन स्टॉप सेंटर की केंद्र प्रशासक सुश्री राखी यादव, जिला बाल संरक्षण इकाई से सुश्री प्रभा जांगड़े तथा विद्यालय के समस्त शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

गुरु पूर्णिमा के महापर्व पर फुलवारी फाउंडेशन ने किया पौधारोपण

कोयलारी/मूक पत्रिका

शासकीय हाई स्कूल कोयलारी में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के महाअभियान एक पेड़ मां के नाम 2.0 के तहत फुलवारी फाउंडेशन पचभैया/अमचो ने निशुल्क पौधा वितरण किया। साथ ही साथ स्कूली बच्चों,शिक्षक एंव ग्रामीणों के साथ मिलकर गुरु पूर्णिमा के पर्व को यादगार बनाने एंव पर्यावरण को संरक्षित रखने के उद्देश्य से शाला परिसर पर पौधा रोपण किया। फुलवारी फाउंडेशन के संरक्षक विनय पाठक ने स्कूली बच्चों से कहा पर्यावरण के प्रति जागरूक रहना हमारा कर्तव्य है। पर्यावरण को आज हम सुरक्षित रखेंगे तो आने वाला भविष्य उज्जवल होगा। इस कार्यक्रम के दौरान स्कूल में सुनील काँश्कर प्राचार्य,कीर्तन नायक,कुमेश्वरी चंद्राकर,मारखण्डे जायसवाल, कृष्ण कुमार जायसवाल शिक्षक,बच्चे एवं फुलवारी फाउंडेशन के सदस्य उपस्थित रहे।

स्वैच्छिक संगठनों को महिला व्यावसायिक प्रशिक्षण हेतु अनुदान के लिए आमंत्रित किए गए प्रस्ताव

बेमेतरा/मूक पत्रिका

महिला एवं बाल विकास के क्षेत्र में सक्रिय स्वैच्छिक संगठनों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर सामने आया है। शासन द्वारा अनुदान नियम 2005 के अंतर्गत गरीबी रेखा के नीचे जीवन-यापन करने वाली शिक्षित, बेरोजगार महिलाओं को व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु स्वैच्छिक संस्थाओं से प्रस्ताव आमंत्रित किए गए हैं। इस पहल का उद्देश्य महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना, उन्हें स्वावलंबी बनाना एवं समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है। परिशिष्ट-16 के अंतर्गत मान्यता प्राप्त स्वैच्छिक संगठन, विश्वविद्यालयों, महिला पॉलीटेक्निक, महिला आईटीआई अथवा अन्य मान्यता प्राप्त शासकीय/अशासकीय प्रशिक्षण संस्थानों से समन्वय कर महिलाओं को विभिन्न ट्रेड में व्यावसायिक प्रशिक्षण उपलब्ध करा सकते हैं। जिले में कार्यरत वे स्वैच्छिक संस्थाएं जो महिला एवं बाल विकास विभाग से मान्यता प्राप्त हैं और उक्त उद्देश्यों के अनुरूप प्रशिक्षण गतिविधियों के संचालन में रुचि रखती हैं, वे वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए प्रस्ताव तैयार कर सकते हैं। इसमें लाभान्वित होने वाली हितग्राही महिलाओं की सूची भी अनिवार्य रूप से संलग्न करनी होगी। प्रस्ताव जिला महिला एवं बाल विकास कार्यालय, बेमेतरा (कोबिया चौक, रजिस्ट्री कार्यालय के पास) में नियत प्रारूप एवं निर्धारित नियमों के अनुसार जमा करना सुनिश्चित किया जाए। विभाग ने स्पष्ट किया है कि कोई भी संस्था तब तक प्रशिक्षण गतिविधियों का संचालन प्रारंभ न करे जब तक विभागीय स्वीकृति प्राप्त न हो जाए। बिना अनुमोदन के प्रस्तुत प्रस्तावों पर विचार नहीं किया जाएगा। इस योजना की विस्तृत जानकारी, नियमावली अथवा प्रस्ताव संबंधी मार्गदर्शन हेतु इच्छुक संस्थाएं जिला महिला एवं बाल विकास कार्यालय, बेमेतरा से संपर्क कर सकती हैं।

धान खरीदी वर्ष 2025-26 हेतु एग्रीस्टैक के माध्यम से कृषक पंजीयन (किसान आईडी बनाना) अनिवार्य, 31 अक्टूबर तक पूर्ण करने के निर्देश

बेमेतरा/मूक पत्रिका

आगामी धान खरीदी सीजन 2025-26 के लिए राज्य शासन ने एग्रीस्टैक प्रोजेक्ट के अंतर्गत किसान पंजीयन को अनिवार्य कर दिया है। इसके तहत प्रदेश भर के किसानों को एग्रीस्टैक पोर्टल में पंजीकृत किया जाएगा, जिससे कि उन्हें समर्थन मूल्य पर धान विक्रय की सुविधा मिल सके। पंजीयन की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2025 निर्धारित की गई है। जिले की सभी प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों को निर्देशित किया गया है कि वे एकीकृत किसान पोर्टल के माध्यम से किसानों का नवीन पंजीयन एवं फसल रकबे का संशोधन कार्य प्राथमिकता के आधार पर संपादित करें। एग्रीस्टैक के माध्यम से किया गया पंजीयन ई-केवाईसी युक्त होता है, जिससे दोहराव की संभावना समाप्त हो जाती है और किसानों की वास्तविक पहचान सुनिश्चित होती है। राज्य शासन द्वारा यह व्यवस्था इसलिए की जा रही है ताकि कृषकों को शासकीय योजनाओं का लाभ पारदर्शी तरीके से मिल सके। इसके लिए राज्य शासन के द्वारा एकीकृत किसान पोर्टल विकसित किया गया है, जिसमें पंजीयन की प्रक्रिया प्रतिवर्ष 01 जुलाई से 31 अक्टूबर तक संचालित की जाती है। इस वर्ष भी खरीफसीजन के लिए यह प्रक्रिया निर्धारित अवधि में पूर्ण की जाएगी। उल्लेखनीय है कि इस बार कृषक पंजीयन हेतु कृषि विभाग, खाद्य विभाग और राजस्व विभाग के बीच इंटर-डिपार्टमेंटल समन्वय को सुदृढ़ किया गया है। खाद्य विभाग द्वारा धान खरीदी पोर्टल पर किसानों का डाटा एग्रीस्टैक की फार्मर रजिस्ट्री से एपीआई के माध्यम से लिया जाएगा, जो पूरी तरह से ई-केवाईसी आधारित होगा। इसी के साथ राजस्व विभाग द्वारा संधारित 'भुइयाँ पोर्टल' में दर्ज किसानों की भूमि जानकारी और गिरदावरी रिकॉर्ड को भी आधार सीडिंग के माध्यम से एकीकृत किया जा रहा है। वर्तमान में 85त्न भूमि रिकॉर्ड का आधार सीडिंग हो चुका है। शेष कार्य को प्राथमिकता के साथ जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि खरीदी प्रक्रिया में किसी प्रकार की बाधा न उत्पन्न हो। जिला प्रशासन ने सभी संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया है कि वे कृषकों के पंजीयन और आधार सीडिंग के कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए तय समय-सीमा में पूर्ण करें, जिससे जिले के सभी पात्र किसान समय पर पंजीकृत होकर समर्थन मूल्य पर धान विक्रय कर सकें।

जिले में उर्वरक की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित, किसानों को सुगम वितरण से लाभ, कृषि उत्पादन में होगी वृद्धि

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले के किसानों को इस खरीफ सीजन में उर्वरक की किसी प्रकार की कमी न हो, इसके लिए जिला प्रशासन द्वारा समय रहते व्यापक प्रबंधन किया गया है। प्रशासन की सजगता और समन्वय से जिले में रासायनिक उर्वरकों की पर्याप्त मात्रा में आपूर्ति सुनिश्चित हो चुकी है, जिससे किसानों को अपनी फसलों की देखभाल करने में विशेष सुविधा मिल रही है। खरीफसीजन में फसलों की अच्छी पैदावार के लिए यूरिया, डीएपी, एसएसपी, एनपीके और पोटाश जैसे रासायनिक उर्वरकों की विशेष भूमिका होती है। विगत वर्ष किसानों को कुल 92,532 मेट्रिक टन उर्वरकों की आपूर्ति की गई थी, वहीं इस वर्ष मांग और कृषि विस्तार को देखते हुए 10त्न की वृद्धि के साथ 1,01,511 मेट्रिक टन उर्वरक वितरण का लक्ष्य तय किया गया है। जिले में 102 सहकारी समितियां एवं निजी विक्रय केंद्रों के माध्यम से अभी तक 76,169 मेट्रिक टन रासायनिक उर्वरक का भंडारण किया जा चुका है, जो लक्ष्य का लगभग 75त्न है। इसके अलावा 62,142 मेट्रिक टन उर्वरक का वितरण भी हो चुका है, जो कुल लक्ष्य का 61त्न है। इससे स्पष्ट है कि वितरण प्रक्रिया तेज गति से संचालित की जा रही है। सहकारी समितियों में केसीसी के माध्यम से किसानों को फसल ऋण के साथ-साथ उर्वरक की उपलब्धता सरलता से कराई जा रही है। साथ ही जिले के चार डबल लॉक केंद्रों में वर्तमान में 1,214 मेट्रिक टन उर्वरक उपलब्ध है। समितियों द्वारा उर्वरक उठाव के तुरंत बाद डबल लॉक केंद्रों से त्वरित आपूर्ति की जा रही है ताकि समय पर किसानों को उर्वरक मिल सके। जिला प्रशासन द्वारा उर्वरक आपूर्ति की प्रक्रिया को प्रभावी बनाने के लिए कई पहल की गई है। इसमें मांग का पूर्व आकलन, निजी कंपनियों व मार्कफेड के साथ समन्वय, आपूर्ति की निगरानी, तथा मैदानी अमलों के माध्यम से किसानों को उपलब्धता की जानकारी देना शामिल है। इन प्रयासों के फलस्वरूप जिले के किसान संतोषजनक रूप से उर्वरक प्राप्त कर रहे हैं, जिससे वे अपनी फसलों की समय पर देखभाल करने में सक्षम हो रहे हैं। इससे न केवल फसलों की उपज में वृद्धि होगी, बल्कि कृषकों की आय भी बढ़ेगी और जिले की कृषि अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी। जिला प्रशासन द्वारा यह सुनिश्चित कर रहा है कि जिले का प्रत्येक किसान समय पर गुणवत्तायुक्त उर्वरक प्राप्त कर सके और कृषि कार्य बाधारहित रूप से संपन्न हो।

फसल प्रदर्शन योजना का भी उठा रहे लाभ

खेती में तकनीकी नवाचार से समृद्धि की ओर बढ़ते नवागढ़ के किसान – संतोष साहू बन रहे प्रेरणा स्रोत

बेमेतरा/मूक पत्रिका

खेती को लाभकारी व्यवसाय बनाने की दिशा में छत्तीसगढ़ के किसान निरंतर नवाचार अपना रहे हैं।

कड़ी में विकासखंड नवागढ़ के ग्राम मुरता निवासी कृषक संतोष साहू पिता बुधारी साहू अपने क्षेत्र के किसानों के लिए एक मिसाल बनकर उभरे हैं। आधुनिक तकनीकों को अपनाकर इन्होंने अपनी खेती को न केवल लाभकारी बनाया, बल्कि अन्य किसानों को भी प्रेरित किया है। श्री साहू विगत दो वर्षों से धान की खेती में पैडी ट्रांसप्लांटर तकनीक का सफलतापूर्वक उपयोग कर रहे हैं। यह तकनीक खेतों में धान की रोपाई के पारंपरिक तरीकों की तुलना में कहीं अधिक सस्ती, समय की बचत करने वाली और उत्पादन में वृद्धि देने वाली साबित हो रही है।

कम लागत, अधिक लाभ–श्री साहू ने जानकारी दी कि पहले परंपरागत पद्धति से प्रति एकड़ धान रोपाई में 7,000 से 8,000 रुपये की मजदूरी खर्च होती थी। किंतु अब पैडी ट्रांसप्लांटर मशीन के माध्यम से यही कार्य केवल 400 से 500 रुपये प्रति एकड़ में संपन्न हो जाता है। इससे न केवल उत्पादन लागत में भारी कमी आई है, बल्कि काम की गति और गुणवत्ता में भी सुधार हुआ है।

उत्पादन में बढ़ोतरी और रोग नियंत्रण में मदद–पैडी ट्रांसप्लांटर तकनीक के जरिए रोपी गई धान की फसल में पौधों की समान दूरी और बेहतर रोपाई होने के कारण पौधे मजबूत और स्वस्थ बनते हैं। परिणामस्वरूप, फसल में कीट एवं रोगों का प्रकोप कम होता है और उपज अधिक प्राप्त होती है। श्री साहू ने बताया कि इस तकनीक से उन्हें अपेक्षाकृत बेहतर उत्पादन प्राप्त हो रहा है।अन्य किसानों के लिए भी कर रहे सहयोग

सिर्फ अपने खेत तक सीमित न रहते हुए संतोष साहू आसपास के किसानों की फसलों में भी पैडी ट्रांसप्लांटर से रोपाई का कार्य कर उन्हें लाभान्वित कर रहे हैं। यह पहल ग्रामीण क्षेत्र में कृषि यांत्रिकीकरण को बढ़ावा देने में भी मददगार सिद्ध हो रही है।

फसल प्रदर्शन योजना का भी उठा रहे लाभ–श्री साहू छत्तीसगढ़ शासन द्वारा संचालित फसल प्रदर्शन योजना के तहत भी लाभ प्राप्त कर रहे हैं। इस योजना के अंतर्गत उन्नत तकनीकों और बीजों के उपयोग को प्रोत्साहित किया जाता है, जिससे किसान वैज्ञानिक तरीकों से खेती कर अधिक उत्पादन प्राप्त कर सकें। इस प्रकार नवाचार की राह पर अग्रसर होते

ग्राम मुड़ता के संतोष साहू जैसे किसान यह सिद्ध कर रहे हैं कि यदि खेती में समय के साथ बदलाव और तकनीक को अपनाया जाए, तो कृषि एक सफल, लाभकारी और आधुनिक व्यवसाय बन सकता है। ऐसे प्रगतिशील किसान छत्तीसगढ़ की कृषि के उज्ज्वल भविष्य की नींव रख रहे हैं और अन्य कृषकों के लिए एक प्रेरणा बन रहे हैं।

सिंघौरी स्कूल में हुआ एसएमसी का गठन सर्वसम्मति से नारद साहू चुने गए अध्यक्ष

बेमेतरा/मूक पत्रिका

शासकीय प्राथमिक एंव पूर्व माध्यमिक शाला सिंघौरी में सत्र का प्रथम बैठक आयोजित किया गया।बैठक की मुख्य बिंदू शाला प्रबंधन एंव विकास समिति का चयन था।जिसमे नारद साहू अध्यक्ष, बादल वर्मा उपाध्यक्ष, पोषण वर्मा शिक्षाविद,मीनाक्षी शर्मा सचिव, सरस्वती साहू कोषाध्यक्ष, शशिकला यादव संयोजक सहित सम्मन वर्मा,कमल मानिकपुरी, कैलाश श्रीवास, अश्वनी मानिकपुरी, नेहा वर्मा,उषा श्रीवास, सविता देवार, दुर्गा यादव,मालती लहरी को सदस्य के रूप में चयन किया गया। विशेष अतिथि सदस्यों में कन्हैयालाल वर्मा,युगल देवांगन, गायत्री सोनी,दुहाई वर्मा,भानुप्रताप साहु को चयन किया गया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष नारद साहू ने पदभार ग्रहण करते हुए कहा कि स्कूल की समस्या मेरी समस्या है इन समस्याओं का निराकरण करना मेरी पहली प्राथमिकता होगी।समिति द्वारा बच्चों की पढ़ाई,स्तर एंव मध्यान्ह भोजन का भी अवलोकन किया गया। उक्त बैठक के दौरान प्रकाश ठाकुर पार्षद,तोकेश्वर साहू पार्षद, नीतू कोठारी पार्षद,युगल देवांगन अध्यक्ष शहर मंडल भाजपा, गजाधर साहू,धनीराम बंजारे,देवेंद्र साहू,पूनम साहू, नुतेश्वर चंद्राकर, प्रशांत बघेल, किरण खरे सहित पालक उपस्थित रहे।

कांकेर दुध नदी बाढ़ नियंत्रण रिटर्निंग वॉल निर्माण भारी बारिश की चेतावनी से जनता भय ग्रस्त ठेकेदार, अधिकारी भ्रष्टाचार घोटाले से मस्त कांकेर

कांकेर /मूक पत्रिका

कांकेर दूध नदी में बाढ़ रोकने के लिए बनाया गया रिटर्निंग वॉल निर्माण में ठेकेदार, की चर्चा निर्माण कार्य के ड्राइंग डिजाइन, मानक मापदंडों से छेड़छाड़, निर्माण कार्य निर्धारण का पालन नहीं करने घटिया सामग्रियों का उपयोग किए जाने की चर्चा है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कांकेर पुराना बस स्टैंड स्थित कांकेर दूध नदी के बाएं एवं दाएं छोर पर बारिश के बाद बचाव से शहर की सुरक्षा बताकर, सैकड़ो छोटे व्यवसाईयों, गरीब मजदूरों की दुकान, मकान को तोड़कर 2 वर्षो से भी अधिक समय से दूध नदी बाढ़ सुरक्षा रिटर्निंग वॉल पथवे का निर्माण कार्य वर्तमान में बड़ा भ्रष्टाचार घोटाले का रूप लेता जा रहा है। ठेकेदार की ड्राइंग डिजाइन में उलट फेर, निर्माण कार्य सामग्री में गोलमाल, पूर्व निर्धारित (नक्शा) ड्राइंग डिजाइन में उलट फेर ठेकेदार अधिकारियों की मिली भगत से कांकेर दूध नदी बाढ़ सुरक्षा रिटर्निंग वॉल कांकेर शहर की सुरक्षा के दृष्टिकोण सेभविष्य की आफत का शबब बनने की संभावना नजर आने लगी है। विदित हो कि कांकेर दूध नदी में बनाए जा रहे बाड नियंत्रण रिटर्निंग वॉल अपने शुरुआती दौर में 25 करोड रुपए की लागत से दूध नदी के दोनों छोर में 10 फीट ऊंची लगभग 2 किलो मीटर की दूरी मन केसरी से पंडरीपानी स्थित पुल तक बनाए जाने दर्शाया गया था । दूध नदी के बायीं ओर पुराना बस स्टैंड के समीप रिटर्निंग वॉल के साथ पथवे कांकेर पुराना बस स्टैंड से पुराना बाजार मार्केट तक बनाए जाने निर्धारित था । सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कांकेर जल संसाधन विभाग के दिशा निर्देशों से बनाए जा रहे दूध नदी बाढ़ नियंत्रण

रिटर्निंग वॉल निर्माण के लिए अतिरिक्त राशि मांग पर बढ़ा दिया गया है। वहीं पूर्व निर्धारित निर्माण कार्य के ड्राइंग डिजाइन में भी हेर फेर कर दिया गया है। जिसके चलते क्षेत्रीय जनता में शासन प्रशासन के विरुद्ध जन आक्रोश देखा जा रहा है। कांकेर पुराना बस स्टैंड में वर्षो से नजूल भूमि में शासन प्रशासन को नियमित टैक्स अदा कर जीवन यापन कर छत्तीसगढ़ शासन की नजूल भूमि फ्री होल्ड स्थाई पट्टा की योजना के तहत छोटे व्यवसायियों के दूध नदी किनारे स्थित दुकानों को तोड़कर पूर्व कांकेर नगर पालिका प्रशासन ने उच्चतम न्यायालय के दिशा निर्देशों की अवहेलना कर तीन व्यावसायिक कांप्लेक्स निर्माण कर तोड़फोड़ से प्रभावित कुछ एक अपने चहेते व्यवसायीयो को कांकेर नगर पालिका के नियम विरुद्ध तीनों व्यावसायिक परिसर में अवैध उगाही कर दुकान आबंधित कर दिया है। शासन प्रशासन पालिका के नियमावली में तोड़फोड़ से प्रभावित व्यवसायियों के व्यवस्थापन की शासन प्रशासन की नियमावली में नहीं है। पूर्व नजूल, तहसील, नगर पालिका के अधिकारी, कर्मचारियों द्वारा कांकेर के पुराना बस स्टैंड स्थित 20 लख रुपए की लागत से नव निर्मित नवीन सुलभशौचालय एवं पूर्ण सुलभ शौचालय शासन से बगैर अनुमति के तोड़फोड़ कर राजस्व हानि पहुंचा गया था। लिखित शिकायत के बावजूद शासन प्रशासन द्वारा अवैध तोड़फोड़ की शिकायत को मन गढ़त जानकारी दिए जाने ठंडे बस्ती में डाल दिया गया है। बरहाल कांकेर दूध नदी में बनाए जा रहे बाद नियंत्रण रिटर्निंग वाल वर्तमान वर्षो काल में लगभग30 से 35त्न कार्य ही हो पाया है। छत्तीसगढ़ बस्तर कांकेर में मौसम विभाग ने भारी बारिश की चेतावनी , वर्तमान मानसून में दस्तक के साथ देना प्रारंभ कर दिया है। शहर के व्यापारियों की जान भारी बारिश की चेवतानी से जान हलक में लटकी हुई है। वही ठेकेदार, अधिकारी मस्त है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार किसी भी नदी में रिटर्निंग वॉल नहीं बनाया गया हैं नदी के कटाव को रोकने के लिए पिचिंग कार्य किया जाता है। जो रिटर्निंग वॉल से कम लागत में निर्मित हो जाता है। किन्तु उक्त कार्य मे भ्रष्टाचार मुमकिन नही था । इसलिए रिटर्निंग वॉल का निमार्ण कराया गया है । सूत्रों से मिली जानकारी के

सिर्फ एक जिले की महिलाओं को रेडी टू ईट का काम क्यों?

रायपुर/मूक पत्रिका

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि आज सभी अखबारों में सरकार ने खबर छपवाया है कि सरकार ने महिलाओं को पोषक आहार रेडी टू ईट का काम दिया है। मोदी की गारंटी पूरी हो गयी। जबकि हकीकत यह है कि केवल रायगढ़ जिले में सिर्फ 10 महिला समूहों को यह काम दिया गया है। भाजपा ने चुनाव में प्रदेश भर में सभी जिलों पोषक आहार का काम स्व सहायता समूहो को देने का वायदा किया था। हमारी मांग है कि सरकार अपने वादे के अनुसार प्रदेश के सभी जिलो में सभी स्थानों पर महिला स्व सहायता समूहों को काम दे। कहा जा रहा 6 जिलों को पायलेट प्रोजेक्ट के तहत महिलाओं को दिया जायेगा। पूरे जिलों काम क्यों नहीं दे रहे?

प्रदेश का शिक्षा विभाग अव्यवस्था का केंद्र बन चुका है-प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि दुर्भाग्य जनक है कि प्रदेश का शिक्षा विभाग अव्यवस्था का केन्द्र बन चुका है। सरकार ने युक्तियुक्तकरण के नाम पर बड़ी संख्या में शिक्षकों के ट्रांसफर किये, उसके बावजूद प्रदेश के अनेक स्थानों पर स्कूलों में शिक्षक नहीं होने के कारण बच्चे हड़ताल कर रहे, पालक स्कलों में ताला लगा रहे है। सरकार के द्वारा किया गया युक्तियुक्त

करण । वसूलीकरण का अभियान बन कर रह गया है। बच्चे पालक परेशान हो रहे है। भाटापारा, धमतरी, आरंग, महासमुंद, सरगुजा, बस्तर सभी जगह शिक्षकों की कमी कारण बच्चे आंदोलन कर रहे।

राज्य सरकार के खिलाफ जनता का गुस्सा अब उफान पर आ गया है-प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि राज्य सरकार के खिलाफ जनता का गुस्सा अब ऊफान पर आ गया है, लोग अपने सामान्य कामकाज के लिये मंत्रियों का रास्ता रोक रहे। बिलासपुर के पहले मनियारी के पास लोगो ने सड़क के लिये केन्द्रीय मंत्री तोखन साहू का घेराव कर दिया, रास्ता रोक लिया। इसके पहले प्रदेश के उपमुख्यमंत्री अरूण साव का काफिला भी जनता ने रोका था। जनता का भरोसा सरकार पर से उठ गया है।

किसानों को डीएपी खाद उपलब्ध नहीं है किसान परेशान है-प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि खरीफ की बुवाई का समय तेजी से बीत रहा है, लेकिन किसानों को डीएपी खाद उपलब्ध नहीं है किसान परेशान है, सरकार के द्वारा किसानों को पहले एनपीके का विकल्प देने की बात कही गई और अब नैनो डीएपी का झांसा दे रहे हैं, लेकिन वह भी नहीं मिल रहा है। असलियत यह है कि सरकार नहीं चाहती कि किसान भरपूर उत्पादन ले सके, ताकि समर्थन मूल्य पर कम धान खरीदी करना पड़े, यही वजह है कि खरीफ फसल की बोनी के ऐन वक्त पर खाद का कृत्रिम संकट उत्पन्न किया जा रहा है। जब किसानों के तरफ से डिमांड अप्रैल माह तक लिखाया जा चुका था, फिर सही समय में पर्याप्त मात्रा में खाद के रेक और सहकारी सोसाइटियों तक भंडारण की समुचित व्यवस्था क्यों नहीं की गई?

सरकार भीगे धान के बारे में आंकड़े सार्वजनिक करे-प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि पिछले खरीफ सीजन में समर्थन मूल्य पर उपार्जित धान 27 जिलों में अभी तक खुले में पड़ा हैं। पूर्ववर्ती कांग्रेस की सरकार के समय जो 72 घंटे के भीतर परिवहन की बाध्यता थी इस सरकार ने उस नियम को बदल दिया। दुर्भावना पूर्वक मिलिंग की दर घटा दी गई जिसके चलते लाखों मीट्रिक टन धान आज भी उपार्जन केंद्रों में सड़ रहे हैं। सरकार की लापरवाही और बदइंतजामी से सोसाइटी में धान भी खराब हो रहे हैं जनता की गाढ़ी कमाई और टैक्स के पैसे का नुकसान धान की बर्बादी में हो रहा है। अनुमान है कि अभी तक 30 लाख मीट्रिक टन धान भीग चुका है।

सेजेस सिंघौरी में बड़ी हर्षोल्लास के साथ गुरु पूर्णिमा उत्सव मनाया गया

बेमेतरा/मूक पत्रिका

स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय सिंघौरी, बेमेतरा में बड़ी हर्षोल्लास के साथ गुरु पूर्णिमा उत्सव मनाया गया। इस कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य राम गोपाल चंद्राकर, विनोद साहू, प्रकृति शर्मा, समीर यादव, माधुरी साहू, खुशबू साहू, विभा विश्वकर्मा, तुषार सर्वे, दीपिका साहू, पूजा शर्मा, प्रहलाद धृतलहरे, अनिल खांडे, वेदिका साहू, आशीष तिवारी, ज्योति बनाफर, अनीता कुर्मी, जाह्नवी शर्मा, शुभम पाण्डेय, अनसधा शर्मा, सुभाष साहू, सरिता शर्मा विद्यालय के समस्त स्टाफ उपस्थित रहे। माता सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर विद्यार्थियों द्वारा विद्यालय के समस्त

शिक्षकों का पूजन एवं तिलक लगाकर कार्यक्रम का प्रारंभ किया गया। विद्यार्थियों द्वारा संगीत, गायन, भाषण एवं कविता जैसे अनेक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था जो बहुत ही मनमोहक रहा। विद्यार्थियों द्वारा बताया गया गुरु पूर्णिमा उत्सव का महत्व - गुरु पूर्णिमा गुरु-शिष्य परंपरा का सम्मान करने और गुरुओं के प्रति आभार व्यक्त करने का अवसर है। यह दिन ज्ञान और शिक्षा के महत्व को उजागर करता है, और गुरुओं को उनके योगदान के लिए सम्मानित करता है। गुरु पूर्णिमा आध्यात्मिक विकास और आत्म-साक्षात्कार के मार्ग पर गुरुओं के मार्गदर्शन को महत्व देने का अवसर है। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर, लोग अपने गुरुओं को सम्मानित करते हैं, उनके प्रति आभार व्यक्त करते हैं, और उनके आशीर्वाद प्राप्त करने का प्रयास करते हैं। यह दिन गुरुओं के प्रति सम्मान और आभार को बढ़ावा देने और उनके योगदान को महत्व देने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय के समस्त विद्यार्थियों का सराहनीय योगदान रहा है।

प्रशासन क़ी टीम नें बाढ़ संभावित क्षेत्रों का किया निरीक्षण,तैनात कर्मचारियों क़ो अलर्ट रहने के निर्देश

बलौदाबाजार /मूक पत्रिका

कलेक्टर दीपक सोनी के निर्देश पर शुक्रवार क़ो प्रशासन क़ी टीम नें बाढ़ संभावित क्षेत्रों का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान पुल के दोनों ओर तैनात कर्मचारियों क़ो अलर्ट रहने के निर्देश दिये गए। अपर कलेक्टर मिथलेश डोंडे के नेतृत्व में टीम नें विकासखंड पलारी अंतर्गत महानदी पर निर्मित अमेठी घाट एनिकट का निरीक्षण किया। एनीकट में अभी भी पुल के ऊपर से पानी बह रहा है लेकिन जल स्तर कम हुआ है। इस दौरान मौक़े पर उपस्थित कोटवार व कंस्टेबल से पूछ -ताछ कर अलर्ट रहने तथा लोगों क़ो नदी तट पर न जाने चेतवानी देने के निर्देश दिये। अपर

कलेक्टर डोंडे ने एक-एक अतिरिक्त कोटवार और कंस्टेबल क़ी ड्यूटी वैकल्पिक रूप से ड्यूटी लगाने के निर्देश दिये। उन्होंने ग्रामीणों क़ो भी सतर्क रहने कहा।

गौरतलब है कि जिले में हो रही लगातार बारिश

से जिले के विभिन्न नदी- नालो में जल स्तर बढ़ने से बाढ़ क़ी संभावना क़ो देखते हुए कलेक्टर दीपक सोनी के निर्देश पर जिन पुल-पुलिययों के ऊपर से पानी बह रहा है उनमे अवगमन बंद कर दिया गया है।वर्तमान में विकासखंड कसडोल में टेमरी नाला, पलारी में अमेठी घाट,भाटापारा में सेमरिया घाट, सिमगा में तरपोंगा पुलिया एवं कुलीपोटा पुलिया में बैरिकेटिंग कर आवागमन बंद किया गया है। इस दौरान एसडीएम दीपक निकुंज, तहसीलदार चुम्मन ध्रुव, सहायक अधीक्षक भू अभिलेख सुरेश देवांगन, सरपंच अमेठी राजेश धृत लहरे सहित अन्य कर्मचारी मौजूद थे।

सरस्वती शिशु मंदिर बेमेतरा में मनाया गया गुरु पूर्णिमा पर्व

बेमेतरा/मूक पत्रिका

महर्षि वेदव्यास जयंती के उपलक्ष्य में,सरस्वती शिशु मंदिर बेमेतरा में मनाया गया गुरु पूर्णिमा पर्व,यह पर्व प्रति वर्ष आषाढ़ मास की पूर्णिमा को मनाई जाती है, और इसे व्यास पूर्णिमा भी कहा जाता है। इस दिन गुरुओं के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त की जाती है, क्योंकि गुरु ही अज्ञानता से ज्ञान की ओर ले जाते हैं।इस पर्व को,प्राचार्य मालिकराम वर्मा, एवं व्यवस्थापक ललितेश साहू के संरक्षण में सम्पन्न किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में, एम. डी. पटेल(अवकाश प्राप्त प्राचार्य एवं शिक्षाविद पीजी. कॉलेज बेमेतरा) एवं अध्यक्षता, थलश साहू, (व्याख्याता डाइट बेमेतरा),एवं ज्योति सिंघानिया (समिति सदस्य वन्दे मातरम शिक्षण समिति बेमेतरा)द्वारा किया गया जिसमें समस्त आचार्य एवं दीदियाँ उपस्थित रहे !इस पर्व के अवसर पर सम्मान स्वरुप,समस्त आचार्य एवं दीदियों का तिलक वंदन कर भेंट स्वरुप,श्रीफल,टिफिन एवं आचार्य वेशभूषा हेतु कपड़ा, वितरित किया गया। यह सुचना प्रचार प्रसार हेतु प्रचार प्रसार प्रमुख केशो सिंह वर्मा द्वारा दिया गया है।

सुनील सिरवैया की बहुमुखी प्रतिभाः भारतीय सिनेमा का एक सफर

जीत मुंबई /मूक पत्रिका

सुनील सिरवैया एक ऐसा नाम है जो भारतीय फिल्म उद्योग में गहराई से गूंजता है। एक प्रतिष्ठित फिल्म लेखक और गीतकार के रूप में, उन्होंने सिनेमा की दुनिया पर एक अमिट छाप छोड़ी है। कई शैलियों और माध्यमों में फैले करियर के साथ, सुनील का काम उनकी रचनात्मकता, जुनून और समर्पण का प्रमाण है।

साधारण शुरुआत से स्टारडम तक-उत्तर प्रदेश के झांसी जिले के बिजना गाँव में जन्मे सुनील की सफलता की यात्रा प्रेरणादायक से कम नहीं है। सांस्कृतिक रूप से समृद्ध परिवार में पले-बढ़े, उन्हें अपनी कलात्मक संवेदनशीलता अपने पिता, गौरीशंकर सिरवैया, एक शास्त्रीय संगीत उस्ताद से विरासत में मिली। उनकी माँ, कमलेश सिरवैया ने उनकी रचनात्मक भावना का पोषण किया और उन्हें शब्दों और संगीत की दुनिया का पता लगाने के लिए

प्रोत्साहित किया।

एक उत्कृष्ट कहानीकार-एक कहानी, पटकथा और संवाद लेखक के रूप में, सुनील सिरवैया की ताकत मनोरंजक कहानियों को गढ़ने में निहित है उनकी उल्लेखनीय फिल्मों में ÷जीनियस÷ और ÷वनवास÷ शामिल हैं, जिनमें उन्होंने बहुस्तरीय कहानी कहने और चरित्र-आधारित कथानक पर अपनी पकड़ दिखाई। ÷वनवास÷ के लिए उन्हें ज़ी सिने अवार्ड्स 2025 में सर्वश्रेष्ठ कहानी का पुरस्कार मिला, जो उनकी असाधारण प्रतिभा का प्रमाण है।

गीतात्मक प्रतिभा-एक गीतकार के रूप में, सुनील सिरवैया ने दिल को छू लेने वाली धुनों से लेकर ऊर्जावान एंथम तक, कई गीत लिखे हैं। उनके गीत अपनी काव्यात्मक सुंदरता, भावनात्मक गहराई और सांस्कृतिक समृद्धि के लिए जाने जाते हैं। उनकी कुछ प्रशंसित कृतियों में ÷गदर 2÷, ÷यारा÷, ÷बाबा ब्लैक शीप÷, ÷ब्लू माउंटेंस÷ और ÷आई एम सिंह÷ शामिल हैं। गीतों के माध्यम से कहानी के सार को पकड़ने की उनकी क्षमता ने उन्हें उद्योग में एक प्रतिष्ठित प्रतिभा बना दिया है।

फिल्मों से परेः विज्ञापन और भी बहुत कुछ-सुनील की रचनात्मक क्षमता फिल्मों से आगे बढ़कर विज्ञापन की दुनिया तक फैली हुई है। एक कॉपी और कॉन्सेप्ट लेखक के रूप में, उन्होंने प्रभावशाली विज्ञापन फिल्मों, अभियानों और जिंगल्स में योगदान दिया है। चंद सेकंड में कहानी कह देने की उनकी क्षमता ने उन्हें भारत की रचनात्मक विज्ञापन प्रतिभाओं के बीच एक सम्मानित स्थान दिलाया है।

रचनात्मकता की विरासत-बिजना की धूल भरी गलियों से लेकर भारतीय सिनेमा के रचनात्मक केंद्र तक, सुनील सिरवैया का सफ़र अपने आप में एक सशक्त कहानी है। परंपरा से जुड़े होने के साथ-साथ नवाचार से प्रेरित, वे भारतीय मनोरंजन जगत में एक कहानीकार, शब्द शिल्पी और दूरदर्शी आवाज़ के रूप में विभिन्न माध्यमों में अपनी छाप छोड़ते रहे हैं। जैसे-जैसे उद्योग भविष्य की ओर देख रहा है, एक बात निश्चित है - सुनील सिरवैया की रचनात्मक प्रतिभा आने वाले वर्षों तक दर्शकों को प्रेरित और मंत्रमुग्ध करती रहेगी।

'बैटल ऑफ गलवान' में सलमान खान के साथ पहली बार स्क्रीन शेयर करेंगी चित्रांगदा सिंह

अपूर्व लाखिया की अगली फिल्म में सलमान खान के अपोजिट दिखेंगी चित्रांगदा सिंह

जीत मुंबई /मूक पत्रिका

फिल्म 'बैटल ऑफगलवान' को लेकर बड़ा ऐलान सामने आया है। डायरेक्टर अपूर्व लाखिया ने बताया है कि इस मैच अवेटेड वॉर ड्रामा फिल्म में चित्रांगदा सिंह को सलमान खान के अपोज़िट फीमेल लीड के तौर पर कास्ट किया गया है। भारत-चीन बॉर्डर पर हुई सच्ची घटनाओं पर आधारित यह फिल्म पहली बार होगी जब सलमान और चित्रांगदा एक साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। 'बैटल ऑफगलवान' में चित्रांगदा सिंह की एंट्री को लेकर डायरेक्टर अपूर्व लाखिया ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि उनका टैलेंट और स्क्रीन

प्रेज़ेंस इस किरदार के लिए एकदम परफेक्ट है। अपूर्व ने कहा, ÷मैं हमेशा से चित्रांगदा के साथ काम करना चाहता था, खासकर जब मैंने उन्हें 'हज़ारों ख़्वाहिशें ऐसी' और 'बॉब बिस्वास' में देखा। हमें बेहद खुशी है कि वो 'बैटल ऑफ गलवान' की कास्ट का हिस्सा बन रही हैं। वह अपने किरदार में एक अनोखा मेल लेकर आती हैं ङ्क एक तरफ़ फेमिनाइन साइड और दूसरी तरफ़ मज़बूती, जो सलमान सर के गंभीर लेकिन शांत पर्सनेलिटी के साथ शानदार तालमेल बिठाएगी।÷

प्रोजेक्ट से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, डायरेक्टर अपूर्व लाखिया ऐसे चेहरे की तलाश में थे जो संघर्ष, भावुकता और नर्मी को एक साथ बखूबी दिखा सके और चित्रांगदा सिंह ने ये सभी खूबियां सहजता से पेश कीं। सूत्रों ने बताया कि लखिया उस वक्त खास तौर पर प्रभावित हुए जब उन्होंने इंडिया गेट पर खिंचवाई गई चित्रांगदा की कुछ तस्वीरें देखीं। उन तस्वीरों में उनकी स्वाभाविक गरिमा और शांत आकर्षण ने उस किरदार की आत्मा को बखूबी दर्शाया, जिसकी उन्हें तलाश थी। उनका गंभीर अभिनय का अंदाज़ और सधी हुई मौजूदगी ने उन्हें इस भूमिका के लिए एकदम सही विकल्प बना दिया। बैटल ऑफ गलवान इस साल की सबसे मच अवेटेड फिल्मों में से एक बनती जा रही है, सिर्फ अपने दमदार विषय के लिए नहीं बल्कि नई और ताज़ा कास्टिंग के कारण भी। सलमान खान जहां लीड रोल में हैं, वहीं चित्रांगदा सिंह के इस फिल्म से जुड़ने से दर्शकों की उम्मीदें और भी बढ़ गई हैं। फिल्म की शूटिंग इसी साल के अंत में शुरू होने की संभावना है।

दुर्गा मंच आंवराभांठा में तहसीलदार को सोपा ज्ञापन

युक्तियुक्तकरण के खिलाफ आम आदमी पार्टी का प्रदेश स्तरीय धरना प्रदर्शन

दंतेवाडा /मूक पत्रिका

आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष गोपाल साहू बताया कि युक्तियुक्तकरण के खिलाफ आम आदमी पार्टी द्वारा बीते शुक्रवार को सभी जिलों में जिला शिक्षा अधिकारी/ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कार्यालय के सामने विशाल धरना प्रदर्शन किया गया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार शिक्षा नीति के मोर्चे पर विफल रही है। युक्तियुक्तकरण के नाम पर हज़ारों स्कूलों को बंद कर देने के बाद कई स्कूल शिक्षक विहीन हो गए हैं। 63 हजार शिक्षकों के पदों को भरने में नाकाम रही है सरकार,नाकामी छुपाने 10 हजार स्कूल बंद कर दिया गया ताकि छत्तीसगढ़ के युवाओं को नौकरी नहीं देना पड़े

इसलिए युक्तियुक्तकरण किया गया है। युवाओं और छात्रों के साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ आम आदमी पार्टी विरोध जताती है।

प्रदेश उपाध्यक्ष बल्लू राम भवानी ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ने युक्तियुक्तकरण के तहत स्कूलों को आपस में मिलाया गया, शिक्षकों का स्थानांतरण किया गया और कई छोटे स्कूलों को बंद किया गया। लेकिन वास्तविकता में इसके नतीजे कई जगहों पर नकारात्मक साबित हुए। युक्तियुक्तकरण के तहत जब दो स्कूलों को मिलाया गया, तो कई छात्रों को अब 3-5 किमी दूर स्कूल जाना पड़ रहा है। इससे खासकर बालिकाओं की पढ़ाई पर बुरा असर पड़ा है। जहाँ एक ओर शिक्षकों का स्थानांतरण किया गया, वहीं कई स्कूल ऐसे रह गए जहाँ विषय विशेषज्ञ शिक्षक ही नहीं हैं। बच्चों को बिना गणित या विज्ञान शिक्षक के पढ़ाई करनी पड़ रही है। कई स्थानों पर बिना स्थानीय स्थिति को समझे स्कूलों का विलय किया गया। इससे सामाजिक, भौगोलिक और आर्थिक बाधाएँ सामने आईं। जो स्कूल बंद कर दिए गए, उनके भवन जर्जर हो रहे हैं, और कई जगहों पर सरकारी संसाधन व्यर्थ जा रहे हैं।

रामेश्वर यादव ने कहा कि उदाहरण से समझिये की धरसींवा विकासखंड में परसतराई में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय है जो की 1962 से संचालित है, वर्तमान सरकार के युक्तियुक्तकरण से स्कूल शिक्षकों की भारी कमी से जूझ रहा है, विडंबना देखिए की 3 कक्षाओं के लिए एकमात्र अंग्रेजी का शिक्षक है और वही शिक्षक विज्ञान की क्लास भी लेतें हैं! बलौदाबाजार जिले के नगर पंचायत के एक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्र-छात्राएं 50 किलोमीटर दूर कलेक्ट्रेट जाकर विरोध प्रदर्शन कर सरकार को अपने बर्बाद होते भविष्य पर चेतावनी तक दे डाली। समीर खान ने कहा कि छत्तीसगढ़ में शिक्षा की बदहाल व्यवस्था देख लीजिये की बच्चों को पढ़ाई लिखाई छोड़कर प्रदर्शन करना पड़ रहा है? बस्तर, सरगुजा, कांकेर जैसे आदिवासी बहुल इलाकों में छात्र संख्या में गिरावट और स्कूल से ड्रॉपआउट दर में इज़ाफ़ा देखा गया है।दंतेवाड़ा में एक स्कूल को 7 किमी दूर स्थानांतरित किया गया, जिससे बच्चे आना बंद कर दिए हैं! गांव के एक स्कूल में तो शिक्षक ना होने के कारण बच्चों ने खुद स्कूल में ताला लगा दिया। सूकल प्रसाद नाग ने बताया कि सरकार के इस फैसले से अभिभावक और पंचायतें इस नीति का विरोध कर रहीं हैं। 1 जुलाई 2025 को साझा शिक्षक संघ ने राज्यव्यापी हड़ताल की जिसमें राज्य के लगभग 2 लाख शिक्षक विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए और संघ मानता है कि सरकार ने केवल कागज़ों में सुधार किया है, ज़मीनी हकीकत अनदेखी रह गई। संघ ने मांग की कि शिक्षा व्यवस्था यदि सरकार नहीं सुधारती है तो वे आगे अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जायेंगे। वर्तमान में छत्तीसगढ़ की शिक्षा प्रणाली इस नीति से प्रभावित होकर बदहाल हो गयी है। आम आदमी पार्टी ने राज्य सरकार से मांग करती है कि इस युक्तियुक्तकरण को सरकार तुरंत रद्द करे और यदि निर्धारित समय सीमा में शिक्षा में सुधार नहीं होता है तो पूरे छत्तीसगढ़ में प्रभावित जनता के साथ मिलकर इससे भी बड़ा आंदोलन किया जायेगा।

नदी में बहे दूसरे युवक का मिला शव, पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर पंचनामा कार्यवाही की गई

दंतेवाडा /मूक पत्रिका

थाना बारसूर क्षेत्रांर्तगत ग्राम मंगनार में दिनांक 08.07.2025 को साप्ताहिक बाजार मंगनार से बाजार करके बोधघाट मंगनार देवगुड़ी पारा से नाव में वापस मंगनार जा रहे दो ग्रामीण महेश ओयामी पिता बत्ताराम ओयामी उम्र करीबन 15-16 वर्ष जाति मुरिया निवासी ओयामीपारा मंगनार एवं जग्गु लेकामी पिता बुधराम उम्र करीबन 18 वर्ष जाति मुरिया निवासी ठेठापारा मंगनार, इन्द्रावती नदी और गुडरा नाला के बीच संगम में नाव पलटने से पानी में गिर गए थे। इनमें से महेश ओयामी इन्द्रावती नदी के बीच पत्थर में फस गया था जबकि जग्गु लेकामी पानी में बह गया था। जिसकी सूचना ग्रामीणों द्वारा मिलने पर दिनांक 09.07.2025 को थाना बारसूर पुलिस, होम गार्ड एवं डीआरजी बल

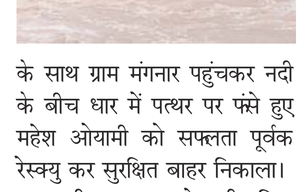

के साथ ग्राम मंगनार पहुंचकर नदी के बीच धार में पत्थर पर फंसे हुए महेश ओयामी को सफलता पूर्वक रेस्क्यु कर सुरक्षित बाहर निकाला।

ग्रामीण जग्गु लेकामी पिता बुधराम लेकामी लापता था जिसकी पता तलाश स्थानीय ग्रामीण और पुलिस द्वारा किया जा रहा था कि आज दिनांक 11.07.2025 को स्थानीय ग्रामीणों से सूचना मिली कि घटना स्थल से करीब 4 किलोमीटर आगे की ओर नदी में पत्थर में उक्त लापता ग्रामीण का शव फंसा हुआ है जिसे मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों के सहयोग से निकाला गया और पंचनामा कार्यवाही करके अंतिम संस्कार हेतु परिजनों के सुपुर्द किया गया।

संपादकीय

लाचार हालत में राज्य की कानून व्यवस्था

आखिरकर कारोबारी की हत्या करने वाला बिल्डर को बिहार पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पर बीते दो-तीन दिनों में हत्या की कई घटनाओं ने एक बार फिर मौजूदा सरकार के उन दावों को आईना दिखाया है, जिसमें वह अपनी सबसे बड़ी ताकत सुशासन और अपराध पर काबू करने को बताती रही है। विडंबना यह है कि जघन्य अपराधों के बढ़ते ग्राफ के बावजूद सरकार सब कुछ अच्छा होने के प्रचार पर जोर देती रही और दूसरी ओर जमीन पर हालत और बिगड़ती चली गई है। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि शुक्रवार देर रात पटना के केंद्र में स्थित बेहद सुरक्षित माने जाने वाले इलाके में शहर के एक कारोबारी की गोली मार कर हत्या कर दी गई और हत्यारा आराम से फरार भी हो गया। हत्या की घटना जिस जगह हुई, वहां से जिलाधिकारी का आवास और पुलिस थाना काफी नजदीक है। गौरतलब है कि पटना में जिस कारोबारी की हत्या की गई, करीब छह वर्ष पहले उनके बेटे को भी अपराधियों ने मार डाला था। एक अन्य घटना में शुक्रवार को ही राज्य के सीवान जिले के मलमलिया चौक पर अपराधियों ने सरेआम पांच लोगों को तलवार से काट डाला, जिसमें तीन लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई और दो बुरी तरह घायल हो गए। ऐसा लगता है कि राज्य की कानून-व्यवस्था पूरी तरह लाचार हालत में है, अपराधी बेखौफ हैं और सरकार के हाथ में शायद कुछ भी नहीं रह गया है। वरना क्या वजह है कि जघन्य अपराध एक तरह से राज्य में आम होते जा रहे हैं और पुलिस या कानून का डर कहीं नहीं दिखता है। राज्य में हत्या की घटनाओं और इनकी प्रकृति को देखते हुए स्वाभाविक ही ये सवाल उठेंगे कि ऐसे में आम लोग अपनी सुरक्षा को लेकर क्या सोचें। बिहार में नीतीश कुमार की सरकार जितने वर्षों से सत्ता पर काबिज है, उतने में अब वह यह भी सफाई देने की हालत में नहीं है कि उसके कामकाज पर अतीत की छाया है। यह एक तरह से अपनी नाकामी को स्वीकार करने जैसा होगा। इसके बावजूद राज्य में अपराधों की तस्वीर पर जब भी सवाल उठते हैं, तो सरकार में शामिल दल अतीत के कथित 'जंगल राज' की याद दिलाने लगते हैं। यह पूछा जाना चाहिए कि मौजूदा दौर में राज्य में जघन्य आपराधिक घटनाओं की जो हालत है, अपराधी बेलगाम दिखते हैं, तो इसे किस तरह के राज के रूप में देखा जाएगा!

ठाकरे भाइयों के मिलन से मुश्किल में कांग्रेस, क्या महाविकास अघाड़ी के बीच सबकुछ ठीक नहीं

ऐसे में पार्टी वैसे भी आक्रामक हिंदी विरोधी रुख नहीं अपना सकती थी। पार्टी के एक नेता ने कहा, ठाकरे केवल बीएमसी चुनावों पर नज़र रख रहे हैं और हम बीएमसी चुनावों में अकेले जाना चाहते हैं। हमने बीएमसी चुनावों के लिए कभी किसी के साथ गठबंधन नहीं किया है। कांग्रेस के एक अन्य नेता ने कहा, ठाकरे ने बीएमसी में सत्ता बरकरार रखने के लिए यह सब किया है। हमारे विधायकों में यह भावना है कि हमें अकेले ही चुनाव (बीएमसी चुनाव में) लड़ना चाहिए। हमारे पास जो भी जगह है, हम उसे नहीं छोड़ सकते।

(मनोज सीजी)

महाराष्ट्र में 20 साल बाद मराठी भाषा विवाद मुद्दे पर ठाकरे भाई साथ आए। शिवसेना यूबीटी के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एनएनएस) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने संयुक्त रूप से महाराष्ट्र में एक 'विजयी सभा' को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में एनसीपी (शरद पवार) को भी निमंत्रण मिला था लेकिन उसका कोई भी नेता मंच पर नहीं था। कांग्रेस को भी आमंत्रित किया गया था लेकिन कांग्रेस का कोई नेता इसमें शामिल नहीं हुआ। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि उन्हें पूरे मन से आमंत्रित नहीं किया गया था। वहीं कई कांग्रेसी नेता मानते हैं कि इस मामले पर दिल्ली और प्रदेश कांग्रेस के बीच कम्युनिकेशन की कमी थी।

राज ठाकरे का कट्टर हिंदुत्व कांग्रेस के लिए सही नहीं

कांग्रेस द्वारा ठाकरे के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने से बचने के कई कारण हैं, जिनमें कुछ महीनों में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव से लेकर बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनाव शामिल हैं। राज ठाकरे राज्य की राजनीति में प्रासंगिक बने रहने के लिए अक्सर कट्टर हिंदुत्व का रुख अपनाते आए हैं। महाराष्ट्र कांग्रेस के नेताओं का मानना है कि ठाकरे भाईयों के दोबारा मिलने (मराठी पहले और हिंदी विरोधी थोपने आंदोलन से प्रेरित) का सीमित प्रभाव होगा, जो मुख्य रूप से मुंबई और बीएमसी चुनावों तक ही सीमित रहेगा। कांग्रेस ऐसी पृष्ठभूमि में उनके साथ जगह साझा करते हुए नहीं दिखना चाहती थी, लेकिन वह उद्धव को नाराज करने का जोखिम भी नहीं उठा सकती।

कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, यह आधे-अधूरे मन से दिया गया निमंत्रण था। हमारे नेताओं को आमंत्रित किया गया था। एनसीपी इस कार्यक्रम में गई थी, लेकिन उनका अपमान किया गया, उनके नेताओं को मंच पर भी नहीं बुलाया गया। ठाकरे मराठी आंदोलन का सारा श्रेय लेना चाहते थे। यह अच्छी बात है कि हम नहीं गए, क्योंकि कांग्रेस हिंदी विरोधी आंदोलन का हिस्सा नहीं थी। अजीबोगरीब बयानों के बावजूद, हमारे नेताओं ने इस मुद्दे को बहुत गंभीरता से नहीं लिया, क्योंकि वे दिल्ली (पार्टी नेतृत्व) के निर्देश के बारे में स्पष्ट नहीं थे।

कांग्रेस ने बीएमसी चुनावों के लिए कभी नहीं किया गठबंधन

कांग्रेस एक अखिल भारतीय पार्टी है और चुनावी राज्य बिहार सहित हिंदी पट्टी में अपने प्रदर्शन के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। ऐसे में पार्टी वैसे भी आक्रामक हिंदी विरोधी रुख नहीं अपना सकती थी। पार्टी के एक नेता ने कहा, ठाकरे केवल बीएमसी चुनावों पर नज़र रख रहे हैं और हम बीएमसी चुनावों में अकेले जाना चाहते हैं। हमने बीएमसी चुनावों के लिए कभी किसी के साथ गठबंधन नहीं किया है।

नेतृत्व में कम्युनिकेशन की कमीः कांग्रेस के एक अन्य नेता ने कहा, ठाकरे ने बीएमसी में सत्ता बरकरार रखने के लिए यह सब किया है। हमारे विधायकों में यह भावना है कि हमें अकेले ही चुनाव (बीएमसी चुनाव में) लड़ना चाहिए। हमारे पास जो भी जगह है, हम उसे नहीं छोड़ सकते। जब हम गठबंधन करते हैं (उद्धव सेना के साथ), तो अल्पसंख्यक वोट बैंक भाजपा उम्मीदवारों को हराने के लिए शिवसेना की ओर चला जाता है, लेकिन शिवसेना का वोट हमें नहीं मिलता। यह एक पेचीदा स्थिति है। वैसे भी मुंबई में कांग्रेस का कोई खास जनाधार नहीं है। हम न तो मराठी मानुष (भूमिपुत्र) के साथ हैं और न ही गुजरातियों के साथ। हमारा जनाधार केवल अल्पसंख्यकों के बीच है, जो कुछ जगहों पर सपा और एआईएमआईएम के उम्मीदवारों के बीच है। उत्तर भारतीयों के बीच हमारा थोड़ा सा जनाधार है, जो राज के साथ दिखने पर खत्म हो जाएगा। कांग्रेस के लिए अब ज्यादा वोट बैंक नहीं बचा है। हम पूरी तरह से भ्रमित हैं।

कांग्रेस एक अखिल भारतीय पार्टी है और चुनावी राज्य बिहार सहित हिंदी पट्टी में अपने प्रदर्शन के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। ऐसे में पार्टी वैसे भी आक्रामक हिंदी विरोधी रुख नहीं अपना सकती थी। पार्टी के एक नेता ने कहा, ठाकरे केवल बीएमसी चुनावों पर नज़र रख रहे हैं और हम बीएमसी चुनावों में अकेले जाना चाहते हैं। हमने बीएमसी चुनावों के लिए कभी किसी के साथ गठबंधन नहीं किया है। कांग्रेस के एक अन्य नेता ने कहा, ठाकरे ने बीएमसी में सत्ता बरकरार रखने के लिए यह सब किया है। हमारे विधायकों में यह भावना है कि हमें अकेले ही चुनाव (बीएमसी चुनाव में) लड़ना चाहिए। हमारे पास जो भी जगह है, हम उसे नहीं छोड़ सकते। जब हम गठबंधन करते हैं (उद्धव सेना के साथ), तो अल्पसंख्यक वोट बैंक भाजपा उम्मीदवारों को हराने के लिए शिवसेना की ओर चला जाता है, लेकिन शिवसेना का वोट हमें नहीं मिलता। यह एक पेचीदा स्थिति है। वैसे भी मुंबई में कांग्रेस का कोई खास जनाधार नहीं है। हम न तो मराठी मानुष (भूमिपुत्र) के साथ हैं और न ही गुजरातियों के साथ। हमारा जनाधार केवल अल्पसंख्यकों के बीच है, जो कुछ जगहों पर सपा और एआईएमआईएम के उम्मीदवारों के बीच है। उत्तर भारतीयों के बीच हमारा थोड़ा सा जनाधार है, जो राज के साथ दिखने पर खत्म हो जाएगा। कांग्रेस के लिए अब ज्यादा वोट बैंक नहीं बचा है। हम पूरी तरह से भ्रमित हैं।

कांग्रेस का एक बड़ा वर्ग पार्टी के हालात से नाखुश है। एक नेता ने कहा, यहां कोई भी पहल नहीं कर रहा है, क्योंकि छोटे से छोटे कार्यक्रम के लिए भी दिल्ली से अनुमति लेनी पड़ती है। महाराष्ट्र पार्टी नेतृत्व को यह समझ में नहीं आ रहा था कि हमें हिंदी विरोधी रुख अपनाना चाहिए या नहीं। इसलिए वे बीच में आ गए। मुद्दा मराठी का नहीं, बल्कि हिंदी थोपने का था। अगर हिंदी को कक्षा 1 से थोपा गया तो मराठी को नुकसान होगा। यही तर्क है।

पार्टी के एक अंदरूनी सूत्र ने कहा, हमने भी (हिंदी थोपने के विवाद पर) बात की, लेकिन मनसे और सेना (यूबीटी) ने आक्रामक रुख अपनाया, लोगों की पिटाई की और सब कुछ किया। उन्होंने इसे बहुत स्पष्ट कर दिया क्योंकि मीडिया को केवल ऐसी कहानियां पसंद हैं। कांग्रेस अलग-थलग रही। कांग्रेस के साथ एक समस्या यह है कि दिल्ली उन्हें जय हिंद यात्रा, संविधान सम्मान सम्मेलन आदि आयोजित करने के लिए निर्देशित कर रही है, जिनमें केवल कट्टर कांग्रेसी लोग ही शामिल होते हैं। हमें कृषि मूल्य, कानून और व्यवस्था, भ्रष्टाचार या यहां तक कि मराठी भाषा जैसे लोगों के मुद्दों को उठाना चाहिए। हमें सड़कों पर होना चाहिए था, जरूरी नहीं कि ठाकरे के नेतृत्व में।

बिहार चुनाव के कारण मुश्किल में कांग्रेस

बिहार चुनाव ने कांग्रेस की दुविधा को बढ़ा दिया है। एक नेता ने कहा, हमें हिंदी पर स्पष्ट और सटीक दिशा-निर्देश की आवश्यकता थी। हम आंदोलन में खुलकर शामिल नहीं हो सकते थे क्योंकि इससे हिंदी विरोधी संदेश जाता। यह धर्मनिरपेक्षता की बहस की तरह है, हम धर्मनिरपेक्षता की बहुत बात करते हैं, हमें मुस्लिम समर्थक के रूप में देखा जाता है। इसमें हाईकमान की ओर से कोई दिशा-निर्देश नहीं था। हम कह सकते हैं कि मराठी की कीमत पर हिंदी नहीं थोपी जानी चाहिए, लेकिन लोगों की पिटाई करना हास्यास्पद है। कांग्रेस को यह रुख अपनाना चाहिए कि हम यह सब स्वीकार नहीं कर सकते। व्यापक विचार-विमर्श की जरूरत है। पीसीसी अध्यक्ष और मुंबई कांग्रेस प्रमुख दोनों ही राजनीतिक रूप से कमजोर हैं, लेकिन पिछले हफ्ते जो हुआ, उसे देखिए- एआईसीसी प्रभारी रमेश चेन्निथला ने राज्य के सभी शीर्ष नेताओं को बैठक के लिए दिल्ली बुलाया, वे सभी राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे से मिलने की उम्मीद में गए थे, लेकिन वे वहां नहीं थे। बैठक उस दिन बुलाई गई, जिस दिन राज्य विधानसभा का सत्र शुरू हुआ था। आप सत्र के पहले दिन एजेंडा तय करते हैं, प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हैं, अपने मुद्दे बताते हैं,और उस दिन हमारे सभी नेता दिल्ली में थे। चेन्निथला मुंबई आकर बैठक कर सकते थे। हालांकि कांग्रेस नेतृत्व अपने सहयोगी उद्धव को भी नाराज नहीं कर सकता। इंडिया ब्लॉक पहले से ही टूटा है। कांग्रेस एमवीए को बरकरार रखने की इच्छुक है, भले ही बीएमसी चुनावों के लिए नहीं लेकिन भविष्य के लिए गठबंधन को बनाए रखना चाहती है।

एनटायर नोबल

बात नोबल की है तो सुनें। मोदी जी को भले ही अंग्रेजी नहीं आती और आपके सामने उनकी बोलती बंद हो जाती है लेकिन आदमी काम के हैं। हमने नेहरू, इंदिरा को किसी राष्ट्र का सर्वोच्च सम्मान मिलते नहीं सुना लेकिन मोदी जी को अब तक फिलिप्स कोटलर सम्मान तथा सूरीनाम, मरीशस, पापुआ न्यू गिनी, फीजी, बुर्किना फासो, क्रोएशिया, साइप्रस जैसे दुनिया के 21 बड़े बड़े और शक्तिशाली देशों ने अपने सर्वोच्च सम्मान दिए हैं।

(रमेश जोशी)

हैलो मिस्टर ट्रम्प,

कैसे हैं शुरू करने से पहले हम कई देर सोचते रहे। कई संबोधन ध्यान में आए लेकिन अंत में हमने 'मिस्टर' को ही सुरक्षित पाया। मोदी जी आपको क्या संबोधन करते हैं, पता नहीं। पहले तो 'माई फ्रेंड ट्रम्प' कहा करते थे। ओबामा को तो वे 'बराक' कह कर संबोधित करते हैं।

पहले तो हमने सोचा कि जब कभी आप हमें डिनर के लिए बुलाने के लिए फोन करेंगे तो 35 मिनट बात करेंगे और तभी आपसे अगले शांति के नोबल के बारे में भी कुछ बात कर लेंगे। लेकिन आपकी बेचैनी और निराशा को देखते हुए हमें लगा कि हालत गंभीर है, तत्काल सलाह और मार्गदर्शन की आवश्यकता है। आपका फोन नंबर था नहीं सो पत्र लिख रहे हैं। फोन नंबर तो हमारे पास मोदी जी का भी नहीं है। वैसे हमें पता है कि सुनने वाले न तो आप है और न मोदी जी। आप दोनों भगवान की नहीं सुनते तो हम तो केन्द्रीय विद्यालय के एक सामान्य रिटायर्ड मास्टर हैं जिनसे मोदी जी ने 'सरकारी' तक का दर्जा छीनकर आठवें पे कमीशन से बाहर कर दिया है। खैर, आपको इससे क्या मतलब आप तो खुद प्रवासियों को धक्के मारने में लगे हुए हैं।

बात नोबल की है तो सुनें। मोदी जी को भले ही अंग्रेजी नहीं आती और आपके सामने उनकी बोलती बंद हो जाती है लेकिन आदमी काम के हैं। हमने नेहरू, इंदिरा को किसी राष्ट्र का सर्वोच्च सम्मान मिलते नहीं सुना लेकिन मोदी जी को अब तक फिलिप्स कोटलर सम्मान तथा सूरीनाम, मरीशस, पापुआ न्यू गिनी, फीजी, बुर्किना फासो, क्रोएशिया, साइप्रस जैसे दुनिया के 21 बड़े बड़े और शक्तिशाली देशों ने अपने सर्वोच्च सम्मान दिए हैं। कोई तो बात होगी मोदी जी में वरना आपको अब तक हमारा 'बरामद रत्न सम्मान' तक नहीं मिला। इसलिए रोज 'मैंने युद्ध विराम करवाया' कह-कहकर मोदी जी की भद्द पीटना छोड़कर उनसे सम्मान प्राप्ति के कुछ टिप्स लीजिए। सब कुछ संभव है।

1939 में हिटलर का नाम भी नोबल के लिए प्रस्तावित हुआ था। हमारे यहाँ मस्जिद गिरवाने और मुसलमानों के प्रति आग उगलने वालों को देश के विशिष्ट पद्म सम्मान दिए गए हैं। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 74वीं पुण्य तिथि पर रविवार को मध्य प्रदेश के ग्वालियर में हिन्दू महासभा ने नाथूराम गोडसे और नारायण ऑप्टे के नाम स्थापित पहला 'गोडसे-ऑप्टे भारत रत्न' गाँधी को गाली देने वाले संदिग्ध और तथाकथित संत कालीचरण को जा सकता है कोई कानूनी कार्यवाही नहीं होती तो आपको नोबल मिलने के भी कई रास्ते हो सकते हैं। वैसे 'बरामदा रत्न' तो आप जब कहें हाजिर है। हम और तोताराम दोनों ही हैं उसकी चयन समिति में। तोताराम को मुनीर की तरह डिनर करवाने की भी जरूरत नहीं, चाय में ही मान जाएगा। पुरस्कार लेने के लिए अगर आप न आ सकें हम दोनों आ जाएंगे। हाँ, टिकट आप बनवाएंगे लेकिन अहमदाबाद से किसी एयर इंडिया के प्लेन की न बनवाएं। और अगर इस फ्लाइट के अलावा कोई रास्ता न हो तो सीट 11 ए वाली दिलवाइएगा जो बच पाने की संभावना बची रहे।

वैसे एक और मनोवैज्ञानिक तरीका है। हमारे यहाँ अगर कोई सेना में न जा सके या सेना में किसी बड़े पद पर नहीं पहुँच सके तो वह अपने बेटे का नाम कप्तान सिंह, मेजर सिंह आदि रख लेता है। हमारे एक परिचित हैं। कभी बीबीसी में थे। उनके पिताजी ने तो आजादी से पहले ही उनका नाम पद्म श्री क्या सीधे ही भरत रत्न रख लिया था।

कहें तो 'न्यू इंडिया' की तरह कोई 'न्यू नोबल' स्थापित करवा देते हैं और पहला आपको ही दिलवा देते हैं। और फिर शांति तो शांति है। क्या जरूरी है दो देशों के बीच ही हो। हम तो कहते हैं कि अगर कोई लड़ रहे गली के कुत्तों के दो झुंडों को भी पत्थर मारकर भाग देता है तो उसे शांति का नोबल दिया जा सकता है। आपने अपनी उपलब्धियां गिनाते हुए कहा है कि मैं चाहे कुछ भी कर लूँ मुझे नोबल शांति पुरस्कार नहीं मिलेगा। दिल छोटा न करें। नोबल कौन बड़ी चीज है। गाँधी को ही कौनसा नोबल मिला था। आप भी अपने तरीके से कौन कम हैं।

हमारे पास और भी कई योजनाएं हैं आपको नोबल दिलवाने की। हम इस बारे में नोबल क्या 'एनटायर नोबल' दिलवाने के लिए मोदी जी से बात कर सकते हैं

वोटकटवा तोहमत से बचने का पॉलिटिकल मोशन

वक़्फ़ कानून के पक्ष में मतदान करने के बाद जीडीयू के खिलाफ मुसलमानों में आक्रोश स्वाभाविक है. राजद के तेजस्वी यादव वक़्फ़ कानून के खिलाफ आक्रामक राजनीति कर रहे हैं. वह यहां तक कह रहे हैं कि उनकी सरकार बनी तो नए कानून को कूड़ेदान में फेंक देंगे. यह अलग बात है, कि राज्य सरकार को वक़्फ़ कानून में कोई भी बदलाव करने का अधिकार नहीं है. फिर भी राजनीति में तो तो विभाजन बढ़ाकर वोट बैंक को जो जोड़ सकता है, वह बोलने में कोई गुरेज नहीं होता, भले ही हो वह संवैधानिक हो या असंवैधानिक। इमारतें शरिया द्वारा पटना के गांधी मैदान में आयोजित वक़्फ़ कानून विरोधी जलसे में तेजस्वी यादव के वक्तव्य को लेकर शरिया संविधान लागू करने तक के आरोप लगाए जा रहे हैं. उनके समाजवाद को नमाजवाद निरूपित किया जा रहा है.

(सरयूसुत मिश्रा)

बिहार में सेक्युलर वोट नहीं बंटे इसीलिए एआइएमआइएम राजद और कांग्रेस के महागठबंधन में शामिल होना चाहती है. इसके लिए बाकायदा महागठबंधन के दलों को असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी की ओर से पत्र लिखे गए है.. !!

गठबंधन में आने के लिए मूलभूत आधार यह बताया गया है, कि राज्य में विधानसभा चुनाव में सेक्युलर वोटो का विभाजन न हो, इसलिए अगर हम सब मिलकर लड़ेंगे, तो बीजेपी के गठबंधन को हराया जा सकता है. गठबंधन होगा या नहीं होगा, इसमें बहुत सारे राजनीतिक पेंच हैं. लेकिन इस पहल ने यह बात तो साबित ही कर दी, कि महागठबंधन के राजनीतिक दल एंटी हिंदू राजनीति करते हैं. जो मतदाता उनके गठबंधन को वोट नहीं करते, उन्हें वह सेक्युलर नहीं मानते हैं. उनके अनुसार सेक्युलर होने का मतलब एंटी हिंदू होना है।

जहां तक ओवैसी का सवाल है, पिछले विधानसभा चुनाव में सीमांचल में उन्होंने पांच विधानसभा सीटें जीती थीं. इनमें से चार विधायकों को तोड़कर आरजेडी ने अपने साथ मिला लिया था. वर्तमान में उनके पास एक ही विधायक है. मुसलमानों से जुड़े मुद्दे की आक्रामक राजनीति के कारण ओवैसी ने अपनी पहुंच देश के मुसलमानों तक पहुंचाने में कुछ हद तक सफलता हासिल की है. उन्हें कांग्रेस और अन्य कुछ सेक्युलर दल बीजेपी की बी टीम भी मानते रहे हैं।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद सांसदों के विदेश गए प्रतिनिधिमंडल में ओवैसी ने जिस तरह से पाकिस्तान के खिलाफ आक्रामक रूप से बातें रखीं, उससे मुस्लिम कट्टरता की उनकी देसी छवि टूटी है. उनकी राष्ट्रभक्ति को सराहा गया है. निश्चित रूप से उनका यह स्टैंड बीजेपी के लिए सुविधाजनक रहा है. अब जहां तक बिहार में चुनाव का प्रश्न है, ओवैसी की पार्टी चुनाव तो लड़ेगी, यह भी लगभग सुनिश्चित ही माना जा रहा है, कि महागठबंधन में उनको शामिल नहीं किया जाएगा।

राजनीतिक विश्लेषक ओबीसी के इस मूव को मुस्लिम वोटकटवा के तोहमत से बचने का प्रयास मान रहे हैं. उनके पत्र के बाद राजद की तरफ से जो प्रतिक्रिया आई है, उसमें यह कहा गया

है, कि सेक्युलर वोट अगर वह विभाजित नहीं करना चाहते तो फिर उन्हें चुनाव लड़ने से दूर रहकर महागठबंधन का समर्थन करना चाहिए. किसी भी राजनीतिक दल को चुनाव से दूर रहने की बात करना राजनीतिक नहीं कहीं जा सकती. इससे यह संकेत जरूर मिल रहा है, कि ओवैसी की पार्टी का महागठबंधन के साथ शामिल होना मुश्किल है. वैसे ही महागठबंधन सीटों के बंटवारों को लेकर माथापच्ची कर रहा है. कांग्रेस और राजद के बीच सीटों को लेकर विवाद की स्थिति है। वक़्फ़ कानून के पक्ष में मतदान करने के बाद जीडीयू के खिलाफ मुसलमानों में आक्रोश स्वाभाविक है. राजद के तेजस्वी यादव वक़्फ़ कानून के खिलाफ आक्रामक राजनीति कर रहे हैं. वह यहां तक कह रहे हैं कि उनकी सरकार बनी तो नए कानून को कूड़ेदान में फेंक देंगे. यह अलग बात है, कि राज्य सरकार को वक़्फ़ कानून में कोई भी बदलाव करने का अधिकार नहीं है. फिर भी राजनीति में तो तो विभाजन बढ़ाकर वोट बैंक को जो जोड़ सकता है, वह बोलने में कोई गुरेज नहीं होता, भले ही हो वह संवैधानिक हो या असंवैधानिक।

इमारतें शरिया द्वारा पटना के गांधी मैदान में आयोजित वक़्फ़ कानून विरोधी जलसे में तेजस्वी यादव के वक्तव्य को लेकर शरिया संविधान लागू करने तक के आरोप लगाए जा रहे हैं. उनके समाजवाद को नमाजवाद निरूपित किया जा रहा है. आरजेडी को ऐसा लगता है, कि मुस्लिम मतदाताओं के सामने महागठबंधन के पक्ष में मतदान के अलावा कोई रास्ता नहीं है।

जेडीयू ने वक़्फ़ कानून का समर्थन सोच समझ कर किया है. मुसलमानों में अमीर-गरीब का विभाजन और गरीबों को वक़्फ़ संपत्तियों से दूर रखने के षड्यंत्र के खिलाफ आया यह कानून गरीब मुसलमान को जेडीयू के साथ जोड़े रख सकता है. बिहार में पसमांदा मुसलमानों की भी काफी संख्या है. अगर मेरिट के आधार पर वक़्फ़ कानून पर मुस्लिम समाज में विचार किया गया तो फिर गरीब मुसलमान का समर्थन जेडीयू के साथ जा सकता है।अ ाम आदमी पार्टी ने भी बिहार में चुनाव लड़ने की घोषणा की है. वह भी अपने को सेक्युलर ही बताती है. दिल्ली में उन्हें मुस्लिम समर्थन मिलता रहा है. कांग्रेस के साथ उनके रिश्ते दिल्ली चुनाव से तनावपूर्ण हो गए हैं. आम आदमी पार्टी ने राजनीति में जो कुछ भी हासिल किया है, वह सब कांग्रेस के जनाधार में ही सेंध लगाकर की है. चाहे दिल्ली में हो चाहे पंजाब में हो, यहां तक की गुजरात में भी आम आदमी पार्टी के बढ़ते प्रभाव के कारण कांग्रेस को नुकसान उठाना पड़ा था. अब बिहार में भी आम आदमी पार्टी अगर चुनाव मैदान में उतरती है, तो निश्चित रूप से इसका नुकसान महागठबंधन को ही होगा. भले ही आप चुनाव जीतने की स्थिति में न पहुंचे, लेकिन कांग्रेस और राजद के महागठबंधन को नुकसान जरूर पहुंचा सकती है। बिहार में राजनीति का सेक्युलर धड़ा मुस्लिम वोट बैंक को अपनी तरफ खींचने में लगा हुआ है. मुस्लिम वोटो के ध्रुवीकरण के लिए वक़्फ़ कानून के विरोध का सहारा लिया जा रहा है. यहां तक कि वोट बैंक को खुश करने के लिए असंवैधानिक बयानबाजी भी की जा रही है। ओवैसी की पार्टी पिछले चुनाव में पांच सीटें जीतने में सफल रही थी, तो निश्चित रूप से वह कांग्रेस पार्टी से कम सीटें महागठबंधन से नहीं चाहेगी. पिछले चुनाव में राजद का विनिंग रेशियो बेहतर था. कांग्रेस की जीत का रेशियो बहुत कम रहा. इसीलिए महागठबंधन बहुमत से दूर हो गया था. आरजेडी इस स्थिति में नहीं है, कि वह एआइएमआइएम को इतनी ज्यादा सीटें ऑफर कर सके. ओवैसी चुनाव लड़ेंगे तो उन्हें बीजेपी की बी टीम के रूप में तोहमत न दी जा सके, इसीलिए उन्होंने महागठबंधन में शामिल होने के लिए पहल की है और पत्र लिखा है। यह प्योरली पॉलिटिक्स है, वह मुसलमानों को भी मैसेज देना चाहते हैं कि वह मुस्लिम वोटो में विभाजन नहीं चाहते हैं. इसीलिए अपनी तरफ से महागठबंधन को प्रस्ताव दिया, लेकिन फिर भी महागठबंधन ने उनको दरकिनार कर दिया. मजबूरी में उनकी पार्टी को चुनाव लड़ना पड़ रहा है। मुस्लिम वोट बैंक के लिए राजनीतिक दांव किसी के भी कुछ भी हो लेकिन इसके लिए संविधान को दाव पर नहीं लगाया जा सकता. एनडीए के मतदाताओं को एंटी हिंदू मानना ना केवल उनकी अवमानना है, बल्कि यह संविधान का भी अपमान है. कम्युनल स्क्रिप्ट पर खड़ा राजनीति का सेक्युलर फिक्शन काउंटर ध्रुवीकरण बढ़ा रहा है। (यह लेखक के अपने विचार हैं)।

डी ए वी जांता के 8 युवा वैज्ञानिक होंगे पीएमओ से सम्मानित

बेमेतरा/मूक पत्रिका

डीएवी स्कूल जांता के 8 छात्र युवा वैज्ञानिक के लिए चयनित हुए। नेशनल स्पेस डे 23 अगस्त को चेन्नई के राजभवन में आयोजित 11वी यंग सायंटिस्ट इंडिया अवार्ड सेलिब्रेशन में पीएमओ के हाथों होंगे सम्मानित। जिले के इकलौते डीएवी स्कूल के बच्चों ने एक बार फिर से इतिहास रचा दिया है। दरअसल 23 अगस्त को स्पेश डे के उपलक्ष्य में चेन्नई में 11वी यंग सायंटिस्ट इंडिया अवार्ड सेलिब्रेशन का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें डीएवी जांता के 8 बच्चे का चयन यंग साइंटिस्ट के केटेगिरी में चयनित हुआ है।भारत भर के विभिन्न संस्थानों में से सर्वाधिक जांता से हुआ है।

पीएमओ की मौजूदगी में होगा सम्मानङ्कडीएवी के प्राचार्य पीएल जायसवाल ने बताया कि स्पेश किड्ज इंडिया व यंग सायंटिस्ट इंडिया के प्रमुख डॉ केसन के नेतृत्व में चंद्रयान 3 की सफलता को यादगार बनाने प्रति वर्ष 23 अगस्त को स्पेस डे के रूप मनाया जाता है।आयोजन के मुख्य अतिथि पीएमओ, भारत सरकार, व शिक्षा मंत्रालय होंगे।देश विदेश के वैज्ञानिको, अंतरिक्ष यात्री, भारत सरकार व तमिलनाडु सरकार के प्रमुख इस आयोजन में उपस्थित रहेंगे।उन्हीं की मौजूदगी में चयनित छात्रों को स्पेस किड्स इंडिया व यंग साइंटिस्ट इंडिया सर्टिफिकेट से सम्मानित किया जाएगा।

5 हजार में से 87 का चयन,प्रतिभा के आधार पर-यंग साइंटिस्ट इंडिया के आयोजन में देश भर के 28 राज्य से लगभग 5 पाँच हजार छात्र-छात्राओ ने रजिस्ट्रेशन कराया था, जिनमें स्पेस थीसिस पर आधारित इनोवेशन नवाचार पर संलग्न रिपोर्ट और कई राउंड की प्रतियोगिता में सफलता के बाद प्रतिभा के आधार पर केवल 87 छात्र-छात्राओं का चयन ग्रैंड फिनाले के लिए हुआ है,जिनमें से सर्वाधिक 8 जांता के हैं, डी ए वी जांता ,के प्राचार्य पी एल जायसवाल, साइंस शिक्षिका आयुषी, जैन गोविंद साहू, विमल साहू व अभिषेक दुबे आदि सभी ने देश के प्रधानमंत्री द्वारा चला रहे सबसे बड़े बीड़ा आत्मा निर्भर भारत व नवाचार को मिशाल बनाकर स्कूली बालक बालिकाओ को प्रेरित कर युवा वैज्ञानिक बनने तक हर सम्भव मार्गदर्शन किए हैं। ये बच्चे भविष्य में देश के सबसे बड़े वैज्ञानिक बनने व देश के नाम रोशन करने के दिशा में आगे बढ़ रहें हैं, इस बड़ी उपलब्धि के लिए जिला से जिला शिक्षा अधिकारी डॉ कमल कपूर बंजारे, ब्लाक शिक्षा अधिकारी अरुण खरे, शिक्षा विभाग बेमेतरा, छत्तीसगढ़ डी ए वी संस्थान प्रमुख व रीजनल ऑफिसर प्रशान्त कुमार व सहायक क्षेत्रीय अधिकारी जॉन डी डॉ बी पी साहू सहित सभी ने इन युवा वैज्ञानिकों व उनके अभिभावकों को बधाई व शुभकामनाएं दिए हैं।

राष्ट्रव्यापी औद्योगिक हड़ताल में बचेली से उठी जन आवाज़, मजदूरों के संघर्ष ने लिया जनक्रांति का रूप

बचेली /मूक पत्रिका

देशभर में केंद्र सरकार की मजदूर और किसान विरोधी नीतियों के खिलाफ आयोजित राष्ट्रव्यापी औद्योगिक हड़ताल के तहत बचेली के लाल मैदान में एक ऐतिहासिक एक दिवसीय धरनाङ्कप्रदर्शन हुआ। एटक और इंटक के संयुक्त नेतृत्व में आयोजित इस आंदोलन में मजदूरों, महिलाओं, युवाओं और आम नागरिकों की भारी भागीदारी देखने को मिली, जिसने इस विरोध को एक जनआंदोलन में बदल दिया। केंद्रीय ट्रेड यूनियनों और स्वतंत्र कर्मचारी महासंघों के आह्वान पर यह हड़ताल पूरे देश में संपन्न हुई। बचेली में इसे संयुक्त खदान मजदूर संघ (एटक) और मेटल माइंस वर्कर्स यूनियन (इंटक) ने नेतृत्व प्रदान किया।प्रदर्शन की प्रमुख मांगों में चारों लेबर कोड की वापसी, सार्वजनिक क्षेत्रों के निजीकरण पर रोक, ?26,000/- न्यूनतम मजदूरी, पुरानी पेंशन योजना की बहाली, ठेका प्रथा की समाप्ति, समान वेतन, महंगाई पर नियंत्रण और शिक्षाङ्कस्वास्थ्य की निःशुल्क सुविधाएं शामिल थीं।इस आंदोलन को कांग्रेस और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) सहित कई जनसंगठनों का समर्थन प्राप्त हुआ।

कांग्रेस नेताओं छविंद्र कर्मा, सलीम राजा उस्मानी, संतोष दुबे, मनोज साहा और कुमार स्वामी झाड़ी ने सरकार की नीतियों को मजदूर विरोधी बताते हुए श्रमिकों के साथ खड़े होने की बात कही। सीपीआई नेताओं बहुलोचन श्रीवास्तव, बोमडा राम और बामन कुंजाम ने इसे संविधान और लोकतंत्र की रक्षा का आंदोलन करार दिया।धरने में इंटक के सचिव आशीष यादव का भाषण विशेष आकर्षण का केंद्र रहा, जिसमें उन्होंने कहा कि ÷मजदूर का पसीना बिकेगा नहीं, उसका सम्मान खरीदा नहीं जा सकेगा।÷ वहीं अध्यक्ष चंद्र कुमार मंडावी ने कहा कि ÷एकता ही हमारी ताकत है, और यही बदलाव की शुरुआत है।÷एटक के अध्यक्ष जागेश्वर प्रसाद और कार्यकारी अध्यक्ष रवि मिश्रा ने मंच से स्पष्ट किया कि यह केवल मांगों का आंदोलन नहीं, बल्कि व्यवस्था परिवर्तन की चेतावनी है। उनका कहना था कि ÷सरकार अगर पीड़ा नहीं समझती, तो यह पीड़ा परिवर्तन की आग बन जाएगी। कार्यक्रम के अंत में पूरे मैदान में एक स्वर गूंजा संघर्ष जारी रहेगा।

एनएमडीसी अंतर परियोजना कैरम टूर्नामेंट में दशकों बाद किरंदुल परियोजना बनी चैंपियन.

इस ट्रॉफी को टीम ने अपने वरिष्ठ साथी शेख नफीस के विदाई का तोहफ़ा माना

किरंदुल /मूक पत्रिका

एनएमडीसी की अंतर परियोजना कैरम टूर्नामेंट 2025 जो कि 4 से 6 जुलाई तक दोणामलैय में आयोजित हुई। जिसमें एनएमडीसी की सभी परियोजना ने हिस्सा लिया था। इस प्रतियोगिता का फाईनल मुकाबला दोणामलैय आयरन ओर माइंस और बीआईओएम किरंदुल कॉम्प्लेक्स के मध्य खेला गया। जिसमें किरंदुल कॉम्प्लेक्स की टीम ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल कर अंतर परियोजना कैरम टूर्नामेंट में कई दशकों बाद चैम्पियन बनने का इतिहास रचा। इस टीम के सदस्य रौशन गंधर्व, समरेश मण्डल, ओम नारायण, संजू बर्मन और शेख नफीस थे । टीम के सदस्यों ने सभी का धन्यवाद दिया। और इस जीत को अपने वरिष्ठ सदस्य शेख नफीस की बिदाई का तोहफा माना। वही इस कैरम प्रतियोगिता को पुरुष और महिला दो वर्गो में विभाजित कर खेला गया था । जिसमें पुरूष वर्ग में किरंदुल परियोजना की टीम ने जीत हासिल की, वहीं महिला ग्रुप का फाईनल मुकाबला दोणामलैय आयरन ओर माइंस और मुख्यालय हैदराबाद के मध्य खेला गया जिसमें मुख्यालय हैदराबाद की महिला टीम ने जीत दर्ज करते हुए प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम किया।

शिवनाथ नदी रौद्र रूप में, भाटापारा मार्ग स्थित सेमरिया नदी पुल डूबा

बेमेतरा/नारायणपुर /मूक पत्रिका

प्रदेश सहित विभिन्न जलाशयों से शिवनाथ नदी में पानी प्रवाहित किए जाने के कारण इस बरसात के सीजन में भाटापारा मार्ग स्थित सेमरिया नदी एक बार फिर पुनः पुल डूब गया है, यह नदी सेमरिया का 50 वर्षीय पुराना पुल शिवनाथ के रौद्र रूप से पुरी तरह डूब चुका है, जहां फलस्वरूप इस बरसात में पहली बारिश में ही सेमरिया पुल के डूब जाने से लोगों का संपर्क भाटापारा शहर का सीधा सड़क संपर्क बिलासपुर, पथरियां, मारो, नारायणपुर, बैतलपुर , सरगांव, नवागढ़, बेमेतरा,पुटपुरा,अमलडीहा सहित सैकड़ों गांवों से लोग आना जाना करते हैं,जिसका यह संपर्क मार्ग सेमरिया पुल डूब जाने के कारण लोगों को जाने के लिए लोगों को भाटापारा जाने के लिए नांदघाट से होकर जाना पड़ रहा है, जिसके चलते भाटापारा आने- जाने के लिए लोगों को भारी समय का सामना करना पड़ रहा है, व उसका समय अधिक लग रहा है, यह पुल एक लंबे समय से क्षेत्रवासी 50 वर्षीय पुराने पुल के स्थान पर उच्चस्तरीय नये पुल निर्माण की मांग लोग लंबे समय से मांग करते आ रहे हैं, और विष्णु देव सरकार के पहले बजट में भी सेमरिया पुल पर एक उच्चस्तरीय पुल के लिए बजट में उल्लेख किया गया था लेकिन यह एक नये पुल निर्माण कार्य के संबंध में अब तक करवाई नहीं होने के चलते यह पुल हर साल डुब जाता है।

नवपदस्थ जिला शिक्षा अधिकारी सक्ती से पुष्पगुच्छ भेंट कर किया स्वागत

सक्ती/मूक पत्रिका

जिला शिक्षा अधिकारी सक्ती के पद पर नव पदस्थ जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती कुमुदनी बाघ द्विवेदी के कार्यभार ग्रहण करने पर छत्तीसगढ़ सर्व शिक्षक फेडरेशन के प्रांतीय सचिव चंद्र प्रकाश तिवारी और संगठन के जिला पदाधिकारी भास्करन नायर ने जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय पहुंच कर पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया, और जिले में शिक्षा व्यवस्था को लेकर चर्चा किए। गौरतलब है कि श्रीमती द्विवेदी जांजगीर चांपा में भी जिला शिक्षा अधिकारी के पद पर पूर्व में रह चुकी हैं, और शिक्षा जगत में काफी अनुभवी हैं।

भौतिकता की चकाचौंध में न खोएं, राम-नाम को जीवन का आधार बनाएं : परम पूज्य कापालिक

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

आषाढ़ पूर्णिमा के दिन अघोर पीठ जन सेवा अभेद आश्रम पोंडी दल्हा के द्वारा गुरु पूर्णिमा पर्व को पोंडी दल्हा में हज़ारों भक्तों के बीच भक्तिमय वातावरण में मनाया गया। औघड़ पीर पर्व के रूप में मनाये जाने वाले इस पर्व की शुरुआत प्रातः पांच बजे प्रभात फेरी से की गयी। आश्रम के भक्तों एवं श्रद्धालुओं ने परिसर में सफाई एवं श्रमदान किया। आश्रम परिसर में अघोर पीठ जन सेवा अभेद आश्रम का ध्वजारोहण किया गया एवं सफलयोनि का पाठ हुआ। अघोर पीठ जन सेवा अभेद आश्रम के अध्यक्ष परम पूज्य बाबा कापालिक धर्म रक्षित राम जी अपने आसन पर सुबह 11:30 बजे विराजमान हुए और दर्शन-पूजन का कार्यक्रम की शुरुआत हो गई जो रात्रि नव बजे तक चली। गुरु दर्शन के लिए छह हज़ार से ज्यादा लोग आश्रम परिसर में आए और गुरूदर्शन का लाभ लिया। गुरु दर्शन के कार्यक्रम के साथ ही आश्रम स्थित अघोर चिकित्सालय अस्पताल में विभिन्न क्षेत्र के ख्याति प्राप्त चिकित्सको ने अपनी सेवाएँ दी। इसके बाद फिर रात्रि के ग्यारह बजे तक प्रसाद वितरण का कार्यक्रम चला। इस कार्यक्रम के संचालन और सुरक्षा में आश्रम के स्वयं सेवकों के साथ आश्रम के विद्यालय अघोर विद्या पीठ के बच्चे एव आर के सिंह स्कूल के एनएसएस के विद्यार्थी, विधुत विभाग, थाना अकलतरा एवं यातायात विभाग जाँजगीर का भी योगदान रहा।

सायंकाल को हुई युवा एवं महिला गोष्ठी में देश भर से आए भक्तों को आशीर्वाद देते हुए संस्था के अध्यक्ष परम पूज्य कापालिक धर्म रक्षित राम जी ने कहा कि राम-नाम नामक मणि को अपने साथ हमेशा रखें। हमारी आस्था, विश्वास, हमारे संस्कार, हमारे कर्म यहाँ तक ले आते हैं। यहाँ पर आने के पश्चात् हम लोगों ने जो भी बातें आप सभी के मुख से हमने सुनीं वह सब अघोरेश्वर महाप्रभु की वाणियाँ हैं जो हमारे अघोर ग्रंथावली में लिखी हुई हैं। आशा है इन सबको हम लोग ग्रहण करेंगे, नहीं तो हमारा यहाँ दूर-दूर से आना, रहना, अपना समय देना हो सकता है कि व्यर्थ चला जाय। आज के इस चकाचौंध भरे भौतिक युग में हम लोगों की भौतिक उन्नति तो हुई है, लेकिन हम अपने संस्कार, अपनी संस्कृति और अपने पूर्वजों की दी हुई सीख को कदापि न भूलें। आज के समय में हम बहुत सी चीजों का रसास्वादन करते रहते हैं लेकिन हमारी रसना राम-नाम के रसास्वादन से वंचित रह जाती है। हमारा यह शरीर भी एक दिन काल-कवलित हो जाता है और जिसके मोह में पड़ के हर तरह के भौतिकता की चकाचौंध में अंधे होकर कृत्य-अकृत्य हम करते हैं वह भी काल-कवलित हो जायेगा। हमारे द्वारा बनाए गए बड़े-बड़े मकान, कंगूरे सब एक-न-एक दिन नष्ट हो जाते हैं। हम अपने भविष्य को क्यों खराब करें। हम अपने सारे कार्यों को करते हुए उस राम-नाम रुपी मणि को अपने साथ हमेशा रखें। हम अच्छा कर्म करें और जरुरतमंदों की मदद अवश्य करें, लेकिन समय-काल और परिस्थिति को देखते हुए अपनी रक्षा के उपाय भी अवश्य करें। यह नहीं कि आपको कोई मारने आ रहा है या कोई सांड ही आपको मरने आ रहा है तो आप किसी का इन्तजार करें कि कोई आकर हमें बचा ले, उस समय आपके हाथ में जो कुछ भी रहेगा उसी से प्रहार करके आप अपनी रक्षा कर सकते हैं। शरीर की रक्षा के लिये उसके उपाय और संशाधन हमें रखने होंगे। क्योंकि इसी मनुष्य शरीर से हम ज्ञान सहित सब कुछ प्राप्त कर सकते हैं। मोह ग्रसित हो जिस चीज से हमलोग सबसे अधिक डरते हैं वह तो अवश्य ही आनी है। हमारा सबसे बड़ा डर मृत्यु को लेकर है। यह शरीर किसी का भी रहा नहीं है। हाँ, आपकी और हमारी आत्मा को कोई नहीं छू सकता। न कोई डरा सकता है, न मार सकता है और न नष्ट ही कर सकता है। राम-नाम के सूत्र को पकडे रहेंगे तो हमारा वह भय भी जाता रहेगा। बहुत धन या संपत्ति हो जाने पर हममें एक अहंकार भी आ जाता है कि अरे यह सब तो मैंने ही इकठ्ठा किया है और वही अहंकार उसके संस्कार और कर्मों को नीचे गिरा देते हैं। हो सकता है कि आज जो आपके पास है वह आपके पूर्व जन्मों के कर्मों का फल हो या आपके माता-पिता के अच्छे संस्कारों के चलते य पूर्वजों के सद्कर्मों की देन हो या हमारी गुरुजनों के प्रति निष्ठा के चलते मिला हो।

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का लोगों मिला लाभ-गुरु पूर्णिमा के पर संस्था की ओर से सुबह निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया।आश्रम के व्यस्थापक गोपाल राम जी ने अवधूत भगवान राम के तैलचित्र पर दीप प्रज्वलित कर स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इसमें काफी उत्साह देखने को मिला। बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं शहरवासियों ने स्वास्थ्य लाभ लिया। चिकित्सकों को दिखाने के लिए कतार लगी रही। लोग अपनी बारी का इंतजार करते दिखे। शिविर में करीब 542 लोगों ने स्वास्थ्य लाभ लिया। शिविर सुबह 10 से 4 बजे तक चला।बिलासपुर के डॉक्टर वाई आर राजशेखर कृष्णा- ऑर्थो स्पाइन सर्जन, डा. डाक्टर दयामणि साहू, डाक्टर मंजू राठौर, नेत्र सहायक प्रीतेश सिंह चंदेल, डॉ. सूर्यप्रकाश (एम.डी.), डॉ. सुनील साहू (एम.बी.बी.एस), मेडिसीन विशेषज्ञ डॉ. शुभम शुक्ला (एम.डी.), डॉ. संदीप तिवारी नेत्र रोग विशेषज्ञ फेको कैटरेक्ट एवं लेजर सर्जन, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. आलोक मंगलम (एम.डी.), हड्डी रोग विशेषज्ञ, डॉ. वैभव कौशिक (एम.बी.बी.एस, आर्थोपेडिक), बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. मनोज चन्द्रकार (एम.बी.बी.एस. एम.डी. पीडियाट्रिक), डॉ. सुभाष सिंह (एम.बी.बी.एस. एम.डी.), डॉ. संदीप चन्देल (एम.ए.एम.एस) चिकित्सकों ने बारी-बारी से मरीजों की जांच कर परामर्श दिया तथा निःशुल्क की दवा वितरण में सहयोग किया। कार्यक्रम पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एव वर्तमान विधायक धरमलाल कौशिक, क्षेत्रीय विधायक राघवेन्द्र सिंह, पूर्व विधायक चुन्नी लाल साहू, भाजपा जिलाध्यक्ष अंबेश जांगेडे, गुलाब सिंह, पूर्णेन्द्र सिंह दिवाकर राणा मुख्य रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में अम्बिकापुर से आए डाक्टर कृष्ण मोहन पाठक ने आभार प्रदर्शन किया।

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर शाला त्यागी बालिकाओं का पुनः शाला प्रवेश कार्यक्रम एवं कार्यशाला आयोजित

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशन बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के तहत गुरु पूर्णिमा के अवसर पर विकासखण्ड बम्हनीडीह के ग्राम चोरिया के शा0 उच्च0 मा0 विद्यालय में शाला त्यागी बालिकाओं का पुनः शाला प्रवेश एवं कार्यशाला आयोजित किया गया। इसके साथ ही स्कूल परिसर में वृक्षारोपण किया गया। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि कार्यक्रम में सखी केंद्र प्रशासक सुश्री एच. निशा खान के द्वारा हरियाली और शिक्षा पर चर्चा करते हुए बताया कि हरित परिवर्तन पर्यावरण संवर्धन के लिए आवश्यक है वैसे शिक्षा प्रत्येक बालक-बालिकाओं को हर स्तर पर प्राप्त करना आवश्यक है। साथ ही छात्र-छात्राओं को सखी वन स्टॉप सेंटर क्या है? हिंसा की प्रकृति एवं प्रकार, सखी द्वारा हिंसा से पीड़ित, प्रताड़ित एवं संकटग्रस्त महिलाओं एवं बालिकाओं को प्रदान की जाने वाली सुविधा व सहायता की जानकारी दी गई। घरेलू हिंसा नवा बिहान संरक्षण अधिकारी श्रीमती अनुपमा सिंह कंवर द्वारा घरेलू हिंसा से महिलाओं के संरक्षण अधिनियम 2005 एवं महिलाओं के साथ होने वाली लैंगिक प्रकृति की हिंसा होने पर कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम, 2013 एवं कानूनी कार्यवाहियों के संबंध में बताया गया कि पीड़ित महिला किस प्रकार सहायता ले सकती है की जानकारी दी गई। समाज में महिलाओं टोनही के रूप में चिन्हित कर उन्हें प्रताड़ित करने के विरूद्ध कानूनी अधिकारों दहेज प्रतिषेध अधिनियम की जानकारी दी गई। मिशन शक्ति जेंडर विशेषज्ञ द्वारा एकीकृत महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के उद्देश्य, आवश्यकता एवं इसके अंतर्गत बालिकाओं के सर्वाधिक हितों के लिए किए जाने वाले कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में 03 बालिकाएं जिन्होंने शिक्षा के महत्व को जाना एवं अपने व्यक्तिगत अनुभव व्यक्त करते हुए बताया कि उन्होंने बीच में स्कूल पढ़ाई से 1 वर्ष पूर्व पृथक हो गई थी। किंतु महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा उन्हें शिक्षा और सशक्तिकरण की समझाइश दी गई और बालिकाओं ने शिक्षा पूर्ण करने हेतु पुनः स्कूल प्रवेश लिया है। शाला पुनः प्रवेश करने वाली बालिकाओं को उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया। उक्त कार्यक्रम में बालिकाओं एवं शाला प्रबंधन को पौधा वितरण कर प्रकृति के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में सखी टीम, नवा बिहान, मिशन शक्ति, सुपरवाइजर श्रीमती दुर्गेश नंदिनी यादव, श्रीमती रामकुमारी पटेल, श्रीमती उर्मिला भारती, प्रधान पाठक टीमन लाल चंद्रा एवं शिक्षक गण, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका सहित छात्र-छात्राएं उपस्थित थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शिक्षा के क्षेत्र में हो रहा ऐतिहासिक परिवर्तन - विधायक दीपेश साहू

शाला प्रवेश उत्सव में विधायक दीपेश साहू मुख्य अतिथि के रूप मे हुए शामिल

बेमेतरा के शासकीय स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय में हुआ भव्य आयोजन

23 बालिकाओं को साइकिल वितरण, नवप्रवेशी छात्रों को गणवेश व पाठ्य पुस्तकें प्रदान की गईं

बेमेतरा/मूक पत्रिका

बीते शुक्रवार को स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय बेमेतरा में शाला प्रवेश उत्सव का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर विधायक दीपेश साहू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। स्वागत गीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से स्कूली छात्र-छात्राओं ने अतिथियों का मन मोह लिया।सांस्कृतिक कार्यक्रम देने वालों बच्चों का उत्सावर्धन करते हुए सम्मान राशि भेंट की द्य विद्यालय की प्राचार्य कविता वाजपेई ने स्वागत भाषण में अतिथियों का अभिनंदन करते हुए विद्यालय की उपलब्धियों का उल्लेख किया। साथ ही उन्होंने विद्यालय में नाली निकासी की समस्या, मैदान समतलीकरण और जर्जर भवन की मरम्मत अथवा नवीन निर्माण की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम में विधायक दीपेश साहू ने 23 छात्राओं को स्वरस्वती साईकिल योजना अंतर्गत निःशुल्क साइकिल प्रदान की गई तथा नवप्रवेशी बच्चों का तिलक कर एवं मिठाई खिलाकर उत्सवपूर्वक स्वागत किया गया। उन्हें गणवेश एवं पाठ्य पुस्तकों का वितरण भी किया गया।द्य कार्यक्रम मे विद्यालय मे उत्कृष्ट स्थान हासिल करने वालों बालिकाओं को प्रसस्ती पत्र भेटकर सम्मानित कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की..इस अवसर पर विधायक दीपेश साहू ने भारत माता, छत्तीसगढ़ महतारी स्वरस्वती माता की जयघोष के साथ अपना उद्बोधन आरंभ किया। उन्होंने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि –प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज शिक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक परिवर्तन हो रहे हैं। नई शिक्षा नीति के तहत बच्चों को रुचि आधारित, कौशल आधारित शिक्षा दी जा रही है जिससे आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार हो सके।÷उन्होंने विद्यार्थियों से लक्ष्य निर्धारण, अनुशासन, परिश्रम और सोशल मीडिया से दूरी जैसे विषयों पर संवाद किया। उन्होंने कहा कि –जब तक आप खुद आगे नहीं बढ़ेंगे, कोई और आपको आगे नहीं बढ़ा सकता। सरकारी स्कूलों के बच्चों ने देश-दुनिया में टॉप कर यह साबित कर दिया है कि मेहनत ही सफलता की कुंजी है।÷पूर्व में शिक्षक रहे विधायक साहू ने कहा कि उन्होंने जन सेवा के उद्देश्य से राजनीति में प्रवेश किया और शिक्षा व युवा कल्याण की दिशा में कार्य कर रहे हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि विद्यालय के भवन निर्माण हेतु वे निरंतर प्रयासरत हैं तथा छात्रों की मांग पर किसी भी प्रकार की शैक्षणिक आवश्यकता को प्राथमिकता देंगे। विधायक ने यह भी बताया कि बेमेतरा को 6 करोड़ रुपए की लागत से भव्य 'नालंदा परिसर' लाइब्रेरी, केंद्रीय विद्यालय की सौगात मिली है, साथ ही छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु निःशुल्क कोचिंग सेंटर की स्थापना की गई है जिससे ग्रामीण व किसान परिवारों के होनहार विद्यार्थियों को सुविधा मिल रही है। नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा ने भी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं और कहा कि –प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राज्य के वरिष्ठ नेतृत्व की मंशा के अनुसार प्रदेशभर के विद्यालयों में प्रवेश उत्सव का आयोजन विद्यार्थियों के आत्मबल और उल्लास को बढ़ाने के लिए किया जा रहा है।÷उन्होंने छात्रों से माता-पिता और गुरुजनों के आशीर्वाद से शिक्षा पथ पर आगे बढ़ने की अपील की तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रस्तुत की गई कलाओं को जीवन में अपनाने का सुझाव भी दिया। नगर पालिका अध्यक्ष ने नालंदा परिसर ,केंद्रीय विद्यालय और निःशुल्क कोचिंग जैसे योजनाओं के लिए विधायक श्री साहू को धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के अंत में सहयोगी संस्था प्रमुख सुभाष चौबे और सम्मान किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट रूप से उपस्थित रहे भाजपा शहर मंडल अध्यक्ष युगल किशोर देवांगन, पार्षद पंचू साहू, चांदनी रोशन दत्ता, लक्की साहू, विकास तंबोली, नीतू कोठारी, रवि मुलवानी, सिमरन ताम्रकार, सोसायटी अध्यक्ष दोहाई लाल वर्मा, हर्षवर्ध÷÷÷शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष प्रेम लता नेमा गुप्ता, सेवा सहकारी समिति के अध्यक्ष दोहाई वर्मा, धर्मेन्द्र साहू, मीनू पटेल, सीलू साहू, अनिल रजक, परमेश्वर साहू, राकेश वर्मा, राजीव तंबोली, सहयोग संस्था के अध्यक्ष सुभाष चौबे सहित विद्यालय के समस्त शिक्षकगण सुनील झा, नजोर अली, आरू साहू, योगेंद्र वर्मा, प्रमोद ठाकुर, पी.एस. राजपूत, रामेश्वर बंजारे, सपना तिवारी, सावित्री वर्मा, रेणुका अग्रवाल, नरेंद्र देवांगन, सुनीता बंजारे, कौशल वर्मा, राखी सोनी, हीरेन्द्र साहू, नीता गायकवाड़ आदि उपस्थित रहे।

अवैध तरीके से मॉडिफाई साइलेंसर के साथ तेज फर्राटेदार बुलेट चालक पर 11100/00 रु. का जुर्माना

बुलेट वाहन में अवैध तरीके से मॉडिफाई साइलेंसर लगा कर तेज फर्राटेदार आवाज के साथ बुलेट चलाने वाले एक चालक पर कार्यवाही कर माननीय न्यायालय पेश किया गया

उक्त बुलेट चालक रोशन कुमार निवासी बचेली को माननीय न्यायालय द्वारा 11100/00 रु. (ग्यारह हजार एक सौ रुपये) का अर्थ दण्ड से दंडित किया गया

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

इनफील्ड बुलेट वाहन *क्रमांक - छ्त्र 18 क्त 2554 के चालक रोशन कुमार निवासी बचेली जिला- दंतेवाड़ा (छ. ग.) द्वारा दिनाँक 09.07.025 को अपने बुलेट वाहन में अवैध तरीके से मॉडिफाई साइलेंसर लगा कर तेज फर्राटेदार आवाज के साथ तेजगति से दंतेवाड़ा शहर में बुलेट चला रहा था,, जिसे यातायात पुलिस दंतेवाड़ा पॉइंट ड्यूटी पर तैनात जवानों के द्वारा स्क्क्ष्ठ चौक, जय स्तंभ चौक, रेलवे फाटक में रोकने की भरसक कोशिश की गई किंतु उक्त बुलेट चालक द्वारा अपनी बुलेट को रोकने के बजाय और कट मारते हुए तेज गति से चलाकर भागने लगा जिसके बाद निरीक्षक प्रहलाद कुमार साहू यातायात प्रभारी दंतेवाड़ा ने अपने टीम के साथ पीछा कर यातायात पुलिस द्वारा परदेशी होटल आवँराभाठा के पास पकड़ा गया।

बाद यातायात पुलिस द्वारा एम. व्ही. एक्ट की धारा- 182(ए)(4), 3/181, 129/194(डी), 130(3)/177 के तहत कार्यवाही कर माननीय न्यायालय के समक्ष आज दिनाँक 10.07.2025 को पेश किया गया था जहां माननीय न्यायालय द्वारा - 11100/00 रु. (ग्यारह हजार एक सौ हजार रुपये) का जुर्माना लगाकर दण्डित किया गया द्य बाद माननीय न्यायालय के आदेशानुसार अवैध तरीके से लगाये गए मॉडिफाई साइलेंसर को निकलवाकर जप्त कर दूसरी ऑरिजिनल साइलेंसर लगवा कर बुलेट को चालक के सुपुर्द किया गया।

जिला दन्तेवाड़ा में *पुलिस अधीक्षक गौरव रॉय एवं वरिष्ठ अधिकारियों के आदेश निर्देश पर रोड दुर्घटनाओं और दुर्घटना मृत्युदर में कमी लाने व यातायात नियमों के प्रति लोगों को जागरूक करने और यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर संबंधित वाहन चालकों पर चालानी कार्यवाही करने के लिए *यातायात प्रभारी दंतेवाड़ा निरीक्षक प्रहलाद कुमार साहू अपने टीम के साथ लगातार अलग-अलग जगह पर रोज स्क्क्ष्क लगा कर चेकिंग की जा रही है और समझाईश के साथ-साथ कार्यवाही भी की जा रही है द्य

यातायात पुलिस दंतेवाड़ा पुनः अपील करती है कि इसप्रकार से अपने वाहनों में मॉडिफाई साइलेंसर लगाकर बुलेट या अन्य मोटरसाइकिल चलाने वाले युवा साथियों से सावधान हो जाएं और अगर अपने दो पहिया वाहनों में मॉडिफाई साइलेंसर लगाये हों तो निकाल लेवें। अन्यथा पकड़े जाने पर इसी प्रकार से दंडित किया जाएगा। क्योंकि इस प्रकार से अवैध तरीके से मॉडिफाई साइलेंसर लगाकर तेज गति से वाहन चलाने और उसके फर्राटेदार कर्कश आवाज से आम जन परेशान होते हैं और ध्वनि प्रदूषण भी होता है। अतः इस प्रकार से गलती न करें।

लैंगिक भेदभाव को समाप्त करने सामुदायिक प्रेरक कार्यशाला संपन्न

समुदाय में शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण को लेकर जागरूकता लाने युवोदय के तहत चल रही पहल

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

जिले में जिला प्रशासन, यूनिसेफ और एलायंस फॉर बिहेवियर चेंज के संयुक्त तत्वावधान में संचालित युवोदय कार्यक्रम के अंतर्गत लैंगिक भेदभाव समाप्त करने और शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पोषण के प्रति समुदाय में जागरूकता लाने हेतु एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन विकासखंड गीदम में किया गया।

कलेक्टर के निर्देशानुसार युवाओं के साथ-साथ सामुदायिक प्रेरकों को भी प्रशिक्षित किया जाना निर्धारित है। इसी क्रम में इस कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें शिक्षा को प्राथमिकता देते हुए 'रूप नहीं गुण देखो' अभियान के तहत बालक-बालिका में भेदभाव समाप्त करने, उनकी कलात्मकता को पहचानने, और बच्चों की पढ़ाई को दैनिक दिनचर्या में शामिल करने हेतु 'आज क्या सीखा' गतिविधि को प्रोत्साहित किया गया। साथ ही, प्रत्येक स्कूली बच्चे के घर में 'पढ़ाई का कोना' बनाना अनिवार्य बताया गया।

इस कार्यशाला में जिले की 100 चयनित पंचायतों की महिला स्व-सहायता समूह की सदस्याएं एवं स्मार्ट मदर शामिल हुईं। सभी प्रतिभागियों ने स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता और शिक्षा से संबंधित विषयों पर विस्तार से जानकारी ली और अपने-अपने पंचायतों में मलेरिया, डेंगू, डायरिया, कुपोषण, खतरे वाली गर्भवती महिलाएं और शाला त्यागी बच्चों के परिवारों को सकारात्मक व्यवहार अपनाने हेतु जागरूक करने की शपथ ली। साथ ही उन्होंने समुदाय में व्याप्त रूढ़िवादी स्वास्थ्य परंपराओं से मुक्ति दिलाने, अस्पताल में इलाज कराने और शासन की योजनाओं का लाभ लेने हेतु लोगों को प्रेरित करने का संकल्प लिया।

यूनिसेफ के जिला समन्वयक राजेश बघेल ने बताया कि कार्यशाला के अंत में विकासखंड के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने प्रतिभागियों से कार्यक्रम की समझ को लेकर संवाद किया और युवोदय कार्यक्रम को सफल बनाने में जिला प्रशासन के साथ मिलकर कार्य करने की अपील की। इस अवसर पर जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के बीपीएम, यूनिसेफ जिला समन्वयक, युवोदय के ब्लॉक समन्वयक और स्वयंसेवक भी उपस्थित रहे।

पशु चिकित्सकों द्वारा स्कूली विद्यार्थियों को कुत्ते के काटने, रेबीज बीमारी एवं पॉलीथीन प्रदूषण के प्रति किया गया जागरूक

विश्व रेबीज दिवस 28 सितंबर के उपलक्ष्य में विशेष अभियान प्रारंभ

मूक पत्रिका/कोण्डागांव - विश्व रेबीज दिवस 28 सितम्बर के उपलक्ष्य में पशु चिकित्सा विभाग कोण्डागांव द्वारा प्राथमिक एवं हाई स्कूल नवागांव, मर्दापाल में विद्यार्थियों के बीच एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अभियान का उद्देश्य बच्चों को रेबीज रोग, कुत्ते के काटने की स्थिति में प्राथमिक उपचार, पॉलीथीन प्रदूषण एवं पशुपालन में कैरियर की संभावनाओं से अवगत कराना था। कार्यक्रम का संचालन डॉ. एम.बी. सिंह, उपसंचालक, पशु चिकित्सा सेवाएं, कोण्डागांव के निर्देशानुसार किया गया।

रेबीज रोग पर विस्तृत जानकारी पशु शल्य चिकित्सक डॉ. ढालेश्वरी ने बच्चों को रेबीज रोग के बारे में मानव एवं पशु दोनों संदर्भों में गहराई से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रेबीज एक जानलेवा वायरस जनित रोग है जो संक्रमित कुत्ते, बिल्ली या जंगली जानवर के काटने से फैलता है।बच्चों को यह भी बताया गया कि यदि किसी को कुत्ता काट ले तो घाव को तुरंत साबुन और पानी से धोकर, बिना देरी के पास के स्वास्थ्य केंद्र में जाकर एंटी-रेबीज टीका लगवाना चाहिए। साथ ही पालतू कुत्तों का समय-समय पर टीकाकरण कराना अत्यंत आवश्यक है।

पॉलीथीन प्रदूषण पर जागरूकताद्ृ प्रभारी, मोबाइल वेटरिनरी यूनिट डॉ. दीपिका सिदार ने विद्यार्थियों को बताया कि पॉलीथीन पशुओं के लिए मृत्युतुल्य खतरा बन चुका है। मवेशी कचरे में फेंके गए पॉलीथीन को खा जाते हैं, जिससे उनकी आंतों में रुकावट, अपच, संक्रमण एवं मृत्यु तक की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। उन्होंने बच्चों को अपने परिवेश को पॉलीथीन मुक्त रखने और इसके जैविक विकल्प अपनाने के लिए प्रेरित किया।

कैरियर मार्गदर्शन वेटरिनरी असिस्टेंट सर्जन, प्रभारी पशु चिकित्सालय मर्दापाल डॉ. कोर्राम ने विद्यार्थियों को पशु चिकित्सा विज्ञान में कैरियर के अवसरों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पशुपालन, डेयरी, वेटरिनरी साइंस, फिशरीज आदि क्षेत्र ग्रामीण युवाओं के लिए रोज़गार एवं स्वरोजगार के व्यापक अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने पशुपालन को आत्मनिर्भरता की दिशा में एक सशक्त साधन बताया।

पशु चिकित्सा सेवाए उपसंचालक डॉ. एमबी सिंह ने बताया कि 28 सितम्बर, विश्व रेबीज दिवस के अवसर पर कोण्डागांव ज़िले में निःशुल्क कुत्तों में एंटी रेबीज टीकाकरण अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान सभी पालतू एवं आवारा कुत्तों को वैक्सीन लगाई जाएगी ताकि ज़िले को रेबीज मुक्त बनाया जा सके। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य, शिक्षकगण, छात्र-छात्राएँ एवं विभागीय टीम के सदस्य - डॉ. चंदना (पशु चिकित्सक, एमवीयू) एवं खेमराज (एवीएफओ, एमवीयू) भी उपस्थित रहे। विद्यालय के प्रधानाचार्य उत्तम टोप्पो ने इस आयोजन की सराहना की और इस प्रकार की गतिविधियों को बच्चों के लिए ज्ञानवर्धक और जीवनोपयोगी बताया। यह जागरूकता कार्यक्रम न केवल पशुओं के स्वास्थ्य और कल्याण को लेकर था, बल्कि यह जनस्वास्थ्य, स्वच्छता और पर्यावरणीय चेतना से भी जुड़ा महत्वपूर्ण कदम था।

पशुपालन विभाग द्वारा सभी नागरिकों से अनुरोध किया गया है कि 28 सितम्बर को निकटतम पशु चिकित्सालय में जाकर अपने पालतू कुत्तों को निःशुल्क रेबीज टीका अवश्य लगवाएँ और इस अभियान को सफल बनाने में सहयोग करें।

बेसिक पुलिसिंग ही अपराध नियंत्रण और विवेचना की नींव है - आईजी डॉ. संजीव शुक्ला

मूक पत्रिका/ रायगढ़ - पुलिस महानिरीक्षक बिलासपुर रेंज डॉ0 संजीव शुक्ला ने बीते शुक्रवार को जिला पुलिस कार्यालय रायगढ़ के नियंत्रण कक्ष में जिले के समस्त राजपत्रित अधिकारियों , थाना एवं चौकी प्रभारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक ली। बैठक की शुरुआत उन्होंने 01 जुलाई 2024 से लागू हुये नये कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा के साथ की और कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिये बुनियादी पुलिसिंग की आवश्यकता पर बल दिया। आईजी डॉ. शुक्ला ने कहा कि गृह मंत्रालय एवं राज्य पुलिस मुख्यालय द्वारा नये कानूनों के तहत कार्यों की लगातार समीक्षा की जा रही है तथा पुलिस महानिदेशक महोदय द्वारा भी इसके सफल क्रियान्वयन हेतु स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किये गये हैं। उन्होंने नये कानून के तहत अपराध अनुसंधान में ई-साक्ष्य , क्राइम मैक्स एवं नेट ग्रिड जैसे नवीन डिजिटल उपकरणों के अधिकतम उपयोग की आवश्यकता बताई तथा फॉरेंसिक टीम की साझेदारी को अनिवार्य बताया। बैठक में उन्होंने विगत छह महीनों में रायगढ़ पुलिस के किये गये कार्यों का गहन मूल्यांकन करते हुये उन्होंने कहा कि बेसिक पुलिसिंग ही अपराध नियंत्रण और विवेचना की नींव है और इसके प्रभावी क्रियान्वयन से पुलिसिंग में पारदर्शिता व जवाबदेही सुनिश्चित होती है। उन्होंने अधिकारियों को अधीनस्थों के कार्यों का नियमित मूल्यांकन करने , अच्छा कार्य करने वाले कर्मियों को प्रोत्साहित करने और लापरवाही बरतने वालों पर सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की सिफारिश करने के निर्देश दिये। उन्होंने अनुशासन , तकनीकी दक्षता और जनता से समन्वय पर आधारित एक उत्तरदायी और जनहितकारी पुलिस व्यवस्था की अपेक्षा व्यक्त की। आईजीपी महोदय ने रायगढ़ पुलिस के सीसीटीवी कैमरा अभियान की विशेष रूप से सराहना करते हुये कहा कि यह अभियान नागरिक सहभागिता की मिशाल है और इससे शहरी सुरक्षा को नई दिशा मिल रही है। उन्होंने इसे और अधिक व्यापक बनाने तथा अधिक से अधिक लोगों को सीसीटीवी लगाने के लिये प्रेरित करने के निर्देश दिये। इस महत्वपूर्ण बैठक में पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल , अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आकाश मरकाम , सभी उप पुलिस अधीक्षक , थाना/चौकी प्रभारी एवं शाखा प्रभारी उपस्थित रहे।

फायरिंग रेंज में आईजी ने लगाया पौधा - आईजी डॉ. संजीव शुक्ला समीक्षा बैठक लेने के पश्चात उर्दना स्थित पुलिस फायरिंग रेंज पहुंचे , जहां उन्होंने फायरिंग रेंज परिसर में चल रहे वृक्षारोपण कार्यों का निरीक्षण किया और अभियान की सराहना करते हुये स्वयं भी पौधारोपण किया। एसपी दिव्यांग पटेल ने फायरिंग रेंज में किये जा रहे संरक्षण कार्यों की जानकारी देते हुये बताया लगभग साढ़े चार एकड़ में फैले फायरिंग रेंज को पहले चारों ओर घेराव कर सुरक्षित किया गया है। मवेशियों से पौधों की रक्षा के लिये परिधि पर खुदाई कर मजबूत मेड़ बनाई गई है और सभी पौधों को टी-गार्ड से संरक्षित किया गया है। इस मानसून सत्र में अब तक 800 से अधिक फलदार एवं छायादार पौधे लगाये जा चुके हैं। आईजी डॉ. शुक्ला ने वृक्षारोपण कार्यों की प्रशंसा करते हुये इसे पर्यावरण सरंक्षण की दिशा में एक सराहनीय पहल बताया। उन्होंने फायरिंग रेंज में एक पौधा रोपित कर पर्यावरण संवर्धन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रकट की। इस अवसर पर उनके साथ पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल , अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आकाश मरकाम , नगर पुलिस अधीक्षक अनिल विश्वकर्मा , डीएसपी ट्रैफिक उत्तम प्रताप सिंह , डीएसपी सुशांतो बनर्जी , एसडीओपी खरसिया प्रभात पटेल , एसडीओपी धरमजयगढ़ सिद्धांत तिवारी , आरआई अमित सिंह सहित पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे , जिन्होंने सामूहिक रूप से पौधारोपण में सहभागिता की। बताते चलें फायरिंग रेंज परिसर में यह हरियाली अभियान रायगढ़ पुलिस द्वारा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में किया जा रहा एक ठोस और दीर्घकालिक प्रयास है , जिसे उच्च अधिकारियों से प्रोत्साहन मिलना विभागीय कार्यों के साथ-साथ सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को भी मजबूत करता है।

नदी में बहे दूसरे युवक का मिला शव

पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर पंचनामा कार्यवाही की गई

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

थाना बारसूर क्षेत्रांतर्गत ग्राम मंगनार में दिनांक 08.07.2025 को साप्ताहिक बाजार मंगनार से बाजार करके बोधघाट मंगनार देवगुड़ी पारा से नाव में वापस मंगनार जा रहे दो ग्रामीण महेश ओयामी पिता बत्ताराम ओयामी उम्र करीबन 15-16 वर्ष जाति मुरिया निवासी ओयामीपारा मंगनार एवं जग्गु लेकामी पिता बुधराम उम्र करीबन 18 वर्ष जाति मुरिया निवासी ठेठापारा मंगनार, इन्द्रावती नदी और गुडरा नाला के बीच संगम में नाव पलटने से पानी में गिर गए थे। इनमें से महेश ओयामी इन्द्रावती नदी के बीच पत्थर में फस गया था जबकि जग्गु लेकामी पानी में बह गया था। जिसकी सूचना ग्रामीणों द्वारा मिलने पर दिनांक 09.07.2025 को थाना बारसूर पुलिस, होम गार्ड एवं डीआरजी बल के साथ ग्राम मंगनार पहुंचकर नदी के बीच धार में पत्थर पर फंसे हुए महेश ओयामी को सफलता पूर्वक रेस्क्यु कर सुरक्षित बाहर निकाला।

ग्रामीण जग्गु लेकामी पिता बुधराम लेकामी लापता था जिसकी पता तलाश स्थानीय ग्रामीण और पुलिस द्वारा किया जा रहा था कि आज दिनांक 11.07.2025 को स्थानीय ग्रामीणों से सूचना मिली कि घटना स्थल से करीब 4 किलोमीटर आगे की ओर नदी में पत्थर में उक्त लापता ग्रामीण का शव फंसा हुआ है जिसे मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों के सहयोग से निकाला गया और पंचनामा कार्यवाही करके अंतिम संस्कार हेतु परिजनों के सुपुर्द किया गया।

एनएमडीसी डीएवी पॉलीटेक्निक दंतेवाड़ा में एआई पर कार्यशाला आयोजित – युवाओं को मिली नई तकनीक की जानकारी

मूक पत्रिका/ दंतेवाड़ा - कृत्रिम बुद्धिमत्ता आज के युग की एक अत्यंत महत्वपूर्ण और उभरती हुई तकनीक है, जो दुनिया भर में हर क्षेत्र को प्रभावित कर रही है। इसी संदर्भ में एनएमडीसी डीएवी पॉलीटेक्निक, दंतेवाड़ा में विद्यार्थियों के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का समन्वय जिला रोजगार कार्यालय, दंतेवाड़ा द्वारा किया गया।

कार्यशाला में ऑपगुरु के सह-संस्थापक ईशान जैन बतौर अतिथि वक्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मुकेश ठाकुर के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने कॉलेज की उपलब्धियों के साथ-साथ एआई तकनीक की वर्तमान प्रासंगिकता और भविष्य की संभावनाओं पर प्रकाश डाला।

अतिथि वक्ता ईशान जैन ने एआई के विभिन्न पहलुओं पर विद्यार्थियों से संवाद किया और उन्हें आसान एवं व्यावहारिक उदाहरणों के

माध्यम से इस तकनीक की बुनियादी समझ दी। उन्होंने छात्रों को,द्ध से संबंधित कुछ प्रारंभिक तकनीकी प्रशिक्षण भी प्रदान किया, जिससे वे इस क्षेत्र में आगे प्रशिक्षण लेने के लिए प्रेरित हो सकें।

इस अवसर पर जिला रोजगार अधिकारी ने भी उपस्थित युवाओं को संबोधित करते हुए शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी दी, जिनका उद्देश्य खासकर ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को कौशल आधारित शिक्षा प्रदान कर उन्हें सशक्त बनाना है।

कार्यशाला के अंत में प्रतिभागियों ने अतिथि वक्ता से एआई से जुड़े प्रश्न पूछे और जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। अंत में प्राचार्य डॉ. ठाकुर ने ईशान जैन और जिला प्रशासन दंतेवाड़ा का आभार व्यक्त किया तथा भविष्य में इस तरह के और तकनीकी कार्यक्रम आयोजित करने की इच्छा व्यक्त की।

यह कार्यशाला न केवल विद्यार्थियों को एआई जैसे जटिल विषय से परिचित कराने में सफल रही, बल्कि उनमें तकनीकी कौशल सीखने की नई ऊर्जा भी संचारित की।

नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती पायल गुप्ता ने विश्व जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़े रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

मूक पत्रिका/ दंतेवाड़ा - विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर जनसंख्या नियंत्रण एवं परिवार नियोजन के महत्व को लेकर विश्व जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़ा का शुभारंभ आज नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती पायल गुप्ता द्वारा हरी झंडी दिखाकर प्रचार रथ को रवाना कर किया गया। उन्होंने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयासों से आमजन में जागरूकता बढ़ेगी और स्वस्थ समाज की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया जा सकेगा।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अजय रामटेके ने बताया कि 11 जुलाई से 18 जुलाई 2025 तक चलने वाले इस पखवाड़े के दौरान जिलेभर में विभिन्न माध्यमों से जनसंख्या नियंत्रण के प्रति लोगों को जागरूक किया जाएगा। इसमें बैनर, पोस्टर, ऑडियो संदेशों और प्रचार रथों के जरिए जानकारी दी जाएगी।

उन्होंने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत अस्थाई परिवार नियोजन साधनों ङ्क कॉपर-टी, अंतरा इंजेक्शन, निरोध (कंडोम) एवं छाया टैबलेट का वितरण किया जाएगा। यह साधन दंपत्तियों को बच्चों के जन्म में उचित अंतर रखने में मदद करेंगे। साथ ही, जो हितग्राही अपनी इच्छा से स्थायी साधन (नसबंदी) को अपनाना चाहते हैं, उन्हें भी समुचित सुविधा और मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा। डॉ. रामटेके ने यह भी जानकारी दी कि जिले के सभी स्वास्थ्य केन्द्रों में ये अस्थाई साधन उपलब्ध हैं और स्वास्थ्य कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों को जागरूक करेंगे। इसके अलावा स्थानीय समुदायों में विशेष जागरूकता शिविर, परामर्श सत्र और प्रदर्शनियों का आयोजन भी किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल जनसंख्या स्थिरीकरण है, बल्कि लोगों को यह संदेश देना है कि ÷माँ बनने की सही उम्र वही है, जब शरीर और मन दोनों इसके लिए पूरी तरह तैयार हों। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के कई अधिकारी, कर्मचारी, तथा स्वास्थ्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

स्टॉप डायरिया 2025 अभियानफ्र के सघन संचालन, शुद्ध जल और स्वच्छता को लेकर प्रशासन की प्रभावी कार्रवाई

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

जिला प्रशासन द्वारा बारिश के मौसम में जल जनित बीमारियों, विशेष रूप से डायरिया की रोकथाम के उद्देश्य से ÷स्टॉप डायरिया 2025 अभियान÷ का सघन संचालन शुरू किया गया है। सघन जंगलों और पहाड़ी इलाकों से घिरे इस आदिवासी क्षेत्र में नमी और बारिश के कारण पेयजल स्त्रोतों के दूषित होने की आशंका रहती है, जिससे डायरिया जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इन्हीं परिस्थितियों को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा समय रहते जनहित में यह पहल शुरू की गई है।

जल जीवन मिशन परियोजना के अंतर्गत, कलेक्टर एवं जिला जल एवं स्वच्छता मिशन के अध्यक्ष कुणाल दुदावत के निर्देश पर, कार्यपालन अभियंता निखिल कंवर के नेतृत्व में जिले भर में अभियान का संचालन किया जा रहा है। राज्य कार्यालय से प्राप्त निर्देशों के आधार पर जिले के सभी विकासखंडों की ग्राम पंचायतों में सामुदायिक सहभागिता से यह अभियान ÷स्वच्छ गांव, शुद्ध जल ङ्क बेहतर कल÷ थीम पर केंद्रित किया गया है।

अभियान के तहत सभी ग्रामों, स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों, आश्रम शालाओं एवं स्वास्थ्य संस्थाओं में शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के हैंडपंप टेक्नीशियन और दैनिक वेतनभोगी

कर्मचारियों द्वारा समस्त पेयजल स्त्रोतों, पानी टंकियों की हाइपोक्लोराइड से सफाई एवं क्लोरिनेशन का कार्य किया गया है। वहीं, एफ्टीके किट के माध्यम से ग्राम जल बहिनियों द्वारा जल की गुणवत्ता की जांच नियमित रूप से की जा रही है। साथ ही जिला स्तरीय प्रयोगशाला में पेयजल स्त्रोतों के नमूनों का केमिकल और बैक्टीरियोलॉजिकल परीक्षण भी किया जा रहा है।

उल्लेखनीय है किइस अभियान को स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास, शिक्षा और एनआरएलएम विभाग के समन्वय से संचालित किया जा रहा है। बरसात के मौसम में जल जनित बीमारियों से निपटने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सजग है। आम नागरिकों की पेयजल समस्याओं के समाधान हेतु राज्य स्तर पर कंट्रोल रूम की स्थापना की गई है तथा टोल फ्री नंबर 18002330008 जारी किया गया है, जिस पर कोई भी व्यक्ति अपनी शिकायत दर्ज करवा सकता है।

जिले में दो विशेष संधारण वाहन संचालित किए जा रहे हैं, जो हैंडपंपों के संधारण, क्लोरिनेशन और आवश्यकता अनुसार राइजर पाइप के बदलाव का कार्य कर रहे हैं। सरपंचों और ग्रामीणों के सहयोग से यह कार्य और भी प्रभावी हो रहा है, जिससे स्वच्छता और जल संरक्षण को लेकर ग्रामीणों में जागरूकता बढ़ रही है।

खंड, उपखंड और विकासखंड स्तर पर कंट्रोल रूम की स्थापना के साथ-साथ जिला स्तर पर अधिकारियों की बैठक आयोजित कर कार्यपालन अभियंता द्वारा सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि शुद्ध पेयजल आपूर्ति में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। हर विकासखंड में नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई है, जो शिकायतों के त्वरित निवारण और कार्य की निगरानी सुनिश्चित कर रहे हैं।

इसके साथ ही जल जीवन मिशन योजना भी जिले में तीव्र गति से प्रगति कर रही है, जिसके माध्यम से ग्रामीणों को घर पर ही शुद्ध पेयजल प्राप्त हो सकेगा। अभियान के अंतर्गत जिला समन्वयक शिल्पी शुक्ला और अंकिता सिंह द्वारा समस्त ग्रामों में जनजागरूकता कार्यक्रम, जल गुणवत्ता परीक्षण और सतत निगरानी का कार्य प्रभावी ढंग से किया जा रहा है।

÷स्टॉप डायरिया 2025÷ अभियान केवल एक स्वास्थ्य सुरक्षा कार्यक्रम नहीं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता और सुरक्षित जल के प्रति जनचेतना का सशक्त प्रयास है। प्रशासन की इस पहल से जिले में डायरिया की रोकथाम के साथ-साथ जल संरक्षण और स्वच्छता को लेकर एक सशक्त जन आंदोलन खड़ा होता दिख रहा है।

वंतिका, पद्मिनी, नंधिधा दूसरे राउंड में, हम्पी और हारिका भी खेलेंगी दूसरा राउंड

बातुमी , जॉर्जिया, एजेंसी। फीडे विश्व महिला कप 2025 के पहले राउंड के दूसरे मुकाबलों में भारत की तीन प्रमुख महिला शतरंज खिलाड़ियों - इंटरनेशनल मास्टर वंतिका अग्रवाल, आईएम पद्मिनी राऊत और महिला ग्रांड मास्टर नंधिधा पी वी - ने शानदार जीत दर्ज करते हुए दूसरे राउंड में प्रवेश कर लिया है । वहीं प्रियंका के ने हंगरी की महिला ग्रांड मास्टर गाल झोका को हराकर टाईब्रेक में प्रवेश कर दिया है । महिला ग्रांड मास्टर किरण मनीषा मोहंती पहले राउंड में बाहर होने वाली एकमात्र भारतीय रहीं। वंतिका अग्रवाल ने तुर्कमेनिस्तान की लाला शोहरादोवा के विरुद्ध मुकाबला महज 27 चालों में समाप्त कर दिया, जब लाला ने एक चाल में अपने मोहरे की बलि दे दी। नंधिधा ने इक्वाडोर की अनाही ओर्तिज वर्देजोतो को हराया, जिन्होंने महत्वपूर्ण मौके पर एक चाल में स्थिति गंवा दी और मुकाबला गवां बैठीं। भारत की पाँच बार की राष्ट्रीय विजेता पद्मिनी राऊत ने चीन की झांग लनलिन के खिलाफ सिसिलियन नजडोर्फ में लगातार दूसरे मुक़ाबले में अपना हाथी कुर्बान करते हुए जीत दर्ज की । वहीं महिला ग्रांड मास्टर प्रियंका के ने अपने करियर की सबसे बड़ी जीतों में से एक दर्ज करते हुए हंगरी की शीर्ष खिलाड़ी गाल झोका को हराया और मैच को टाईब्रेक तक खींच लिया।दूसरे राउंड में भारत की दो खिलाड़ी एक-दूसरे से टकराएंगी जब ग्रांड मास्टर हरिका द्रोणावल्ली का मुकाबला नंधिधा पी वी से होगा। वहीं अन्य मुकाबलों में जीएम कोनेरु हम्पी का सामना उज्बेकिस्तान की डब्ल्यूआईएम अफरूजा खमदामोवा से होगा, आईएम पद्मिनी राऊत का सामना जीएम अलेक्ज़ेंड्रा कोस्टेनियुक (स्विट्ज़रलैंड) से होगा, आईएम दिव्या देशमुख का मुकाबला जॉर्जिया की डब्ल्यूएफएम केसारिया मेलाड्जे से होगा और वंतिका अग्रवाल का सामना पूर्व विश्व चैम्पियन जीएम अन्ना उशेनीना (यूक्रेन) से होगा।

गोला फेंक खिलाड़ी जैस्मिन अस्थाई रूप से निलंबित, डोप टेस्ट में विफल रहने पर हुई कार्रवाई

नई दिल्ली , एजेंसी। इस साल की शुरुआत में देहरादून में हुए राष्ट्रीय खेलों में 15.97 मीटर के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ स्वर्ण पदक जीतने वाली 22 वर्षीय जैस्मिन का टरबुटेलाइन के लिए परीक्षण पॉजिटिव आया है जो आमतौर पर खांसी की दवाई में पाया जाता है। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने भारतीय गोला फेंक खिलाड़ी जैस्मिन कौर को डोप परीक्षण में विफल होने के कारण अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है। यह जानकारी अस्थायी निलंबन के तहत रखे गए खिलाड़ियों की नवीनतम सूची से मिली है। इस साल की शुरुआत में देहरादून में हुए राष्ट्रीय खेलों में 15.97 मीटर के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ स्वर्ण पदक जीतने वाली 22 वर्षीय जैस्मिन का टरबुटेलाइन के लिए परीक्षण पॉजिटिव आया है जो आमतौर पर खांसी की दवाई में पाया जाता है। पंजाब की इस खिलाड़ी ने पिछले साल अंतर विश्वविद्यालय खेलों में 14.75 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ दूसरा स्थान भी हासिल किया था। इस बीच अंडर-20 विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता पहलवान नितिका पर चार साल का प्रतिबंध लगाया गया है जो पिछले साल 28 मई से प्रभावी है।

देविशा के साथ विंबलडन मैच देखने पहुंचे सूर्यकुमार, बुमराह-संजना ने भी लगाया ग्लैमर का तड़का

लंदन, एजेंसी। भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव पत्नी देविशा के साथ विंबलडन मैच देखने पहुंचे, जबकि जसप्रीत बुमराह ने भी पत्नी संजना के साथ विंबलडन का मैच देखा। इन दोनों की तस्वीरें विंबलडन ने सोशल मीडिया पर साझा की हैं। सबसे बड़ा ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट विंबलडन धीरे-धीरे अपने अंजाम तक पहुंचने जा रहा है। पुरुष और महिला एकल के सेमीफाइनल मुकाबलों की आज से शुरुआत हो जाएगी। इस टूर्नामेंट में फिल्म और खेल जगत के कई सितारों ने ग्लैमर का तड़का लगाया। एंड्रयू गारफिल्ड और टॉम हॉलैंड से लेकर ब्रायन लारा और विराट कोहली तक इस टूर्नामेंट में शिरकत कर चुके हैं। अब बुधवार को भारत के दो और स्टार क्रिकेटर्स विंबलडन का मुकाबला देखने पहुंचे। भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव पत्नी देविशा के साथ विंबलडन मैच देखने पहुंचे, जबकि जसप्रीत बुमराह ने भी पत्नी संजना के साथ विंबलडन का मैच देखा। इन दोनों की तस्वीरें विंबलडन ने सोशल मीडिया पर साझा की हैं। सूर्यकुमार हर्निया की सर्जरी के लिए यूरोप गए थे।

जर्मनी में उनकी सर्जरी हुई थी। इसके बाद वह पत्नी के साथ क्रिकेट से ब्रेक का आनंद ले रहे हैं। इसी कड़ी में वह इंग्लैंड पहुंचे। वहीं, बुमराह भारतीय टीम के साथ इंग्लैंड दौरे पर हैं। विंबलडन ने सूर्यकुमार और बुमराह का आभार भी जताया है। अब तक क्रिकेट जगत से कुल 11 सितारे विंबलडन 2025 के मुकाबले देखने पहुंच चुके हैं। इससे पहले क्रिकेट जगत से दीपक चाहर पत्नी जया भारद्वाज के साथ विंबलडन देखने पहुंचे थे। वहीं, विराट कोहली ने भी पत्नी अनुष्का के साथ विंबलडन का मुकाबला देखा था। वहीं, इंग्लैंड के सुपरस्टार जो रूट भी पत्नी कैरी कॉटरेल और जेम्स एंडरसन पत्नी डैनिएला लॉयड के साथ विंबलडन देखने पहुंचे थे। वहीं, महान ब्रायन लारा भी इसमें हाजिरी लगा चुके हैं। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स भी भारत और इंग्लैंड के बीच जारी टेस्ट सीरीज से समय निकालकर विबंलडन का लुत्फ उठाने पहुंचे। उनके साथ उनकी पत्नी क्लेयर रैटक्लिफ भी नजर आईं। भारतीय टीम के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत भी विंबलडन मैच देखने पहुंचे। इस दौरान वह सूट-बूट में नजर आए।

जोकोविच रिकॉर्ड 14वीं बार सेमीफाइनल में पहुंचे, कोबोली को कठिन मैच में हराया

लंदन, एजेंसी। पुरुष एकल के सेमीफाइनल में जोकोविच का सामना सिनर से और कार्लोस अल्काराज का सामना टेलर फ्रिट्ज से होगा। महिला एकल के पहले सेमीफाइनल में अरिना सबालेंका का सामना अमांडा एनिसिमोवा से और दूसरे सेमीफाइनल में बेलिंडा बेनचिच का सामना इगा स्वियातेक से होगा। सर्बिया के नोवाक जोकोविच विंबलडन के पुरुष एकल के सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में 22वीं वरीयता प्राप्त फैबियो कोबोली को मुश्किल मुकाबले में 6-7, 6-2, 7-5, 6-4 से हराया। यह जोकोविच का विंबलडन में रिकॉर्ड 14वां सेमीफाइनल होगा। इस टूर्नामेंट में उनसे ज्यादा सेमीफाइनल मैच किसी ने नहीं खेला है। जोकोविच की नजर आठवीं बार विंबलडन जीतकर रोजर फेडरर की बराबरी करने पर है। सेमीफाइनल में जोकोविच का सामना विश्व नंबर एक यानिक सिनर से होगा। सिनर ने क्वार्टर फाइनल में बेंजामिन शेल्टन को 7-6, 6-4, 6-4 से हराया। वहीं, पुरुष एकल के दूसरे सेमीफाइनल में कार्लोस अल्काराज का सामना टेलर फ्रिट्ज से होगा। अल्काराज कैम नॉरी को 6-2, 6-3, 6-3 से हराकर और फ्रिट्ज खाचानोव को 6-3, 6-4, 1-6, 7-6 से हराकर सेमीफाइनल में पहुंचे।

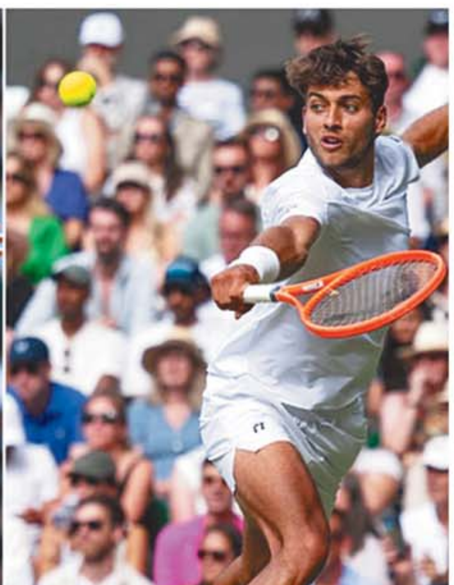

सैमसोनोवा को हराकर पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचीं इगा स्वियातेक

लंदन, एजेंसी। पोलैंड की इगा स्वियातेक ने बुधवार को रूस की लुडमिला सैमसोनोवा को सीधे सेटों में 6-2, 7-5 से हराकर पहली बार विंबलडन के सेमीफाइनल में जगह बनाई।

नंबर 1 कोर्ट पर खेलते हुए, पांच बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने पहली बार मेजर क्वार्टर फाइनलिस्ट सैमसोनोवा के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया। 19वीं वरीयता प्राप्त पोलैंड की स्वियातेक ने रूसी खिलाड़ी पर 1 घंटा 49 मिनट तक चले मुकाबले में जीत दर्ज की। यह उनकी सैमसोनोवा के खिलाफ लगातार 5वीं जीत है। विश्व नंबर एक खिलाड़ी के रूप में 125 सप्ताह बिताने वाली इगा स्वियातेक चार ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चौथी सक्रिय खिलाड़ी बन गई हैं। उनके अलावा इस सूची में सबालेंका, विक्टोरिया अजारेंका और कैरोलिना प्लिसकोवा शामिल हैं।

स्वियातेक ने चार खिताब फ्रेंच ओपन की लाल मिट्टी पर और एक यूएस ओपन की हार्ड कोर्ट पर जीता है। उन्होंने ऑस्ट्रेलियन ओपन के हार्ड कोर्ट पर भी दो बार सेमीफाइनल तक का सफर तय किया है। हालांकि, ऑल इंग्लैंड क्लब की घास वाली को?र्ट पर उनके लिए अब तक सबसे मुश्किल साबित हुई। 23 साल की पोलैंड की खिलाड़ी इस साल घास पर अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं। इस साल इस सतह पर उनका रिकॉर्ड 8-1 है। उनका पिछला सर्वश्रेष्ठ विंबलडन परिणाम 2023 में क्वार्टर फाइनल में पहुंचना था। वह 2015 में एग्निज्का राडवांस्का के बाद विंबलडन सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली पोलिश महिला खिलाड़ी बन गईं। विश्व की नंबर 1 खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने जर्मनी की लौरा सीगेमंड की कड़ी चुनौती को परास्त कर महिला एकल सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली। एक अन्य मुकाबले में, अमांडा अनिसिमोवा ने क्वार्टर फाइनल में अनास्तासिया पाव्लुचेनकोवा को 6-1, 7-6(9) से हराकर अंतिम चार में जगह पक्की कर ली।

हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना की अगुआई में भारत ने खत्म किया 19 साल का सूखा

पहली बार इंग्लैंड से जीती महिला टी20 सीरीज

नई दिल्ली, एजेंसी। हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली भारतीय महिला टीम ने 9 जुलाई 2025 की रात 2 बजे इंग्लैंड के मैनचेस्टर में इतिहास रचा। भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ पहली बार महिला टी20 सीरीज जीती। भारत ने मैनचेस्टर के एमिरेट्स ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान पर खेले गए मैच में इंग्लैंड को 6 विकेट से हराया। इसके साथ ही उसने 5 मैच की सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त बनाई और इतिहास रचा।

सीरीज का अंतिम टी20 मैच शनिवार 12 जुलाई 2025 को बर्मिंघम में खेला जाएगा। इससे पहले भारत ने 2006 में डर्बी में खेले गए एकमात्र टी20 मैच में इंग्लैंड को हराया था। उसके बाद से भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू और विदेशी धरती पर खेली गई हर महिला टी20 सीरीज (कुल 6 श्रृंखला) में हारती रही थी। इस तरह भारत ने 19 साल का सूखा खत्म किया।

शैफाली वर्मा–स्मृति मंधाना की ताबड़तोड़ शुरुआत

भारत की शानदार जीत में उसकी स्पिनर्स ने अहम भूमिका निभाई। राधा यादव (2/15), श्री चरणी (2/30) और दीप्ति शर्मा (1/29) ने 5 विकेट लिए और मेजबान टीम को 20 ओवर में 7 विकेट पर 126 रन पर रोक दिया। इसके बाद सलामी बल्लेबाज शैफाली वर्मा (31 रन, 19 गेंद) और स्मृति मंधाना (32 रन, 31 गेंद) ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए पहले विकेट के लिए 7 ओवर में 56 रन की साझेदारी करके जीत की नींव रखी। भारत ने 18 गेंद शेष रहते 17 ओवर में 4 विकेट पर 127 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। राधा यादव प्लेयर ऑफ द मैच चुनी गईं।

इंग्लैंड की धीमी पारी

इंग्लैंड ने अपने 20 ओवर्स में 8 चौके और 3 छक्के लगाए। दूसरी ओर, भारत ने 10 चौके की मदद से 5 ओवर्स में ही 50/0 का स्कोर बना लिया था। इसके बाद मेजबानों ने रन-फ्लो रोकने में कामयाबी हासिल की और अगली 24 गेंद में सिर्फ 20 रन दिए भारत की दोनों ओपनर्स (शैफाली वर्मा और स्मृति मंधाना) को पवेलियन भेज दिया। एक समय ऐसा भी आया जब भारत की स्थिति थोड़ी निराशाजनक लग रही थी।आवश्यक रन-रेट एक गेंद पर एक रन के करीब पहुंच रहा था, लेकिन हरमनप्रीत कौर और जेमिमा रोड्रिग्स ने शुरुआत में सिंगल्स लेकर क्रीज पर नजरें टिकाईं। फिर कुछ बड़े ओवर आए जहां उन्होंने 22 रन बनाकर लगभग मैच अपने पाले में पक्का कर लिया।

दस दिन से पहले पोलैंड रेस फतह कर जॉन ग्वाइट ने रचा इतिहास, बनाया भारत का नया साइकिलिंग रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के अल्ट्रा-एंड्योरेंस साइकिलिस्ट जॉन ग्वाइट ने 3,600 किलोमीटर लंबी रेस अराउंड पोलैंड बिना किसी मदद के अकेले 9 दिन 21 घंटे में पूरी कर नया राष्ट्रीय कीर्तिमान स्थापित किया। उन्होंने 274 घंटे के पुराने रिकॉर्ड को तोड़ा और 31,000 मीटर ऊंचाई वाले चुनौतीपूर्ण रास्तों को पार किया।

भारत के अल्ट्रा-एंड्योरेंस साइकिलिस्ट जॉन ग्वाइट ने इतिहास रचते हुए दुनिया की सबसे चुनौतीपूर्ण साइकिलिंग स्पर्धाओं में से एक रेस अराउंड पोलैंड (आरएपी) को 10 दिनों से भी कम समय में पूरा कर नया राष्ट्रीय कीर्तिमान रच डाला। ग्वाइट ने कई बाधाओं को पार करते हुए 3,600 किलोमीटर की दूरी 237 घंटे में पूरी की। उन्होंने इसके लिए कुल नौ दिन और 21 घंटे का समय लिया है। ग्वाइट ने रेस पूरी करके 274 घंटे के पिछले भारतीय रिकॉर्ड को तोड़ा। वह 10 दिन से कम में इस रेस को पूरा करने वाले देश के पहले साइकिलिस्ट हैं।

ग्वाइट ने अन्य प्रतिभागियों की तरह अकेले और बिना किसी सहायता के प्रतिस्पर्धा की। रेस के दौरान साइकिलिस्टों को कोई टीम कार या कोई बाहरी सहायता नहीं दी गई थी। यह रेस इस वजह से भी कठिन हैं, क्योंकि रेस में दुर्गम रास्तों से

गुजरते हुए 31 हजार मीटर की ऊंचाई तक जाना होता है। यह रेस एक अन्य कठिन साइकिलिंग स्पर्धा रेस अक्रॉस अमेरिका के लिए एक क्वालिफायर इवेंट भी है।ग्वाइट ट्रांस हिमालयन रेस को 62 घंटे में पूरा कर चुके हैं। उन्होंने कश्मीर से कन्याकुमारी तक दूरी भी पार की है। पेरिस से ब्रेस्ट और पेरिस की 1229 किलोमीटर की दूरी को उन्होंने 59 घंटे 29 मिनट में पूरा किया।

पीएसजी फीफा क्लब विश्व कप के फाइनल में, रियल मैड्रिड को 4-0 से हराया, रुईज ने दागे दो गोल

ईस्ट रदरफोर्ड, एजेंसी।इसी साल यूएफा चैंपियंस लीग जीतने वाली पीएसजी की टीम ने रियल मैड्रिड को पूरे मैच में वापसी करने का मौका नहीं दिया। रुईज ने छठे और 24वें मिनट में दो गोल दागे। इसके अलावा डेम्बेले और रामोस ने एक-एक गोल किया।

पीएसजी की टीम फीफा क्लब विश्व कप के फाइनल में पहुंच गई है। उसने सेमीफाइनल में स्पेन की दिग्गज फुटबॉल क्लब रियल मैड्रिड को 4-0 से हरा दिया। पीएसजी के लिए फैबियन रुईज ने सबसे ज्यादा दो गोल किए। अब फाइनल में पीएसजी का सामना चेल्सी से होगा। चेल्सी ने फ्लूमिनेंस को हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई थी। फाइनल मुकाबला ईस्ट रदरफोर्ड के मेटलाइफ स्टेडियम में खेला जाएगा। यह मुकाबला भारतीय समयानुसार 14 जुलाई को रात साढ़े 12 बजे शुरू होगा।

पीएसजी की मैड्रिड पर एकतरफा जीत

इसी साल यूएफा चैंपियंस लीग जीतने वाली पीएसजी की टीम ने रियल मैड्रिड को पूरे मैच में वापसी करने का मौका नहीं दिया। टीम ने शुरू में स्पैनिश जायंट्स पर पकड़ बना ली थी। मैच के छठे मिनट में ही रुईज ने गोल दाग पीएसजी को 1-0 की बढ़त दिला दी। फिर डेम्बेले ने नौवें मिनट में गोल दाग बढ़त को दोगुना कर दिया। शुरुआती 10 मिनट में ही दो गोल खाने के बाद रियल मैड्रिड की टीम सकपका गई। टीम ने आक्रमण करने की कोशिश की, लेकिन काफी मौके गंवाए। रुईज ने फिर 24वें मिनट में गोल दाग पीएसजी को 3-0 से आगे कर दिया। हाफ टाइम तक पीएसजी की टीम 3-0 से आगे रही। हाफ टाइम के बाद पीएसजी ने डिफेंस पर ज्यादा ध्यान दिया। मैड्रिड की टीम चाह कर भी कुछ नहीं कर सकी। 87वें मिनट में गोंकालो रामोस ने गोल दागा और पीएसजी को 4-0 से आगे कर दिया और साथ ही टीम की लगभग जीत सुनिश्चित कर दी।

पेड्रो के दो गोल से चेल्सी 13 साल बाद फाइनल में

इससे पहले यूरोपीय क्लब चेल्सी 13 साल बाद क्लब विश्व कप के फाइनल में पहुंच गया। क्लब ने सेमीफाइनल में पिछली बार की उपविजेता फ्लूमिनेंस को 2-0 से मात दी। इस मैच के हीरो 23 साल के जाओ पेड्रो रहे जिन्होंने चेल्सी के लिए पहली बार गोल किए। दोनों गोल उन्हीं के नाम रहे। उन्होंने पहले हाफ में 18वें मिनट पर पहला गोल दागा। वहीं, 56वें मिनट पर एंजो फर्नांडिस की मदद से वह दूसरा गोल करने में सफल रहे। यह पहली बार हुआ है जब किसी खिलाड़ी ने इस टूर्नामेंट में अपने पुराने क्लब (2019-2020) के खिलाफ गोल दागा है। अब चेल्सी की नजरें पहले खिताब पर होंगी क्योंकि 2012 में वह पहली बार क्लब विश्वकप के फाइनल में पहुंचकर भी ब्राजील के क्लब कुरिन्थियों से हार गया था।

कार्लो एंसेलोटी के बेटे डेविड बने बोटाफोगो के कोच

ब्राजील के क्लब बोटाफोगो ने ब्राजील राष्ट्रीय टीम के कोच कार्लो एंसेलोटी के बेटे को अपना नया मैनेजर नियुक्त किया है। 35 वर्षीय डेविड एंसेलोटी को 2026 तक का अनुबंध दिया गया है। यह उनका पहला पूर्णकालिक कोचिंग अनुबंध है। बोटाफोगो के मालिक जॉन टेक्स्टर ने क्लब विश्वकप में टीम के अंतिम-16 से बाहर होने के बाद पूर्व कोच रेनाटो पाइवा को निकाल दिया था।

वरिष्ठ आरक्षकों के लिए कैप्सूल कोर्स प्रशिक्षण कार्यशाला के तृतीय दिवस एसएसपी बेमेतरा हुए शामिल

वरिष्ठ आरक्षकों को विवेचना दायित्व सौंपने से पूर्व कानूनी प्रशिक्षण

बेमेतरा/मूक पत्रिका

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बेमेतरा रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) के निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती ज्योति सिंह के मार्गदर्शन में पुलिस कार्यालय स्थित मीटिंग हॉल में वरिष्ठ आरक्षकों हेतु एक सप्ताह की कैप्सूल कोर्स प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण के तृतीय दिवस पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बेमेतरा रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) ने कार्यशाला में शामिल होकर प्रशिक्षुओं को मार्गदर्शन प्रदान किया। एसएसपी बेमेतरा रामकृष्ण साहू ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारतीय न्याय संहिता 2023 में पारदर्शिता, जवाबदेही एवं समयबद्ध न्याय सुनिश्चित करने हेतु अनेक महत्वपूर्ण प्रावधान जोड़े गए हैं। उन्होंने विशेष रूप से अपराध स्थल के निरीक्षण, प्रथम सूचना रिपोर्ट, नक्शा, फोटोग्राफी-वीडियोग्राफी एवं साक्ष्य संकलन की प्रक्रिया पर बल दिया और कहा कि समाज को सुरक्षित व सुव्यवस्थित बनाए रखने में पुलिस की जिम्मेदारी अहम है।उन्होंने वरिष्ठ

आरक्षकों से कहा कि वे अपने कर्तव्यों का निर्वहन निष्ठा, ईमानदारी एवं टीम भावना से करें, और आमजन के साथ सद्भाव पूर्ण व्यवहार बनाए रखें। इस प्रशिक्षण कार्यशाला का उद्देश्य है कि क्रमोन्नत वेतनमान मैट्रिक्स-06 प्राप्त वरिष्ठ आरक्षकों को विवेचना कार्य में सक्षम बनाते हुए उन्हें भारतीय न्याय संहिता 2023 के अंतर्गत उल्लेखित अपराधों की बारीकियों से परिचित कराना। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, इन्हें अध्याय 5, 6, 11, 12, 13, 14, 15 एवं 17 के अंतर्गत अपराधों की जांच का दायित्व सौंपा जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान इन सभी अध्यायों के महत्वपूर्ण बिंदुओं पर गहराई से चर्चा की गई, जैसेः अध्याय 5ः महिलाओं एवं बच्चों के विरुद्ध अपराध, अध्याय 6ः मानव शरीर को हानि पहुंचाने वाले अपराध, अध्याय 11-13ः लोक प्रशांति, लोक सेवक से संबंधित अपराध, अध्याय 14ः मिथ्या साक्ष्य व न्याय प्रक्रिया में बाधा, अध्याय 15ः लोक स्वास्थ्य, सुविधा व सदाचार से संबंधित अपराध, अध्याय 17ः संपत्ति संबंधी अपराध के विषय का उल्लेख है, पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य वरिष्ठ आरक्षकों को इन अपराधों की जटिलताओं को समझने और विवेचना के दौरान प्रभावी निर्णय लेने के लिए तैयार करना। इस अवसर पर डीएसपी श्रीमती कौशिल्या साहू, निरीक्षक चंद्रदेव वर्मा, सहित विभिन्न थाना/चौकी से आए वरिष्ठ आरक्षक भी उपस्थित थे।

खेल एवं युवा कल्याण विभाग देगा युवा रत्न सम्मान, 1 लाख, 2.5 लाख तथा 5 लाख तक का पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे

जांजगीर-चांपा /मूक पत्रिका

राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में युवाओं एवं स्वैच्छिक संगठनों द्वारा सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक, साहसिक, शैक्षणिक, खेल एवं अन्य क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 15 से 29 आयु वर्ग के युवाओं को उनकी व्यक्तिगत क्षमता में सुधार तथा समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों को मान्यता देने के उद्देश्य से युवा रत्न सम्मान योजना लागू की गई है। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा युवा कल्याण के विभिन्न क्षेत्र में किए गए अविस्मरणीय कार्य सेवाओं तथा अभिनव प्रयास के लिए सम्मानित करने और उनमें एक अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय कीर्तिमान विकसित करने की दृष्टि से युवा रत्न सम्मान की स्थापना किया गया है। इस कार्य में व्यक्तियों, संगठनों के योगदान को प्रोत्साहित करने मान्यता देने एवं प्रतिष्ठ मंडित करने के उद्देश्य से विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत व्यक्तियों एवं संगठनों को

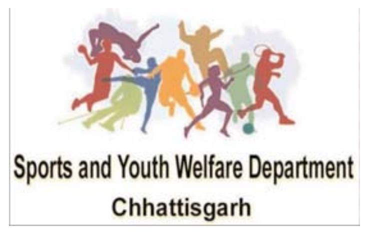

युवा रत्न सम्मान प्रदाय करने का निर्णय लिया गया है। युवा रत्न सम्मान योजना का उद्देश्य राज्य में सामाजिक, संस्कृतिक, साहित्यिक, शैक्षणिक, खेल एवं अन्य क्षेत्र में 15-29 आयु वर्ग के युवाओं एवं स्वैच्छिक संगठनों को प्रेरित करना तथा युवाओं में अपने समुदय के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करना। इस प्रकार अच्छे नागरिक के रूप में उनकी व्यक्तिगत क्षमता में सुधार हो, राष्ट्रीय विकास और समाज सेवा के लिए युवाओं द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यो को मान्यता प्रदान करना, राष्ट्रीय विकास और समाज सेवा के लिए युवाओं के साथ काम करने वाले स्वैच्छिक संगठनों द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों को मान्यता प्रदान करना है। जिला खेल अधिकारी ने बताया कि छत्तीसगढ़ युवा रत्न सम्मान असाधारण एवं विशिष्ट सेवा कार्य के क्षेत्र में दिया जाएगा। जिसके अंतर्गत चयनित युवा को 2 लाख 50 हजार रूपए एवं चयनित संगठन को 5 लाख रूपए की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। इसी तरह युवा रत्न सम्मान अंतर्गत सामाजिक, साहित्य, नवाचार उद्योग, शिक्षा, खेल, पर्यावरण, महिला एवं बाल विकास, मीडिया, स्वास्थ्य, विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी, दिव्यांगजन सशक्तिकरण, कला एवं संगीत सांस्कृतिक, लोककला के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले युवाओं को 1-1 लाख रूपए का पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। अधिक जानकारी के लिए कार्यालय जिला खेल अधिकारी, खेल एवं युवा कल्याण विभाग पुरानी सिंचई कलोनी जांजगीर-चांपा से संपर्क कर सकते हैं।

लीनेश क्लब ग्रुप ने ब्रह्माकुमारीज बेमेतरा में मनाया गुरु पूर्णिमा पर्व

बेमेतरा/मूक पत्रिका

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय बेमेतरा के स्थानीय सेवा केंद्र प्रभु स्मृति भवन में गुरु पूर्णिमा पर्व पर विशेष आयोजन हुआ। लीनेश क्लब की महिला सदस्यों, नगर की प्रमुख महिलाओं तथा जनपद अध्यक्ष हेमा दिवाकर, जिला अध्यक्ष ललिता साहू, जिला उपाध्यक्ष, राजेश्वरी पांडे, सह प्रभारी प्रदेश मीडिया निशा चौबे, सदस्य प्रदेश कार्य समिति लक्ष्मी साहू, जिला मंत्री सावित्री रजक, जिला मंत्री जामिन बन्छौर, अध्यक्ष लीनेश क्लब शशि तिवारी, हेमलता शर्मा, डॉ नेहा वर्मा, ममता साहू, उमेश्वरी साहू, मीनू पटेल, पिंकी जी, नेमा गुप्ता, रानी ठाकुर, शीलु साहू, अनीता साहू, प्रमिला साहू, वर्षा गौतम, आरती साहू , पार्वती दुबे, सुशीला कोसले , निधि दुबे, कल्याणी राव, समस्त महिला बहनों ने गुलदस्ता, टीका, शॉल, भेंट कर, साफा लगाकर पुष्प अर्पित कर बी के शशि बहन जी का सम्मान किया व दीदी जी से आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस दौरान सभी ने मिलकर विश्व शांति व प्रकृति को शांत करने के लिए सामूहिक मेडिटेशन का अभ्यास किया। बी के शशि बहन जी ने ईश्वरीय सौगात भेंट कर ब्रह्मा भोजन का विशेष आयोजन किया तथा गुरु पूर्णिमा का पर्व बड़े हर्षोल्लास से मनाया। ब्रह्माकुमारी शशि दीदी ने गुरु पूर्णिमा का महत्व स्पष्ट करते हुए अपने दिव्य उद्बोधन में कहा कि मनुष्य आत्मा जब जन्म लेती है तो उसका परिवार उसके साथ होता है। फिर भी जीवन में हर मनुष्य आत्मा को गुरु की आवश्यकता होती है। क्योंकि गुरु ही आत्मा को श्रेष्ठ मार्ग पर चलने का मार्गदर्शन प्रदान करता है। लेकिन गुरु से भी ऊपर है सदगुरु, जो आत्मा को गति और सद्गति प्रदान करता है। गुरु पूर्णिमा अर्थात अज्ञानता रूपी अंधियारे को मिटाने वाला सदगुरु जब इस सृष्टि पर अवतरित होता है। तब अज्ञानता रूपी अंधियारा मिटने लगता है, क्योंकि परम सद्गुरु शिव बाबा हम आत्मा को राजयोग द्वारा श्रेष्ठ कर्म का मार्ग बतलाते हैं। जिस राजयोग के पथ पर चलकर आत्मा पूर्णिमा के चांद के समान 16 कला संपूर्ण निर्विकारी बन जाती है। सद्गुरु का हमारे जीवन में बहुत महत्वपूर्ण स्थान है, सद्गुरु शिव बाबा हम सभी को श्रेष्ठ देखना चाहते हैं, वह हम आत्माओं को राजयोग मेडिटेशन का रास्ता दिखाकर हम सभी से गुरु दक्षिणा में पांच विकार मांगते हैं। ललिता साहू ने बताया कि आषाढ़ मास की पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा कहा जाता है। गुरु शब्द में 'गु' का अर्थ अंधकार या अज्ञान और 'रु' का अर्थ प्रकाश होता है। जो व्यक्ति अज्ञान से प्रकाश की ओर ले जाए, वह सद्गुरु कहलाता है। हेमा दिवाकर ने बताया कि गुरु पूर्णिमा का पर्व गुरु की महिमा और उनके मौन ज्ञान को समर्पित है. गुरु का मौन केवल शांति नहीं, बल्कि ईश्वर की सच्ची वाणी होता है. इस दिन शिष्य अपने गुरु के प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हैं और आत्मिक विकास की दिशा में एक नया संकल्प लेते हैं।

राजेश्वरी पांडे ने कहा कि गुरु पूर्णिमा का मूल उद्देश्य ही होता है, गुरु के प्रति श्रद्धा और आत्मा का शुद्धिकरण। प्रतिदिन गुरु ज्ञान से व्यक्ति के आध्यात्मिक उत्थान, साधना में सफलता और चित्त की स्थिरता लाने में सहायक होता है।

निशा चौबे जी ने बताया कि ÷गुरु ब्रह्मा गुरु विष्णु गुरु देवो महेश्वरः, गुरुः साक्षात् परब्रह्म तस्मै श्री गुरवे नमः॥÷ इसका अर्थ है कि गुरु ब्रह्मा, विष्णु और महेश के समान होते हैं. वे ही परम सत्य का मार्ग दिखाते हैं. आइए इस दिन अपने गुरुजनों को प्रणाम करें और उन्हें इस दिन की शुभकामनाएं दें। शशि तिवारी ने गुरु पूर्णिमा की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि गुरु पूर्णिमा का दिव्य आशीर्वाद आपके जीवन को सुख और समृद्धि से भर देता है , गुरु के प्रति कृतज्ञता और श्रद्धा से भरे दिन की सभी को बधाई। गुरु की शिक्षाएं आपको सफलता और पूर्णता की ओर प्रेरित और मार्गदर्शन करें।

सावित्री रजक ने कहा कि गुरु बिना ज्ञान नहीं, जीवन में मान नहीं, गुरु वह दीपक है जो हमारे अज्ञान के अंधकार को दूर करता है, गुरु का ज्ञान हमें जीवन की सच्ची राह दिखाता है, गुरु की कृपा से ही हमें सच्ची शिक्षा मिलती है, गुरु का स्थान भगवान से भी ऊँचा है, गुरु का ज्ञान हमें जीवन में सफलता दिलाता है।

शशि दीदी ने सभी को सोचना क्या जो भी होगा देखा जायेगा गीत पर नृत्य कराया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सामाजिक महिला कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे। आयोजन को अत्यंत सात्विक, आध्यात्मिक एवं प्रेरणास्पद वातावरण में संपन्न किया गया।

पीएम आवास योजना अंतर्गत सुदूर ग्राम बेंगलूर के हितग्राहीयो की समस्या जानने पहुँचा प्रशासन

ग्रामीणों ने मोर गांव मोर पानी अभियान के तहत जल बचाने का लिया संकल्प

बीजापुर/मूक पत्रिका

विकासखंड भैरमगढ़ से बारसूर होते हुए चित्रकूट जाने वाली मार्ग में लगभग 70 किलोमीटर दूरस्थ ग्राम पंचायत बेंगलूर स्थित है। इस ग्राम पंचायत में वर्ष 2024-25 में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत 114 आवास स्वीकृत हुए है। कलेक्टर संबित मिश्रा के निर्देशन एवं सीईओ जिला पंचायत हेमंत रमेश नंदनवार के मार्गदर्शन में आवास निर्माण कार्य में प्रगति लाने जिला पंचायत से शाखा प्रभारी अधिकारियों ने ग्राम पंचायत बेंगलूर पहुंचकर पीएम आवास हितग्राहियों की बैठक ली।बैठक में सरपंच रमली मंडावी की

उपस्थिति में सहायक परियोजना अधिकारी मनीष सोनवानी एवं जिला समन्वयक गंभीर सिंह परिहार ने प्रत्येक हितग्राहियों के आवास की प्रगति की वस्तु स्थिति की जानकारी लेने के साथ तकनीकी पहलुओं एवं राशि आबंटन की संबंधी प्रक्रिया से अवगत कराते हुए निर्माणाधीन आवास को जल्द पूर्ण करने कहा गया। हितग्राहियों को आवास निर्माण में आने वाली समस्याओं को पूछते हुए निराकरण हेतु आवश्यक कार्यवाही की गई। बैठक उपरांत पंचायत परिसर में ग्रामीणों द्वारा मोर गांव मोर पानी अभियान अंतर्गत जल बचाने संकल्प लेते हुए स्वच्छता शपथ भी लिया गया। जिला समन्वयक एसबीएम अमृत साहू ने जल के महत्व को बताते हुए महात्मा गांधी नरेगा एवं स्वच्छ भारत मिशन से प्रत्येक घर सोखता गढ्ढा बनाने को कहा गया। पंचायत परिसर में एक पेड़ मां के नाम थीम पर ग्रामीणों द्वारा पौधे रोपे गए। इस अवसर पर पीएम आवास ग्राम पंचायत नोडल जी पी नाग, ब्लॉक कोआडिनेटर विकास मंडावी, मनकू तेलम, ग्राम पंचायत सचिव सोहन के अलावा ग्रामीण उपस्थित रहे।

थाना चांपा के आरक्षक पद्मराज के विरुद्ध की विभागीय जांच कार्यवाही

42 विभागीय पत्रों को दबाकर उसकी जानकारी थाना प्रभारी को नहीं देना पड़ा महंगा

जांजगीर-चांपा /मूक पत्रिका

पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पांडेय के आने के बाद लगातार अपने कार्यों में लापरवाही बरतने और गलत काम करने वाले पुलिस विभाग के कर्मचारी, आरक्षक, थाना प्रभारियों पर लगातार कार्यवाही कर रहे हैं। इसी कड़ी में आरक्षक पद्मराज जो थाना चांपा में पदस्थापना के दौरान थाना मददगार आरक्षक का कार्य करता था। जिसके द्वारा कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी पुलिस चाम्पा से जारी 42 विभागीय पत्रों को संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारियों को वितरित न कर और थाना प्रभारी चांपा को जानकारी न देकर अनावश्यक अपने पास रखकर कर्तव्य के प्रति घोर लापरवाही पूर्ण आचरण प्रदर्शित करने पर आरक्षक क्रमांक 583 पद्मराज सिंह के विरुद्ध पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा विजय कुमार पाण्डेय द्वारा विभागीय जांच आदेशित की गई।

मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य पर जिला स्तरीय कार्यशाला का सफल आयोजन

जिले में गुणवत्ता प्रमाणन की ओर सशक्त कदम, यूनिसेफ छत्तीसगढ़ की सराहनीय भूमिका

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य विषय पर एक जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन 7 से 11 जुलाई 2025 तक सीएमएचओ कार्यालय के प्रशिक्षण हॉल में किया गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड्स प्रमाणन की तैयारी और स्वास्थ्यकर्मियों की दक्षता में वृद्धि करना रहा। कार्यक्रम में जिले के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और उप स्वास्थ्य केंद्रों से चिकित्सा अधिकारी, आरएमए, स्टाफ नर्स, एएनएम, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी सहित कुल 194 स्वास्थ्य कर्मियों ने सक्रिय भागीदारी की। प्रशिक्षण में सभी कर्मचारियों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा, कार्यप्रवाह,

दस्तावेजीकरण और मातृ-शिशु केंद्रित सेवा प्रावधानों के बारे में विस्तार से मार्गदर्शन प्रदान किया गया। कार्यशाला के संचालन में यूनिसेफ छत्तीसगढ़ की भूमिका अत्यंत सराहनीय रही। स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. गजेंद्र सिंह, डॉ. अक्षय तिवारी एवं तकनीकी टीम ने प्रशिक्षण के विभिन्न सत्रों का सफल संचालन किया। यूनिसेफ की तकनीकी मार्गदर्शन एवं फीडबैक प्रणाली से स्वास्थ्य कर्मियों में आत्मविश्वास का संचार हुआ और सेवा गुणवत्ता के प्रति नई जागरूकता विकसित हुई। कार्यक्रम का सफल नेतृत्व मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अमृत लाल रोहडेलकर, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक बंसोड़, टीकाकरण अधिकारी डॉ. शरद, डॉ. बी.एल. राज, पीडियाट्रिशियन डॉ. दीपक कुमार निराला, जिला कार्यक्रम प्रबंधक सुश्री लता बंजारे, श्रीमती हिना सिन्हा एवं जिला प्रशिक्षण समन्वयक अमित के मार्गदर्शन में किया गया। सभी अधिकारियों ने टीम भावना को बढ़ावा देते हुए प्रतिभागियों को निरंतर सीखते रहने और आगामी राष्ट्रीय मूल्यांकन की तैयारी में जुटने के लिए प्रेरित किया। प्रतिभागियों ने भी इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम को नियमित अंतराल पर आयोजित किए जाने की आवश्यकता जताई।

अपने चुनावी वादे के मुताबिक़ संविदा कर्मचारियों को नियमित करे सरकार- विक्रम मंडावी

नियमितीकरण और वेतनवृद्धि की मांग को लेकर एनएचएम कर्मीयो ने विधायक को सौंपा ज्ञापन

बीजापुर/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ प्रदेश एनएचएम कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों ने विधायक विक्रम मंडावी को 10 सूत्रीय मांगो को लेकर ज्ञापन सौंपते हुए अपनी समस्या से अवगत कराया।कर्मचारियों ने बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत विगत बीस वर्षो से कार्यरत है लेकिन सरकार उनके मांगो पर कोई ध्यान नहीं दे रही है।संघ के लोगों ने आगे बताया कि 20 वर्षों में कई राज्यों में एनएचएम कर्मियों को ग्रेड पे, समान काम समान वेतन, जॉब सुरक्षा, अनुकंपा, मेडिकल बीमा, चिकित्सा अवकाश जैसी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हैं किंतु

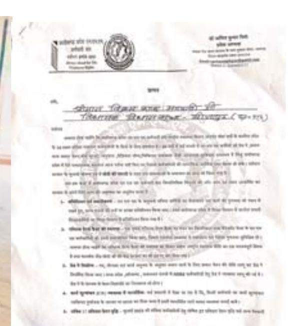

छत्तीसगढ़ प्रदेश में ऐसे सकारात्मक बदलाव आज पर्यन्त नहीं किए गए जिससे कर्मचारियों की सामाजिक आर्थिक दशा बेहतर हो सके। वहीं विधायक विक्रम मंडावी ने एनएचएम संघ के मांगों को जायज बताते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ प्रदेश की सरकार ने अपने चुनावी घोषणा पत्र मोदी की गारंटी में प्रदेश के सभी संविदा कर्मचारियों को नियमित करने का वादा किया था लेकिन आज तक संविदा कर्मचारियों को नियमित करने के नाम पर कोई सुनवाई नही हो रही है। विक्रम मंडावी ने एनएचएम कर्मचारियों सहित प्रदेश के सभी सरकारी विभागों में कार्यरत संविदा कर्मचारियों को अपने चुनावी घोषणा पत्र मोदी की गारंटी में किए गए वादे के अनुसार नियमित करे। विक्रम मंडावी ने यह भी कहा कि प्रदेश के संविदा कर्मचारियों की मांगों को लेकर आने वाले समय में धरना प्रदर्शन भी किया जाएगा। विधायक विक्रम मंडावी को एनएचएम कर्मचारी संघ द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में संविलियन एवं स्थायीकरण, पब्लिक हेल्थ कैडर की स्थापना कर एक पृथक पब्लिक हेल्थ कैडर का गठन कर क्लिनिकल तथा मैनेजमेंट कैडर के एन एच एम कर्मचारियों को इसमें समायोजित करने, ग्रेड पे निर्धारण करने, कार्य मूल्यांकन (सीआर) व्यवस्था में पारदर्शिता लाने, लंबित 27 प्रतिशत वेतन वृद्धि देने, नियमित भर्ती में सीटों का आरक्षण देने, अनुकंपा नियुक्ति देने, मेडिकल एवं अन्य अवकाश की सुविधा देने, शासन के स्थानांतरण नीति का लाभ दिए जाने और न्यूनतम 10 लाख तक कैशलेश चिकित्सा बीमा सुविधा देने जैसे प्रमुख मांग छत्तीसगढ़ प्रदेश एनएचएम कर्मचारी संघ ने की है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा स्वामी डीबी कार्प लिमिटेड के लिए प्लाट नम्बर 40/44 इंडस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड, उरला, रायपुर से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।